6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष दशमी 09:29 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 30 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 6, पृष्ठ 16+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ शीतकालीन सत्र में भी सुनाई देगी एसआईआर की गूंज - 14

■ महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा एडीबी - 14

■ तूफान दितवा ने पकड़ी गति आज आधी रात पहुंचेगा तमिलनाडु तट - 15

■ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में रोहित और कोहली की होगी कड़ी परीक्षा - 16

जरूरतमंद इलाज कराएं, धन नहीं बनेगा बाधक

गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लगाने वालों को मुख्यमंत्री ने किया आश्वस्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लगाने वालों को आश्वस्त किया है कि सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। स्पष्ट कहा कि बिना चिंता किए उच्चीकृत अस्पतालों में इलाज कराएं, भरपूर आर्थिक मदद मिलेगी। उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी।

सीएम योगी ने इसे लेकर अफसरों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान योगी ने उक्त बातें कहीं। योगी शुक्रवार देर शाम गोरखपुर पहुंचे थे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद शनिवार सुबह उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने मंदिर परिसर में एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है।

एक बिटिया ने अपनी मां के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मनुहार की तो योगी ने कहा, चिंता मत करो, इलाज कराओ, पैसे की व्यवस्था कर दी जाएगी। अन्य को भी इसी आत्मीयता से भरोसा दिया कि इलाज के लिए सभी की पर्याप्त मदद की जाएगी।

जनता दर्शन में महिलाएं स्वयं या परिजनों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंची।

दबंगई पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए यदि कोई पात्र व्यक्ति शासन की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है तो उसे तत्काल योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

ईसी ने बीएलओ का मानदेय किया दोगुना

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को बीएलओ का मानदेय दोगुना करने व इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (ईआरओ) तथा असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स (एईआरओ) को मानदेय देने की घोषणा की है। बीएलओ का मानदेय छह हजार रुपये से बढ़ाकर 12 हजार रुपये कर दिया गया है।

मतदाता सूची संशोधन के लिए मिलने वाला बीएलओ प्रोत्साहन भी एक हजार से दोगुना करके दो हजार रुपये कर दिया गया है। ईआरओ को पहली बार 30 हजार रुपये का मानदेय दिया जाएगा, जबकि एईआरओ को भी पहली बार 25 हजार का मानदेय दिया जाएगा। आयोग ने कहा, यह वृद्धि निष्पक्ष और पारदर्शी मतदाता सूचियों को तैयार करने में इन अधिकारियों की भूमिका' को ध्यान में रखकर की गई है।

तत्काल सुनवाई की आवश्यकता वाले मामले 2 दिनों में होंगे सूचीबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

● प्रधान न्यायाधीश ने 1 दिसंबर से लागू की यह व्यवस्था

भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक दिसंबर से मामलों की सूची को सुव्यवस्थित करने के लिए कदम उठाए हैं तथा मामलों के सूचीबद्ध और उल्लेख के लिए परिपत्र जारी किए गए हैं। परिपत्र के अनुसार, वादियों को तत्काल सुनवाई की आवश्यकता वाले अपने मामले को सूचीबद्ध करने के लिए पीठ के समक्ष उल्लेख करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि नए मामले स्वतः ही सूचीबद्ध हो जाएंगे।

परिपत्र में कहा गया है, व्यक्तियों की स्वतंत्रता से जुड़े सभी नए मामले और जहां तत्काल अंतरिम आदेश की मांग की गई है और मामले का सत्यापन हो चुका है, अगले दो कार्यदिवसों के भीतर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इसमें कहा गया, सभी जमानत याचिकाओं का शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने के लिए, अग्रिम प्रति प्रतिवादी (भारत संघ/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश) के संबंधित नोडल अधिकारी/स्थायी वकील को दी जानी चाहिए। परिपत्र के अनुसार, अग्रिम जमानत, मृत्युदंड, बंदी प्रत्यक्षीकरण, बेदखली और तोड़फोड़ की कार्रवाई से संबंधित असाधारण रूप से जरूरी मामले में, जो निर्धारित तिथि पर सूचीबद्ध होने की प्रतीक्षा नहीं कर सकते, अनुरोध सुबह 10:00 बजे से 10:30 बजे के बीच किया जा सकता है। इसमें कहा गया है, किसी भी वरिष्ठ वकील को किसी भी अदालत के समक्ष मौखिक उल्लेख करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मातृत्व की चुनौतियां पेरेंटिंग का बदलता रूप व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞ www.amritvichar.com

10 माह की बच्ची को उठा ले गया भेड़िया, क्षत-विक्षत शव मिला

● बहराइच में कोतवाली देहात इलाके के खोरिया सफीक की घटना

बहराइच। जिले के खोरिया सफीक ग्राम में शुक्रवार देर रात मां के साथ सो रही 10 माह की बच्ची को भेड़िया उठा ले गया। मां ने शोर मचाया तो परिजनों व ग्रामीणों ने भेड़िया का पीछा किया। घर से करीब 800 मीटर दूर खेत में बच्ची का क्षत-विक्षत शव मिला।

श्रावस्ती के गिलौला इलाके के रहने वाले रामचंद्र की पत्नी रमादेवी चार दिन पूर्व अपने मायके खोरिया सफीक आई थी। शुक्रवार की रात वह अपनी 10 माह की बच्ची सुनीता के साथ फूस के मकान में सो रही थी। तभी रात एक बजे भेड़िया बच्ची को उठा ले गया।

भेड़िया के हमले में बालक की मौत

कैसरगंज, बहराइच। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोड़हिया नंबर तीन के मजरे मल्लाहन पुरवा में शुक्रवार की देर शाम भेड़िया ने घर के बाहर खेल रहे स्टार (पांच वर्ष) पुत्र रोशन कुमार पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। बच्चे के दोनों हाथ को भेड़िया चबा गया था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

उप्र में एसआईआर प्रक्रिया 3 महीने बढ़ाने को याचिका दायर

नई दिल्ली। उप्र में एसआईआर की अवधि तीन महीने बढ़ाने के लिए शीर्ष कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि राज्य में चार सप्ताह में 15.35 करोड़ मतदाताओं का एसआईआर कराना प्रशासनिक रूप से असंभव है और इससे बड़ी संख्या में लोगों के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है। भारतीय किसान यूनियन आजाद ट्रस्ट ने याचिका में इस कवायद की अवधि तीन महीने बढ़ाने की मांग की गई है।

ए320 विमानों के सॉफ्टवेयर अपडेट से उड़ानें प्रभावित

वाशिंगटन, एजेंसी

● एयरबस ने कहा- दुनियाभर के 6000 विमानों को अपग्रेड की जरूरत
● जेटब्लू विमान ऊंचाई से अचानक नीचे आने पर मिली थी गड़बड़ी

भारत समेत दुनिया भर की विमानन कंपनियों ने शनिवार को व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक विमान ए320 के सॉफ्टवेयर को अपडेट किया, जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा।

जांच में पता चला कि पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आने में कंप्यूटर कोड की गड़बड़ी शामिल हो सकती है। एयरबस ने शुक्रवार को बताया कि जेटब्लू की उस घटना की जांच से पता चला कि सूरज की तेज किरणें (सोलर रेडिएशन) ए320 बेड़े के विमानों के उड़ान नियंत्रण को खराब कर सकती हैं। यूरोप की सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि जापान में 65 घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ी। दुनिया भर में करीब 6000 प्रभावित विमानों को सॉफ्टवेयर अपग्रेड की जरूरत है। कुछ विमानों में हार्डवेयर को भी ठीक करना पड़ सकता है। कुल 8100 से ज्यादा ए320 परिवार के विमान सेवा में हैं।

भारतीय एयरलाइंस ने बेड़े के 80% को अपग्रेड किया

नई दिल्ली। इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शनिवार से ए320 बेड़े के विमानों का सॉफ्टवेयर अपग्रेड शुरू कर दिया, ताकि एक संभावित विमान नियंत्रण समस्या को ठीक किया जा सके। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बताया कि प्रभावित 338 विमानों में 80 प्रतिशत में जरूरी बदलाव कर दिए गए हैं। इस वजह से कई उड़ानों में देरी हुई, जबकि कुछ को रद्द करना पड़ा। विमानन नियामक के ताजा आंकड़ों के अनुसार इंडिगो और एयर इंडिया ने कोई उड़ान रद्द नहीं की, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 4 उड़ाने रद्द कीं।

दैनिक अमृत विचार समाचार पत्र के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राधिका सुपर स्पेशिलिटी एंड एडवांस ट्रामा सेंटर

NABH ACCREDITED

देखभाल का एक नया दृष्टिकोण

आयुष्मान भारत योजना एवं / कैशलेस कार्ड द्वारा
सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज बिल्कुल निःशुल्क
बैंगलोर के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ अब बरेली में उपलब्ध

डॉ. नूरूल कमर
डी.एम. कार्डियोलॉजी (बैंगलोर)
इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ

उपलब्ध सुविधाएं
- ई.सी.जी. (ECG)
- ट्रेडमिल टेस्ट (TMT)
- हॉल्टर मॉनिटरिंग (24 hour, 48 hour, 7 days)
- पेसमेकर (Temporary & Permanent)
- एंजियोग्राफी व एंजियोप्लास्टी (Peripheral/Renal/Carotid)
- Advance F.F.R, I.V.U.S., Rotablation, O.C.T.
- बलूनोप्लास्टी- Pulmonary,Aortric, Mitral value
- ECHO - 2D, 3D, 4D, Fetal, Neonatal, pediatric & Adult
- दिल में छेद का इलाज- ASD, VSD, PDA Closure
- Stress ECHO for fitness, TEE for congenital heart Disease

ओ.पी.डी. का समयः-
:- सुबह- 10:00 AM TO 04:00 PM
:- शाम- 07:00 PM TO 10:00 PM

डॉ. प्रतीक गंगवार
M.B.B.S., P.G.D.S.
Diploma in Infertility
मैनेजिंग डायरेक्टर

डॉ. नम्रता राठौर
एम.बी.बी.एस., डी.एम.आर.डी.
(रेडियो डायग्नोसिस)
एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर

श्रीमती राधा गंगवार
चेयरमैन

आधुनिक कैथलैब/वेंटिलेटर/आई.सी.यू./एन.आई.सी.यू./एच.डी.यू./सी.आर्म. व लेप्रोस्कोपिक वातानुकूलित तथा आधुनिक उपकरणों से युक्त ऑपरेशन थिएटर व आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित शहर का स्वच्छतम अस्पताल

उपलब्ध विभाग
24/7 SERVICE
कैशलेस की सुविधा उपलब्ध है

- हृदय रोग विभाग
- मेडिसिन विभाग
- न्यूरो सर्जरी विभाग
- इमरजेन्सी, क्रिटिकल केयर विभाग
- टी.बी. एवं चेस्ट रोग विभाग
- गैस्ट्रोलॉजी विभाग
- नैफ्रोलॉजी विभाग
- यूरोलॉजी विभाग
- एडवांस ट्रॉमा एण्ड स्पाइनल सर्जरी विभाग
- आई.वी.एफ./फीटल मेडिसिन एवं गम्भीर प्रसव विभाग
- स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
- जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जरी विभाग
- नवजात शिशु एवं बाल रोग विभाग
- हड्डी एवं जोड़ रोग तथा कूल्हा/घुटना प्रत्यारोपण विभाग
- रेडियोलॉजी विभाग

नि:संतान दम्पत्तियों के लिए आशा की नई किरण..
RADHIKA IVF & CHILD CARE CENTRE
● आई.यू.आई. ● ब्लास्टोसिस्ट ● अंडे दान ● भ्रूण बैंक
● आई.वी.एफ. ● भ्रूण दान ● सिमेन बैंक

आधुनिक कैथलैब

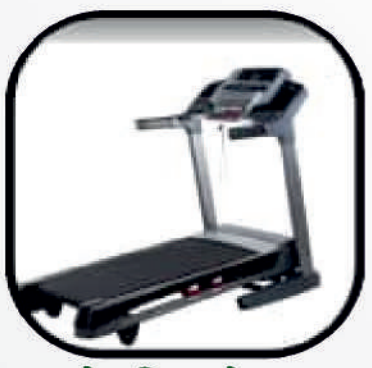

ट्रेडमिल टेस्ट

हॉल्टर मॉनिटरिंग

24/7 SERVICE
आपातकालीन सेवा
24 घंटे एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध

डॉ. रितिका श्रीवास्तव
एम.बी.बी.एस., डी.एन.बी. (Obs.)
एफ.आर.एम. (मुम्बई), लैप्रोस्कोपिक सर्जन
आई.वी.एफ. एवं बांझपन रोग विशेषज्ञ

राधिका आई.वी.एफ. केंद्र में आपका स्वागत है, जहां माता-पिता बनने के सपने साकार होते हैं।

उपलब्ध सुविधाएं

हिस्टोस्कोपी सर्जरी	लैप्रोस्कोपी सर्जरी
■ अत्याधिक रक्त स्त्राव	■ बच्चेदानी निकालना
■ बार-बार गर्भपात होना	■ बच्चेदानी में गांठ
■ बच्चेदानी में चिपकाहट	■ अण्डाशय में गांठ
■ बच्चेदानी में अंदर गांठ	■ गर्भनलिका में पानी भर जाना
■ बच्चेदानी में मस्सा	■ बंद ट्यूब खोलना शेष भाग का (ओपन सर्जरी द्वारा)
■ बंद ट्यूब खोलना अग्र भाग का (ओपन सर्जरी द्वारा)	■ बांझपन निदान
	■ कॉपर टी का अपने जगह से खिसक जाना

कर्मचारी नगर, मिनी बाईपास रोड, इज्जत नगर, बरेली | संपर्क करें:- 7037395694, 9520776725, 9258292014

अमृत विचार

बरेली, रविवार,30 नवंबर 2025

ADVERTORIAL

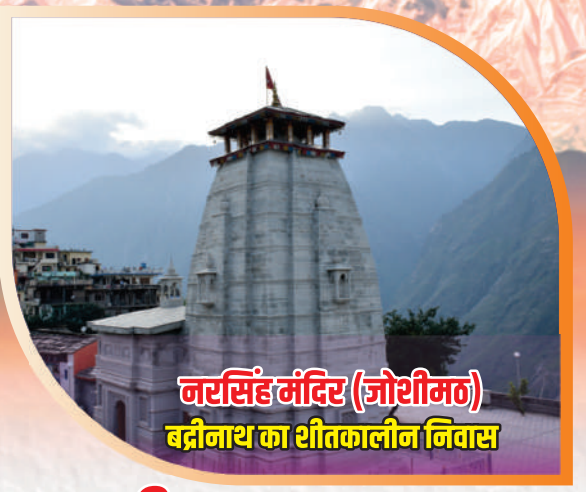

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

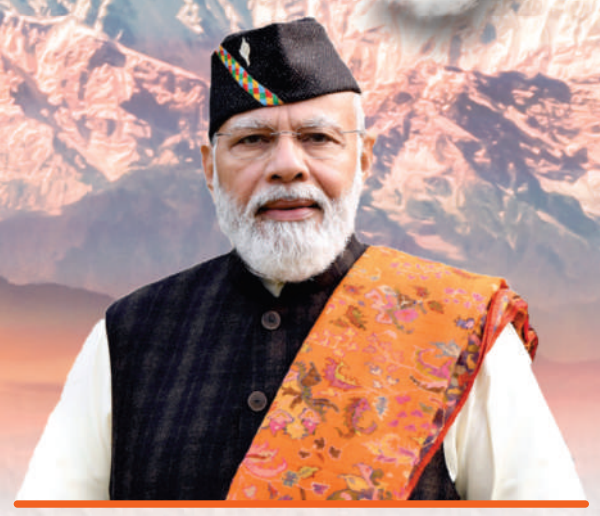

“माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य स्थायी नीतियों और रणनीतिक पहलों के माध्यम से राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे में सुधार करना और नागरिकों की जीवन में गुणवत्ता को बेहतर करना है।”

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

“21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।”

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

सुलभ मार्ग, दिव्य दर्शन— सर्दियों में भी चारधाम का आशीर्वाद

सर्दियों के दौरान जब हिमपात के कारण चारधाम (यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ) के कपाट बंद हो जाते हैं, तब उनके विग्रह प्रतिमाओं को पारंपरिक डोली यात्रा के माध्यम से नजदीकी शीतकालीन पूजा स्थलों में स्थापित किया जाता है। इन ही मंदिरों में 6 महीनों तक पूजा-अर्चना और दर्शन किए जाते हैं। इसे ही **विंटर चारधाम यात्रा** कहा जाता है। शीतकालीन पूजा के दौरान भक्तगण बिना कठिन पर्वतीय यात्रा के अधिक सुलभ मार्ग से दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त करते हैं। इस अवधि में पारंपरिक डांडियों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं का अद्भुत अनुभव श्रद्धालुओं को एक अनोखी आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। साथ ही, आसपास स्थित धार्मिक स्थलों, प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थानों और पर्यटन स्थलों के विशिष्ट आकर्षणों को भी करीब से देखने का अवसर मिलता है। शीतकालीन चार धाम व्यवस्था न केवल आस्था का उत्सव है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, होमस्टे एवं ग्रामीण पर्यटन को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देती है, जिससे क्षेत्रीय समुदाय की आजीविका और समृद्धि को नए आयाम मिलते हैं।

प्रकृति की पवित्र पहचान— GI टैग वाले उत्तराखंडी उत्पाद

Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 के अंतर्गत GI टैग उन वस्तुओं को मिलता है जो **विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र** से आती हैं और जिनमें उस क्षेत्र विशेष की **प्राकृतिक विशेषताएँ, उत्पादन पद्धति या सामाजिक-सांस्कृतिक परंपरा** जुड़ी होती है। GI टैग का मुख्य उद्देश्य है: उस उत्पाद को “सिर्फ उस क्षेत्र का असली संस्करण” बताना, नकली या अन्य स्थानों में बनाये गए समान उत्पादों से उसे अलग करना, और स्थानीय किसानों/कुशल कारिगरों को आर्थिक लाभ देना।

उत्तराखंड के GI-टैग वाले उत्पादों की सूची -

- तेजपात
- बेरीनाग चाय
- मंडुआ
- गहत
- बुरांस का शरबत
- सफ़ेद राजमा
- लीची (रामनगर)
- झंगोरा
- काला भट्ट
- पहाड़ी तोर
- लखौरी मिर्च (अल्मोड़ा)
- रामगढ़ आड़ू
- लाल चावल (पुरोला)
- माल्टा
- बिछुआ

हस्तशिल्प और अन्य उत्पाद

ऐपण कला
पारंपरिक कुमाऊँनी कला

रिंगाल शिल्प
रिंगाल बाँस से बने हस्तशिल्प

टम्टा
ताँबे के उत्पाद

थुलमा
एक प्रकार का हस्तशिल्प

भोटिया दान
भोटिया समुदाय की एक हस्तशिल्प वस्तु

लिखाई लकड़ी की नक्काशी
लकड़ी पर की गई जटिल नक्काशी

नैनीताल मोमबत्ती
नैनीताल में बनने वाली मोमबत्तियाँ

कुमाऊँनी रंगीन पिछौड़ा
पारंपरिक रूपांकनों वाला एक रंगीन कपड़ा

रम्माण मुखौटा
चमोली रम्माण उत्सव में इस्तेमाल होने वाले लकड़ी के मुखौटे

परिवार-सा अपनापन और पहाड़ों सा सुकून-उत्तराखण्ड होमस्टे

उत्तराखण्ड के होमस्टे न सिर्फ़ यात्रियों को पहाड़ों के बीच सुकून भरा ठहराव देते हैं, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए आय का महत्वपूर्ण साधन भी बन रहे हैं। पर्यटक जब किसी गाँव या छोटे कस्बे में होमस्टे में रुकते हैं, तो उन्हें स्थानीय संस्कृति, भोजन, परंपराओं और ग्रामीण जीवन का असली अनुभव मिलता है। वहीं दूसरी ओर, होमस्टे से मिलने वाली कमाई सीधे स्थानीय परिवारों तक पहुँचती है, जिससे उनकी रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं। इससे पहाड़ों से पलायन कम होता है, महिलाएँ आत्मनिर्भर बनती हैं और गाँवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।होमस्टे की यह व्यवस्था पहाड़ के हर घर को पर्यटन से जोड़ती है—जहाँ पर्यटक को परिवार जैसा स्नेह मिलता है और स्थानीय लोगों को एक स्थायी आजीविका का मार्ग।

विंटर वंडरलैंड - बर्फ से ढ़के पहाड़ों की गोद में एक यादगार सफ़र

उत्तराखण्ड की सर्दियाँ— रोमांच, अध्यात्म और प्रकृति प्रेम का अद्भुत संगम, बर्फ से ढकी ऊँची पर्वत चोटियाँ, शांत झीलों का निर्मल सौन्दर्य, देवालयों में गूँजती घंटियों की ध्वनि और ठंडी हवाओं का मधुर स्पर्श—सर्दियों में उत्तराखण्ड अपने सबसे खूबसूरत रूप में जीवंत हो उठता है। यह मौसम पहाड़ों की असली आत्मा को करीब से महसूस करने का दुर्लभ अवसर देता है।

जब ऊँचे हिमालयी क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर ओढ़ लेते हैं, तब राज्य के कई स्थल एक खास विंटर टूरिज़्म सीज़न के रूप में पर्यटकों का स्वागत करते हैं। विंटर चारधाम पूजा, बर्फीले बुग्याल, रोमांचकारी ट्रेकिंग मार्ग, वॉटर स्पोर्ट्स, पारंपरिक गाँवों में होमस्टे, और सांस्कृतिक उत्सव—हर अनुभव इस यात्रा को यादगार बना देता है।

यह यात्रा केवल आत्मिक शांति और प्राकृतिक सौन्दर्य का उपहार नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका, होमस्टे, और ग्रामीण पर्यटन को नई शक्ति देने वाला अवसर भी है, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और समृद्धि को एक नया रास्ता मिलता है।

मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों से आग्रह

सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से बचें

हिमालय के शांत परिदृश्यों की खोज करते समय, स्वच्छता को प्राथमिकता दें। पहाड़ों के नाज़ुक पर्यावरण की रक्षा के लिए हमेशा सिंगल- यूज़ प्लास्टिक से बचें।

यातायात नियमों का पालन करें

पहाड़ों में यात्रा करते समय, यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें। सतर्क रहें क्योंकि हर जीवन अनमोल है। अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें और दूसरों की सुरक्षा का सम्मान करें।

वोकल फॉर लोकल

अपनी यात्रा के दौरान, स्थानीय उत्पाद खरीदकर स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करें। अपने यात्रा खर्च का कम से कम 5% प्रामाणिक स्थानीय वस्तुएँ खरीदने के लिए आवंटित करें।

तीर्थ स्थलों की पवित्रता का सम्मान करें

धार्मिक स्थलों पर जाते समय परंपराओं, रीति- रिवाजों और स्थानीय रीति-रिवाजों का सम्मान करें। इन पवित्र स्थलों की गरिमा बनाए रखें और नियमों को समझने और उनका उचित पालन करने के लिए स्थानीय लोगों से सहायता लें।

न्यूज ब्रीफ

ई-रिक्शा की टक्कर से युवक घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली रोड पर स्थित एक भोजनालय पर कार्यरत सीताराम रोज की तरह शुक्रवार रात करीब 10 बजे पैदल घर की तरफ जा रहे थे। रामलीला मार्ग पर एक बरात घर के पास पहुंचते ही रहे ई-रिक्शा की टक्कर लगने से सीताराम घायल हो गए। उन्हें सीएचसी लाया गया, वहां से रेफर कराकर परिजन बरेली ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी दी।

नकब लगाकर दुकान से सामान-नकदी चोरी

बीसलपुर, अमृत विचार : बीसलपुर-बरेली मार्ग पर ग्राम भड़रिया मोड़ के पास दुकान में नकब लगाकर चोरी की गई। ग्राम हेतम नगला निवासी बंटू ने बताया उनकी दुकान में घुसे चोर सौर ऊर्जा पैनल, दो बैटरी समेत हजार रुपये नकद समेट ले गए। शनिवार सुबह घटना का पता चला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोर्ट के आदेश पर मारपीट की रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : कोर्ट के आदेश पर सुनगढ़ी पुलिस ने क्षेत्र के ग्राम सड़िया निवासी शिवकुमार की ओर से रिपोर्ट दर्ज की। जिसमें पीड़ित ने बताया कि एक सितंबर की दोपहर वह काम पर थे। इसी बीच गांव का अजय, लालाराम, कुंती, बहादुर, आरती देवी, रीना देवी, विष्णु गाली गलौज करते हुए घर में घुस आए। आरोपियों ने उसकी भाभी ओमवती व हीराकली पर जान से मारने की नीयत से कुल्हाड़ी से वार किया। कुल्हाड़ी हीराकली के सिर में लगी। जिससे वह लहुलूहान होकर गिर पड़ी। शोर शराबा होने पर आसपास के लोग को देखकर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। उसकी भाभी का जिला अस्पताल में इलाज चला। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ईओ आवास पर पालिका का कब्जा, सपा का सामान बाहर

पांच साल पहले निरस्त हुआ था आवंटन, पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में फोर्स लेकर पहुंची नगर पालिका टीम ने तोड़े ताले

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पांच साल पहले आवंटन निरस्त होने के बाद भी सपा के कब्जे में चले आ रहे ईओ आवास पर आखिरकार नगरपालिका की टीम ने पूर्णतया कब्जा ले लिया। छह माह पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हुई चेयरमैन डॉ. आस्था अग्रवाल की मुलाकात के बाद कार्रवाई ने रफ्तार पकड़ी और अब इसे पूरा भी कर लिया गया। पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में भारी भरकम फोर्स लेकर पहुंची नगरपालिका टीम ने भवन पर पड़े ताले तोड़कर उसके भीतर रखा समाजवादी पार्टी का सामान बाहर निकालकर जब्त कर लिया। जिसके बाद कर्मचारी लगाकर साफ-सफाई करा दी गई है। जल्द ही अब इसमें ईओ का सामान शिफ्ट कराया जाएगा।

नकटादाना चौराहा पर स्थित अधिशासी अधिकारी आवास का एक कमरा और आंगन 2005 में नगर पालिका बोर्ड द्वारा अस्थाई रूप से समाजवादी पार्टी कार्यालय के लिए किराए पर दिया गया था। सत्ता परिवर्तन के तीन साल बाद 12 नवंबर 2020 को सपा को किया गया आवंटन निरस्त कर दिया गया था। तत्कालीन जिलाध्यक्ष आनंद सिंह यादव की ओर से उच्च न्यायालय इलाहाबाद में रिट याचिका उत्तर प्रदेश सरकार व अन्य को प्रतिवादी बनाते हुए योजित की गई थी, जिसे एक दिसंबर 2020 को वापस ले लिया गया।

2021 में सपा के तत्कालीन जिला महासचिव यूसुफ कादरी ने नगपालिका पीलीभीत, ईओ के प्रतिवादी बनाते हुए एक वाद न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजन में योजित कर दी गई। इधर, नगर पालिका पीलीभीत की चेयरमैन डॉ.आस्था अग्रवाल ने इस मुद्दे को 18 मई को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष रखा और भवन खाली कराने का आग्रह किया। इसके बाद शासन स्तर से मुहिम चली और प्रशासनिक स्तर पर भी कार्रवाईयां तेजी से हुई। 10 जून को कार्यालय खाली कराने का पहला प्रयास छह दिन की मोहलत देकर टला। 17 जून को दोपहर बाद जब सपा कार्यालय के बाहर भवन खाली करने का नोटिस चस्पा हुआ। 18 जून को कार्रवाई चली और भवन पर नगरपालिका के ताले भी डाल दिए गए। भवन के बाहरी हिस्से की रंगाई पुताई कराकर उस पर कब्जा लेने की बात कहते हुए नगर पालिका ईओ आवास भी लिखवा दिया गया था। इधर, सपा नेताओं की ओर से न्यायालय में स्टे को लेकर प्रार्थना पत्र दिए गए। जिस पर अभी कोई निर्णय नहीं हो सका है।

इधर, पांच माह बाद शनिवार को अचानक कार्रवाई हुई और ईओ आवास पर पूर्णतया कब्जा ले लिया गया। सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी भारी पुलिस बल के साथ नकटादाना चौराहा पर ईओ आवास के बाहर पहुंच गए। ईओ संजीव कुमार भी नगरपालिका टीम के साथ थे। अधिकारियों की मौजूदगी में भवन पर डाले गए ताले तोड़कर टीम भीतर घुसी और फिर वहां पर रखा समाजवादी पार्टी का सामान बाहर निकाल लिया गया।

परिसर में लगे फ्लैक्स आदि भी उतार दिए गए। जिसको ट्रैक्टर ट्रॉली में लादकर नगर पालिका के भंडारण केंद्र में रखवा दिया गया है। परिसर से निकाले गए सामान की सूची भी अधिकारियों ने बनाई है। फिर नगरपालिका के कर्मचारियों को लगाकर साफ सफाई शुरू करा दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि ईओ आवास पर पूर्णतया कब्जा ले लिया गया है। बताते हैं कि चौराहा पर सुरक्षा बंदोबस्त को लेकर बाहर की तरफ बने एक कक्ष को पुलिस सहायता पोस्ट के लिए भी दिया जा सकता है।

ईओ आवास के भीतर से निकालकर बाहर लाते सपा का रखा सामान। ● अमृत विचार

- जल्द ही अब इसमें ईओ का सामान शिफ्ट कराया जाएगा

दिनभर मुस्तैद रहा पुलिस बल

प्रशासन की ओर से भवन पर लगे ताले तोड़कर उसमें रखा सामान निकालकर कब्जे में ले लिया गया। इसके बाद भारी पुलिस बल दिनभर तैनात रहा। अधिकारी भी इसे लेकर इनपुट लेते रहे। मामला चर्चा का विषय बना रहा। वहीं, समाजवादी पार्टी का कोई भी पदाधिकारी और कार्यकर्ता विरोध छोड़िए मौके पर भी नहीं दिखाई दिया। हालांकि सपा नेताओं का कहना है कि उन्हें तो कार्रवाई की जानकारी ही नहीं मिल सकी।

भवन के बाहर मौजूद एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह। ● अमृत विचार

- सपा का सामान बाहर निकालकर जब्त कर लिया गया
- सपा का कोई भी पदाधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा

सपा जिलाध्यक्ष ने बताया मनमानी, लूटपाट का आरोप

एडीएम को तहरीर देते सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बोले- बिना सक्षम न्यायालय का आदेश के की गई कार्रवाई

अमृत विचार: शनिवार को संबंधित ईओ आवास के भवन पर हुई कार्रवाई के बाद समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कुछ ही दूरी पर स्थित लोकसभा कार्यालय पर प्रेसवार्ता का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने इस कार्रवाई को मनमानी बताया। इसके अलावा एक तहरीर भी अपर जिलाधिकारी को दी गई है। जिसमें मौजूद अधिकारियों पर भी लूटपाट करने के आरोप लगाए हैं।

एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रसून द्विवेदी को दी गई जिलाधिकारी के नाम संबोधित तहरीर में सपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि नकटादाना चौराहा पर स्थित सपा कार्यालय का मुकदमा सिविल जज सीनियर डिवीजन न्यायालय में विचाराधीन है। जिसमें लगातार सुनवाई भी हो रही है। न्यायालय के आदेश पर कमीशन भी हो चुका है, जिसकी रिपोर्ट पत्रावली पर दाखिल है। उक्त वाद में स्टे के प्रार्थना पत्र पर 4 दिसंबर की तिथि निश्चित है। नगरपालिका भी इस वाद में उपस्थित है। इसके बावजूद शनिवार सुबह 11::30 बजे ईओ संजीव कुमार अन्य कर्मचारी पहुंचे। सिटी मजिस्ट्रेट, एसडीएम सदर, सीओ सिटी की मौजूदगी में बिना किसी सक्षम न्यायालय के आदेश, बिना कोई सूचना दिए पुलिस बल लाकर ताले तोड़ दिए और कार्यालय में रखे पार्टी के सामान, अलमारी जिसमें गोपनीय दस्तावेज रखे थे। एक मेज, 70 कुर्सियां प्लास्टिक की, एक बड़ी व छह कुर्सी गद्दे वाली, विंडो एसी, इनवर्टर, बैटरा, भारतीय मान स्तंभ एवं संविधान, महापुरुषों के छायाचित्र, साउंड, स्पीकर, भाषण डेस्क, तीन पंखे, पीडीए संबंधित पर्चे, झंडे, पोस्टर, वोटर लिस्टें, पार्टी चंदे के 11 हजार रुपये आदि लूटकर गए हैं। ताले तोड़ने की वीडियो मुहैया होने की बात कहते हुए रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। इस मौके पर जिला प्रवक्ता एडवोकेट अमित पाठक, युवजन सभा जिलाध्यक्ष हरगोविंद गंगवार, हाजी अकबर अहमद आदि मौजूद रहे।

हमारा वाद न्यायालय में विचाराधीन है। किसी तरह का कोई नोटिस तक नहीं दिया गया। अचानक पुलिस बल के साथ पहुंचकर अधिकारियों ने वाद विचाराधीन होने के बावजूद ताले तोड़कर सामान निकालकर असंवैधानिक तरीके से लूटकर ले गए हैं। जिलाधिकारी को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की गई है। न्यायालय पर पूरा विश्वास है, इस प्रकरण को न्यायालय में भी रखा जाएगा। हाईकमान को भी अवगत करा दिया है। - **जगदेव सिंह जग्गा**, सपा जिलाध्यक्ष

सपा कार्यकर्ता विभिन्न न्यायालयों में गए लेकिन किसी भी न्यायालय से इनको रिलीव नहीं मिला। किसी तरह का स्टे भी उनके पास नहीं है। करीब पांच माह पहले टीम ने भवन पर अपना ताला डाल दिया था। इसके बाद सामान हटाने के लिए कई बार नोटिस दिया गया, लेकिन सपा कार्यकर्ताओं ने सामान नहीं हटाया। नगरपालिका टीम ने सामान निकालकर जब्त करके भंडारण केंद्र में रखवा दिया है। -**विजय वर्धन तोमर**, सिटी मजिस्ट्रेट।

डीपीआरओ को निरीक्षण में दो पंचायतों में मिली कमियां, जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: डीपीआरओ को बरखेड़ा ब्लॉक की दो ग्राम पंचायतों के निरीक्षण में खासी कमियां मिलीं। गांवों में जहां-तहां गंदगी मिलने और आरआरसी सेंटर का नियमित संचालन न होने पर उन्होंने खासी नाराजगी जताई। उन्होंने ग्राम प्रधान एवं सचिव से तत्काल कमियों को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

डीपीआरओ रोहित भारती ने शनिवार को बरखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत परेवा अनूप और खमरिया पंडरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम मातृ वंदन योजना के तहत प्राप्त आवेदनों का भैतिक सत्यापन किया। बताते हैं कि आवेदनकर्ता की ओर से सरोवर में कार्य कराया जाना है। मगर, कुछ लोग इस कार्य को लेकर आपत्ति कर रहे हैं। इस पर उन्होंने बातचीत के जरिए समाधान निकालने की बात कही। इसके बाद उन्होंने पंचायत भवन पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन का मुख्य गेट और चैनल आदि की स्थिति दुरुस्त नहीं मिली। सचिव से जानकारी लेने के साथ तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद डीपीआरओ खमरिया पंडरी पहुंचे। यहां उन्होंने बीएलओ समेत ग्रामीणों से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य के बारे में जानकारी ली। पाया गया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में सहयोग नहीं किया जा रहा है। इस पर उन्होंने ग्राम प्रधान एवं सचिव को पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करने के निर्देश दिए। गांव में भ्रमण कर साफ-सफाई व्यवस्था को भी परखा। मगर, जहां-तहां गंदगी बिखरी पाई गई। नाले-नालियों में गंदगी मिली। इस पर उन्होंने खासी नाराजगी जताते हुए तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। यहां आरआरसी सेंटर का विधिवत संचालन होते नहीं पाया गया। जिस पर उन्होंने प्रधान और सचिव को कड़े दिशा निर्देश जारी किए। निरीक्षण के बाद डीपीआरओ रोहित भारती ने बताया कि विकासखंड बरखेड़ा की दो ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुछ कमियां मिलीं हैं, जिन्हें दुरुस्त कराने को निर्देशित किया गया है।

खमरिया पंडरी में आरआरसी सेंटर का निरीक्षण करते डीपीआरओ रोहित भारती।

- प्रधान-सचिव से जताई नाराजगी सुधार करने के दिए निर्देश
- परेवा अनूप और खमरिया पंडरी का किया निरीक्षण

कोर्ट के आदेश पर दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: कोर्ट के आदेश पर सुनगढ़ी पुलिस ने दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज की है। ग्राम दहगला निवासी सीमा खातून ने दर्ज की गई रिपोर्ट में बताया कि वह दिल्ली में रहकर नौकरी करती थी। वहीं पर गांव का ही विकास राठौर भी काम करता था। 15 जनवरी 2024 को शहर के एक मंदिर में दोनों ने शादी कर ली। दोनों पति-पत्नी के रूप में रहने लगे।

कुछ समय बाद आरोपी और उसका भाई देवपाल समेत अन्य परिजन अतिरिक्त दहेज में दो लाख रुपये आदि की मांग करने लगे। उसने दो लाख रुपये दे भी दिए। कुछ समय बाद पति उसको छोड़कर विदेश चला गया। आठ सितंबर को उसे जानकारी मिली कि उसके पति ने न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम पिपरिया आगरू की रहने वाली दूसरी युवती से शादी की है। इस पर उसने पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। जब वह वापस घर पहुंची तो देखा कि उसकी दूसरी पत्नी घर पर थी। जब उसने विरोध किया तो ससुराल पक्ष के विशाल, देवपाल, छेदालाल, रचना व संतोषी ने उसे बंधक बनाकर मारपीट की। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। इंस्पेक्टर सुनगढ़ी नरेश त्यागी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। विवेचना कराई जा रही है।

एसपी के आदेश पर दहेज उत्पीड़न की एफआईआर दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम भरतपुर कॉलोनी निवासी सुमन वैरागी की ओर से एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिसमें उसने बताया कि उसका विवाह 29 अप्रैल 2025 को दीपांकर पुत्र कालीपत निवासी ग्राम चंदिया हजारा के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज में एक बाइक, छह लाख रुपये और सोने की चेन की मांग करने लगे। पति के अलावा ससुराल के शंकर, सुशंकर, लखनी ने प्रताड़ित किया और मारपीट कर दो अगस्त को ससुराल से निकाल दिया। उसने किसी तरह मायके पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच में जुट गई है।

बालिका वधू बनने से बचाई गई एक और किशोरी

पीलीभीत, अमृत विचार: महिला कल्याण विभाग की सजगता से एक नाबालिग को बालिका वधू बनने से बचाया गया। थाना जहानाबाद क्षेत्र के एक गांव से बाल विवाह होने की शिकायत चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर पर प्राप्त हुई थी। शिकायत मिलने पर जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी निर्देश पर संरक्षण अधिकारी मीनाक्षी पाठक, परियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन निर्वान सिंह, मनोसामाजिक परामर्शदाता मृदुला शर्मा, थाना एएचटी प्रभारी गोविंद सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे और जानकारी की। पता चला बालिका का विवाह रविवार को थाना गजरौला क्षेत्र के एक व्यक्ति से होना प्रस्तावित है। घर में शादी की तैयारी चल रही थी। टीम को देखते ही उपस्थित लोगों में खलबली मच गई। टीम ने बालिका के परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की जानकारी देते हुए तत्काल बालिका का विवाह रोकने के निर्देश दिए। परिजनों को बालिका की आयु के संबंध में दस्तावेज की उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बालिका को सोमवार को अग्रिम कार्रवाई के लिए बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

तकनीकी खराबी से छह घंटे तक बंद रही मिल

इंतजार करते हुए गन्ना वाहन पर ही सो गया किसान। ● अमृत विचार

बीसलपुर, अमृत विचार: चीनी मिल की मशीनों में तकनीकी खराबी आने के कारण शुक्रवार और शनिवार को चीनी मिल की पेराई करीब छह घंटे तक बाधित रही। गन्ने की तौल बंद होने पर किसान भड़क गए और हंगामा किया।

किसान सहकारी चीनी मिल के सेकेंडरी टैंक करियर में शुक्रवार शाम 6 बजे खराबी आ गई थी। जिसके चलते चार घंटे तक चीनी मिल में पेराई बंद रही। इस दौरान चीनी मिल गेट के गन्ना केंद्र पर गन्ने की तौल बंद करा दी गई। शनिवार दोपहर 12 बजे चीनी मिल की टरबाइन में तकनीकी खराबी आ गई। जिससे चीनी मिल में गन्ने की पेराई व तौल बंद कर दी गई। गन्ने की तौल बंद होने और टोकिन जारी न होने पर किसान भड़क गए। किसानों ने चीनी मिल यार्ड परिसर में मिल प्रशासन के खिलाफ हंगामा किया। आरोप लगाया कि मिल प्रशासन काफी धीमी गति से गन्ने की तौल करा रहा है। किसानों को गन्ने की पर्चियां जारी होने के बाद भी तौल के लिए टोकन जारी नहीं किए जा रहे हैं। लैब इंचार्ज तिलकराम शर्मा ने बताया कि तकनीकी खराबी आने के कारण चीनी मिल शुक्रवार व शनिवार को करीब छह घंटे तक बंद रही थी। अब मशीनों को पूरी तरह ठीक करा दिया गया है। गन्ने की पेराई जारी है।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत, हत्या का आरोप

संवाददाता, बरखेड़ा

- ससुराल वालों का कहना फंदे से लटककर ऊषा ने की खुदकुशी

अमृत विचार: संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता की मौत हो गई। ससुराल वालों ने खुदकुशी बताया जबकि मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज जांच कर रही है। वहीं बेटी की मौत की सूचना से मायके वालों में हड़कंप मच गया।

बता दें कि दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले रामदुलारे की पुत्री ऊषा देवी (26) की शादी बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम नरायनठेर के रहने वाले चरनजीत उर्फ नन्हें से छह साल पहले हुई थी। उसकी तीन वर्षीय पुत्री लख्मी और दो साल का बेटा गजेंद्र है। शुक्रवार को विवाहिता की ससुराल में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। शनिवार सुबह सूचना मिलने पर जिरौनिया चौकी इंचार्ज हिमांशु गौतम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। मौका मुआयना कर जानकारी की। ससुराल वालों का कहना था कि विवाहिता ने पंखे के सहारे दुपट्टे से बने फंदे से लटककर खुदकुशी की है। वहीं, मृतका के भाई पवन का कहना था कि वह लोग दादरी नोएडा में एक फैक्ट्री में काम कर रहे हैं। शुक्रवार की सुबह उसकी बहन के ससुर टीकाराम ने कॉल कर बताया था कि उषा देवी की तबीयत खराब है और वह बरेली लेकर आए हैं। फिर दोबारा कॉल कर फंदे से लटककर खुदकुशी करने की जानकारी दे दी गई। उन्होंने संदेह जताते हुए अनहानी की आशंका जताई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पत्नी को छोड़ किया दूसरा विवाह, रिपोर्ट दर्ज

बिलसंडा, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़िया बिलहरा निवासी लक्ष्मी देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया उसका पति मधवापुर गांव निवासी अतुल कुमार से वाद न्यायालय में विचाराधीन है।

आरोप लगाया पति ने बरखेड़ा थाना क्षेत्र की एक महिला से दूसरी शादी कर ली है। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। उधर, कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने गांव रुरिया घुरिया निवासी अमित आनंद की ओर से मारपीट की रिपोर्ट दर्ज की है। जिसमें पीड़ित ने बताया 29 सितंबर को वह अपने दोस्त व परिवार के लोगों के साथ घर में बैठा था तभी गांव के रामजीत, रीतराम, विमलेश और सोनपाल लाठी डंडे लेकर घर में घुस आए। इसके बाद हमला कर मारपीट की गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

हादसे रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट पर लगेंगी हाइटेक डिवाइस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जिले में सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए परिवहन विभाग की ओर से तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। चिन्हित 27 संवेदनशील स्थानों पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंफोर्समेंट डिवाइस लगाए जाएंगे। जिनकी मदद से ओवर स्पीड समेत ट्रैफिक उल्लंघनों की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव हो सकेगी। स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट योजना के तहत किया जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही डिवाइस लगाने का काम शुरु हो सकेगा। इस डिवाइस से काफी हद तक हादसों को रोकने में कामयाबी मिलेगी। इसकी मॉनिटरिंग पुलिस और परिवहन विभाग करेगा।

सड़क हादसों की बढ़ती संख्या को लेकर शासन प्रशासन चिंतित हैं। तमाम प्रयासों के बाद भी हादसों में कमी नहीं है। इसी साल जनवरी से अक्टूबर तक के आंकड़ों के अनुसार 376 सड़क हादसे हुए। इनमें 191 साधारण व 185 बड़े हादसे थे। इन हादसों में 220 लोगों की मौत हुई। दुर्घटनाओं में 295 लोग गंभीर घायल हुए हैं, जबकि 10 माह में 107 दो पहिया वाहन सवारों की मौतें हुई है। मगर इसके बाद भी लोग जागरूक नहीं हो रहे हैं। इतना ही नहीं ब्लैक स्पोर्ट भी चिन्हित किए गए हैं, लेकिन आज तक कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं हो सकी है। अब जिले में चिन्हित किए गए 27 ब्लैक स्पोर्ट पर हाइटेक डिवाइस लगाई जाएगी। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि योजना के तहत हाई रिस्क कारिडोर, हाई डेंसिटी कॉरिडोर और क्रिटिकल जंक्शन पर इलेक्ट्रानिक इंफोर्समेंट डिवाइस स्थापित किए जाने हैं। हाई रिस्क कॉरिडोर के तहत तीनों तरह की सड़कों का एक किमी लंबाई का वह भाग चिन्हित किया जाएगा, जहां बीते तीन वर्ष में न्यूनतम तीन हादसे हुए हैं। वहीं शहरी और ग्रामीण इलाके की उन सड़कों को भी चिन्हित किया जाएगा, जहां तीन वर्ष में न्यूनतम दो हादसे हुए हैं। इन डिवाइस की मदद से वाहन चालकों की गति और ट्रैफिक नियमों के पालन को सख्ती से सुनिश्चित किया जाएगा। डिवाइस का लक्ष्य पैदल यात्री, दो पहिया वाहन, साइकिल चालकों की हादसे में होने वाली मौतों को रोकना है। वहीं क्रिटिकल जंक्शन के तहत तीनों तरह की सड़कों पर स्थित ऐसे जंक्शन को शामिल किया जाएगा, जहां तीन वर्ष में न्यूनतम एक दुर्घटना हुई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार इससे न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी। बल्कि ट्रैफिक अनुशासन भी बेहतर होगा।

हादसे में क्षतिग्रस्त कार। फाइल फोटो

- परिवहन विभाग की ओर से 27 स्थान किए गए चिन्हित, जल्द शुरू होगा काम, मॉनिटरिंग को नामित होंगे अफसर

स्कूल और कॉलेज की सौ मीटर की दायरे में रहेंगी सड़क

प्रमुख जिला मार्ग और अन्य जिला मार्ग का भी यही मानक होगा। इसके अलावा स्कूल और अन्य शैक्षिक संस्थानों के आसपास की सौ मीटर की सड़क भी इसके दायरे में आएगी। साथ ही, जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा नामित सड़कें भी हाई रिस्क कॉरिडोर के तहत शामिल की जाएंगी। वहीं उच्च घनत्व (हाई डेंसिटी) वाले कॉरिडोर के तहत ऐसे स्थान और सड़कें चिन्हित की जाएंगी, जहां यातायात उल्लंघन (ओवर स्पीडिंग, रेड लाइट जंपिंग, लेन अनुशासनहीनता, क्रॉस पेडेस्ट्रियन मूवमेंट) होता है।

योजना के तहत हाई रिस्क कॉरिडोर, हाई डेंसिटी कारिडोर और क्रिटिकल जंक्शन पर डिवाइस लगाए जाएंगे। इनसे सड़कों पर होने वाले हादसों पर लगाम लग सकेगी। ऐसे स्थानों को चुना जाएगा जहां पिछले तीन वर्ष में कम से कम सड़क हादसे हुए हैं। - **वीरेंद्र सिंह** एआरटीओ

लगेंगे यह उपकरण

आटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरा, स्पीड कैमरा, एआई बेस्ड वॉयलेशन डिटेक्शन (मोबाइल का इस्तेमाल, हेलमेट धारण नहीं करना, गलत दिशा में वाहन चलाना), रेड लाइट वायलेशन डिटेक्टर, डिजिटल साइनेज, वेरिएबल मैसेज साइन, बाडी वार्न कैमरा, सीसीटीवी, डैशबोर्ड कैमरा, इंटरसेप्टर विद स्पीड गन, वे-इन-मोशन। मशीन लगाई जाएगी, इनके जरिए नियमों का उल्लघंन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

730 कैमरों की मदद से होगी बाघों की गणना

730 वर्ग किलोमीटर में फैले जंगल में बनाई जाएगी 365 ग्रिड, प्रत्येक ग्रिड में लगेंगे दो-दो कैमरे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः पीलीभीत टाइगर रिजर्व में 10 दिसंबर से शुरू होने वाली राष्ट्रीय बाघ गणना 730 कैमरा ट्रैप के माध्यम से की जाएगी। इस बार बाघ गणना में पहली बार मोबाइल एप का प्रयोग किया जाएगा। इतना ही नहीं, बाघ गणना में सामाजिक वानिकी प्रभाग के उस हिस्से को भी शामिल किया जाएगा, जहां लगातार बाघों का मूवमेंट देखा जा रहा है। इधर टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से बाघ गणना की तैयारियां तेज हो गई हैं।

पीटीआर में शावकों के साथ चहलकदमी करती बाघिन। ● अमृत विचार

> पीलीभीत टाइगर रिजर्व में राष्ट्रीय बाघ गणना 2026 का कार्यक्रम जारी किया गया है। इसको लेकर तैयारियां तेजी से शुरू कर दी गई। एस्टीमेशन करने वाली टीमों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गाइड लाइन के अनुसार बाघों के साथ तृणभोजी वन्यजीवों का भी सटीक आकलन किया जाएगा। - **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा देश भर में बाघों की संख्या जानने को राष्ट्रीय बाघ गणना हर चार साल के अंतराल पर कराई जाती है। इससे पूर्व राष्ट्रीय बाघ गणना वर्ष 2022 में कराई गई थी। उस दौरान पीलीभीत टाइगर रिजर्व में 72 बाघों की मौजूदगी पाई गई थी। जारी कार्यक्रम के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व में 10 दिसंबर से बाघ गणना शुरू होगी। राष्ट्रीय बाघ गणना को लेकर टाइगर रिजर्व के वन अफसर देहरादून में प्रशिक्षण ले चुके हैं। अब टाइगर रिजर्व प्रशासन इसकी तैयारियों में तेजी से जुट गया है।

- **एम-स्ट्राइप एप का होगा प्रयोग**
- **जंगल से बाहर बाघों के मूवमेंट वाले स्थानों पर रहेगी नजर**

बाघ गणना के दौरान इस्तेमाल होने वाले कैमरा ट्रैप, टॉर्च, ताला, बैटरी, एसडी कार्ड समेत अन्य संसाधनों का परीक्षण किया जा रहा है। पीटीआर मुख्यालय में शनिवार से पांचों रेंज में टाइगर एस्टीमेशन का कार्य करने वाली टीमों को प्रशिक्षित किए जाने का सिलसिला भी शुरू हो गया। वहीं एक दिन पूर्व फील्ड डायरेक्टर एच राजा मोहन ने भी सभी वन अफसरों को बाघ गणना की बारीकियों से रूबरू कराया था। पहले चरण में जंगल की अनावश्यक झाड़ियों को काटा-छाटा जाएगा।

धारियों के पैटर्न से बाघों की होगी पहचान

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में होने वाली बाघ गणना में बाघों की पहचान उनके खास स्ट्राइप पैटर्न यानी धारियों के पैटर्न से करने के लिए कैमरा ट्रैप तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। 10 दिसंबर से 5 जनवरी तक लाइन ट्रांसेक्ट, साइन सर्वे और हैबीटेट सर्वे का काम पूरा किया जाएगा। इसके तहत टाइगर रिजर्व की सभी पांच रेंजों को 365 ग्रिड में विभाजित किया जाएगा। एक ग्रिड का आकार 2 वर्ग किमी होगा। प्रत्येक ग्रिड में आमने-सामने दो कैमरा ट्रैप लगाए जाएंगें। इस तरह सभी पांच रेंजों में करीब 730 कैमरा ट्रैप लगाकर बाघ गणना का कार्य शुरू किया जाएगा। 01 मई से 07 मई तक डेटा कंपाईलेशन के बाद कैमरों में कैद हुई बाघों की तस्वीर टाइगर रिजर्व प्रशासन भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) देहरादून को भेजेगा।

मोबाइल एप के माध्यम से होगी पेपरलेस काउंटिंग

टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व में इस बार बाघ गणना इ पेपरलेस होगी। इसमें एम-स्ट्राइप एप का प्रयोग किया किया जाएगा। एम-स्ट्राइप एप के नए वर्जन के जरिए सभी आंकड़े ऑनलाइन दर्ज किए जाएंगे। हालांकि इसके साथ पूर्व की तरह पेपरवर्क भी किया जाएगा। मगर प्राप्त आंकड़ों को एम-स्ट्राइप एप के जरिए ही भेजा जाएगा। वहीं इस बार जंगल से बाहर सामाजिक वानिकी प्रभाग के उस हिस्से को भी बाघ गणना में शामिल किया जाएगा, जहां पर लगातार बाघों का मूवमेंट देखा जा रहा है।

फंदे से लटका मिला युवक का शव

पीलीभीत, अमृत विचार : घर से लापता युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मचा रहा।

थाना जहानाबाद क्षेत्र के गांव मगरासा निवासी राजेश कुमार शुक्रवार सात बजे बिना बताए घर से कहीं चला गया। देर रात तक न आने पर परिवार वालों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। शनिवार को उसका शव गांव से 200 मीटर दूर एक पेड़ पर फंदे से लटका मिला।

उधर से गुजर रहे ग्रामीणों ने शव देखकर मामले की सूचना मृतक के परिवार और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाया और परिवार से जानकारी जुटाई। हालांकि परिवार कुछ खास नहीं बता सका। इंस्पेक्टर प्रदीप विश्नोई ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिवार की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

सहायक लीगल एंड डिफेंस काउंसिल पद पर होगी भर्ती

पीलीभीत, अमृत विचारः जिले में लीगल एंड डिफेंस काउंसिल सिस्टम में असिस्टेंट लीगल एंड डिफेंस काउंसिल के एक पद पर नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव अपर जिला जज सुनील कुमार ने बताया पात्र व्यक्ति निर्धारित आवेदन को पूर्ण करते हुए आवेदन पत्र डाक और किसी भी कार्यदिवस में व्यक्तिगत रूप से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में 6 दिसंबर की शाम 5 बजे तक जमा कर सकते हैं। अभ्यर्थी आवेदन पत्र के साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो स्वयं का पता लिखा लिफाफा मय पंजीकृत टिकट संलग्न अवश्य करें।

जिले में 67.22 कार्य पूरा, 9.86 लाख लोगों के फॉर्म अपलोड

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में अब तक 9.86 लाख मतदाताओं के गणना प्रपत्र डिजिटाइज्ड किए जा चुके हैं। वहीं 15.19 प्रतिशत मतदाता ऐसे हैं, जिनके नाम या फिर उनके माता-पिता के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नहीं मिले हैं। इन सभी को नोटिस जारी किया जाएगा। इसके बाद निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 11 विकल्पों में से कोई एक विकल्प प्रस्तुत करने पर इन लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगें।

चुनाव आयोग के निर्देशानुसार जनपद में 4 नवंबर से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान शुरू किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देशन पर जनपद

- **एसआईआर:गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन में बरखेड़ा विधानसभा प्रथम स्थान पर**

की चारों विधानसभा क्षेत्र में अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्रों का वितरण करने के बाद अब मतदाताओं से प्राप्त प्रपत्रों को बीएलओ एप के माध्यम से डिजिटाइज्ड कर रहे हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी ने बताया कि जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत अब तक 67.22 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। शनिवार दोपहर तक 986783 मतदाताओं के फार्म डिजिटाइज्ड किए जा चुके हैं। गणना प्रपत्रों को डिजिटाइज करने में बरखेड़ा विधानसभा सबसे आगे हैं। इस विधानसभा में शनिवार दोपहर तक 74.18 फीसदी फार्म डिजिटरइज किए गए हैं। इसके अलावा पीलीभीत विधानसभा में 65.37 एवं पूरनपुर विधानसभा में 65.31 एवं बीसलपुर विधानसभा में 64.84 प्रतिशत फार्म डिजिटाइज किए जा चुके हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त ने बताया कि जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य गतिमान हैं। प्रत्येक कार्य की निगरानी की जा रही है। आयोग के निर्देशानुसार सभी कार्य समयसीमा के अंदर पूरे कर लिए जाएंगें।

डीएम ने दिया एसआईआर कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

एसआईआर के संबंध में निर्देश देते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : गांधी सभागार में शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी ने बताया कि जनपद की चारों विधानसभा के बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर अधिक से अधिक गणना प्रपत्रों को कलेक्ट कर बीएलओ एप पर डिजिटाइज्ड की कार्यवाही की जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक मतदाता तक गणना प्रपत्र अवश्य पहुंचे, ताकि कोई भी व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रह जाए। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार किये जा रहे विशेष पुनरीक्षण में चारों विधानसभाओं में डिजिटाइज्ड कार्य में तेजी लाई जाए। जिससे कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा कराना सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक हुई। जिसमें उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जनपद में अब तक किए डिजिटाइज्ड कार्यो की जानकारी दी। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को गणना प्रपत्र भरवाने/जमा कराने में बीएलओ का सहयोग करने की अपेक्षा की। प्रतिनिधियों ने गणना प्रपत्र के कार्यों में आ रही समस्या के बारे में बताया गया। इस पर उनकी समस्याओं का समाधान किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी राजनीतिक दल इस कार्य में सहयोग करें, ताकि बीएलओ द्वारा डिजिटाइज्ड का कार्य ससमय पूरा किया जा सके।

मंडलायुक्त ने एसआईआर कार्य की समीक्षा की

बीसलपुर, अमृत विचारः मंडलायुक्त ने बीसलपुर पहुंचकर डीएम समेत अन्य अफसरों की मौजूदगी में एसआईआर की समीक्षा की।

मंडलायुक्त भूपेंद्र यश चौधरी शनिवार शाम करीब 5 बजे पीलीभीत पहुंचे। बीसलपुर तहसील पहुंचकर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह समेत अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में एसआईआर के कार्यों की समीक्षा की। अभी तक विधानसभाओं में भरे गए मतदाताओं के फार्म के बारे में विस्तार से जानकारी की। उन्होंने बैठक में मौजूद एसडीएम से फॉर्म भरने की गति और तेज करने के सुझाव दिए। सभी मतदाताओं के फॉर्म भरे जा सके। मंडलायुक्त ने कहा कि फॉर्म भरने वाले बीएलओ पर किसी प्रकार का कोई भी दबाव अधिकारी नहीं बना रहे हैं। जनपद में 72 प्रतिशत और बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र में 64 प्रतिशत मतदाताओं के फॉर्म भरे जा चुके हैं। अभी फॉर्म भरने के लिए पांच दिन शेष बचे हैं। जिनमें शेष मतदाता अपने फॉर्म भरवाकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। बैठक में एडीएम वित्त प्रसून द्विवेदी, एसडीएम बीसलपुर नागेंद्र पांडेय, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, एसडीएम अमरिया मयंक गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

बैठक कर समीक्षा करते मंडलायुक्त भूपेंद्र यश चौधरी। ● अमृत विचार

कार सवार को बचाने वाले दिनेश-फैजल सम्मानित

मददगार बने युवकों को सम्मानित करते सौरभ सक्सेना। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचारः गौहनिया तालाब में गिरे कार सवार की मदद करने वाले दिनेश और फैसल का सुमन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट की ओर से सम्मान किया गया। उनके इस कार्य की सराहना की गई।

बता दें कि गुरुवार को टनकपुर हाईवे पर गौहनिया तालाब में कार अनियंत्रित होकर गिर गई थी। कार सवार युवक फंस गया था। तालाब में पहले से नाव पर मौजूद फैजल नेकार का शीशा तोड़कर फंसे युवक को बाहर निकालने का प्रयास किया तो कार पलट गई थी। जिसके बाद भीड़ में मौजूद दिनेश ने भी पानी में छलांग लगा दी थी। जिसके बाद दोनों युवकों ने मिलकर कार में फंसे युवक को बचाया। इसी साहस को देखते हुए सुमन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट के निदेशक सौरभ सक्सेना ने दिनेश कुशवाहा और फैजल को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से दोनों युवकों ने कार सवार की जासन बचाने के लिए अपनी जान की परवाह नही की। ऐसे मददगार लोगों की समाज को जरुरत है। उनकी हौसला अफजाही के लिए सम्मानित किया गया है।

ई-रिक्शा चालक पर एफआईआर

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम रूपपुर कमालू निवासी रमेश चंद्र ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 20 सितंबर की शाम उसका पुत्र मानसिंह बाजार से सब्जी लेकर घर आ रहा था। बीसलपुर की ओर से आ रहे ई रिक्शा ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें उसका पुत्र घायल हो गया। राहगीरों ने ई रिक्शा चालक को पकड़ लिया। ई रिक्शा चालक का नाम लियाकत अली निवासी ग्राम मोहनपुर था। पुत्र का बरेली के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने ई-रिक्शा चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

दो दिसंबर को लगेगा वृहद कृषि मेला किसानों की समस्याएं की जाएंगी दूर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरनपुर में दो दिसंबर को बृहद स्तर पर कृषि मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें विभिन्न कंपनियों के स्टॉल लगाए जाएंगे और फसल संबंधी समस्याओं के समाधान की जानकारी स्टॉल पर ही दी जाएगी। कृषि विभाग का भी एक काउंटर लगाया जाएगा।

प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार शर्मा ने बताया कि मेले को भव्य रूप देने के लिए निदेशक उत्तर प्रदेश गन्ना शोध संस्थान शाहजहांपुर, गन्ना विभाग के अधिकारियों का

गन्ना कृषक स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरनपुर का भवन।

सहयोग और परामर्श प्राप्त हो रहा है। महाविद्यालय स्तर पर कमेटियां नियुक्त कर दी गई हैं। वह अपनी देखरेख में विभिन्न कार्य योजनाओं पर कार्य कर रही है।

इस मेले से न सिर्फ विद्यार्थी एवं शोधार्थी लाभान्वित होंगे बल्कि किसानों को भी लाभ मिलेगा। ये भी

- **किसानों को आ रही समस्याओं का स्टॉल पर होगा समाधान**
- **गन्ना कृषक स्नातकोत्तर कॉलेज पूरनपुर में होगा आयोजन**

बताया कि एलएच चीनी मिल द्वारा 120 सेट फर्नीचर भी महाविद्यालय को मुहैया करा दिया गया है। बीएससी कृषि की कक्षाएं भी संचालित हो रही है। बीएससी कृषि के संचालन के लिए भवन निर्माण कार्य को लेकर दो करोड़ रुपये मुख्यमंत्री द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त किया है।

आप सभी को एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कार्यालय नगर पालिका परिषद
लखीमपुर खीरी

नगर पालिका परिषद लखीमपुर समस्त नगर वासियों से निम्नलिखित अपील करती है:- 1. यह नगर आपका है, आप नगर के सम्मानित नागरिक है, नगर को स्वच्छ, प्रदूषण रहित बनाये रखने के लिए नगर पालिका द्वारा किये जा रहे प्रयासों से सहयोग करें। अपने घरों से निकलने वाले सूखे व गीले कूड़े को डोर-ट-डोर कूड़ा कलेक्शन में लगे कर्मचारियों को ही दें, नालियों / खुले स्थानों पर न डालें अथवा निश्चित स्थल/डस्टबिन में रखें।
2. सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग कदापि न करें इसका प्रयोग और विक्रय दोनों दंडनीय है। नगर को प्रदूषण से बचायें, सिंगल यूल प्लास्टिक की जगह कपड़े व जूट से बने थैलों का ही प्रयोग करें।
3. खुले मैदान, सड़क की नालियों में शौच/पेशाब न करें, घर या पालिका द्वारा निर्मित शौचालयों का प्रयोग करें व शौचालयों को साफ-सुथरा रखने में पालिका का सहयोग करें।
4. अपने घरों में निर्मित सेप्टिक टेंक की सफाई प्रति तीन वर्ष में एक बार अवश्य कराए।
5. सेप्टिक टेंकों से निकलने वाला मल (फीकल स्लज) को खुले में अथवा तालाब में डालना पूर्णतया प्रतिबन्धित है।
6. सार्वजनिक सड़क, भूमि, पटरी व नालियों पर सी.एण्ड. डी. वेस्ट (मलवा, बालू, पत्थर, ईंट, बजरी, आदि) किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें। अतिक्रमण एक संज्ञेय अपराध है।
7. नगर पालिका द्वारा नगर में स्थापित प्रकाश बिन्दु जो अंधेरे में आपके मार्गदर्शक है, स्थापित प्रकार बिन्दु को क्षति न पहुंचायें।
8. जन्म मृत्यु का पंजीयन 21 दिनों के अन्दर कार्यालय में समय से दर्ज करायें।
9. अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें, भूमण्डल एवं पर्यावरण को बेहतर बनायें।
10. किसी भी प्रकार की स्वच्छता की शिकायत के लिए स्वच्छता ऐप को डाउनलोड करें, दूसरों को भी स्वच्छता ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित करें तथा किसी शिकायत/सुझाव हेतु पालिका के टोल फ्री नम्बर 1533 एवं सेप्टिक टेंक की शिकायत/सुझाव हेतु 14420 कॉल करें।

संजय कुमार
अधिशासी अधिकारी

डॉ. इरा श्रीवास्तव
अध्यक्ष

नगर पालिका परिषद, लखीमपुर खीरी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार अमृत विचार के छठवें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

In the memory of Late Shree Krishna Gupta

CHILDREN'S ACADEMY

(Affiliated to CBSE, New Delhi)
Gola Gokaran Nath - Kheri

SCIENCE | COMMERCE | HUMANITIES

Celebrating 25 Years of excellence

25 year Anniversary

रजत जयन्ती वर्ष

Ajay Krishna Anand
Director / Principal

Navkiran Kaur
Head Mistress (Jr. Sec.)

Anubhav Gupta
Adv. / Director

Savita Gupta
Managing Director

Satish Gupta
Managing Director

S.K. Gupta (Adv.)
Chairman

6393147367 | 9569709276 | 9839643597

आप सभी को एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार अमृत विचार के 6वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कार्यालय नगर पंचायत भीरा, जनपद लखीमपुर खीरी

नगर वासियों से निम्न अपेक्षाएं करते हैं:- 1. जल अमूल्य है इसकी बचत करें और बिना उपयोग नलों की टोटियां खुली न छोड़ें। 2. सड़कों पर मवेशियों को न बांधे इससे सड़कें खराब होती है। 3. कूड़ा सड़क पर न डालें, उसको कूड़ेदान में डालकर नगर को साफ सुथरा रखने मे सहयोग प्रदान करें। 4. नगर में स्वच्छ रखने के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन में सहयोग दें। कूड़े को नगर पंचायत सफाईकर्मी को ही दें, कूड़े को किसी भी दशा में नाली / नाले सड़क अथवा खुले स्थन में न फेंके और न ही जलायें, कूड़ा खुले में फेंकने से सड़क गन्दी होती है। ऐसा करना दण्डनीय अपराध है। 5. अपने पालतू पशुओं को अवारा न छोंड़े इससे नगर वासियों को परेशानी होती है। 6. पेड़-पौधों को नष्ट न करें, पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पेड़ पौधे जरूर लगायें। 7. समस्त प्रकार के पॉलीथीन बैग तथा थर्माकोल से निर्मित उत्पादों का प्रयोग न करें। यह शासन द्वारा पूर्णत: प्रतिबन्धित है तथा इसका उत्पाद प्रयोग परिवहन तथा भण्डारण करना संज्ञेय अपराध है, पकड़े जाने पर जुर्माना/सजा अथवा दोनों तरह से दण्डित किया जा सकता है। 8. पॉलीथीन का प्रयोग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा पूर्णत: प्रतिबंधित है, कृपया इसका प्रयोग न करें और न ही दुकानदारों से बिक्री करें, निरीक्षण में पाये जाने पर जुर्माना एवं सजा भी निर्धारित है।

चारु-संजय शुक्ला
अध्यक्ष

दिनेश शुक्ला
अधिशासी अधिकारी

नगर पंचायत भीरा-खीरी

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 30 नवंबर 2025

पीलीभीत

प्रभारी मंत्री ने कई बिंदुओं पर दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों संग बैठक की। इस दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के साथ ही धान खरीद को पारदर्शिता से संपन्न कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मौजूद प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख समेत अन्य।

जिले के प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख की अध्यक्षता में शनिवार को जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में संपन्न हुई। इस दौरान गन्ना तौल और धान खरीद की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि गन्ना वाहनों की ओवरलोडिंग पर ध्यान दिया जाए। नो एंट्री के दौरान गन्ना वाहन को शहर से बाहर रखा जाए। उन्होंने धान खरीद को पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए। कहा कि किसानों के धान का भुगतान निर्धारित समय सीमा में उनके खातों में भेजा जाना सुनिश्चित किया जाए। बीसलपुर में काशीराम आवास का आवंटन कराने के निर्देश दिए। एसआईआर के कार्यों की भी समीक्षा की। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, विधायक पूरनपुर बाबूराम पासवान, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरूभाग सिंह, डीएम ज्ञानेंद्र सिंह, एसपी अभिषेक यादव, सीडीओ राजेन्द्र कुमार श्रीवास आदि मौजूद रहे।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

विदेश में नौकरी की चाहत में फंसे बेरोजगार

रकम भी गंवाई, आफत में जान, बमुश्किल वापस आए दो युवकों के साथ पहुंचे परिवार वालों ने एसपी से की शिकायत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: विदेश में अच्छी नौकरी का लालच देकर ठगी करने के मामलों में पूर्व एसपी अविनाश पांडेय की ओर से बड़े पैमाने पर कार्रवाईयां की गई थी। 200 से अधिक एफआईआर विभिन्न थानों में दर्ज की गई और कइयों ने शिकायतों के बाद पीड़ितों की रकम भी लौटाई। फर्जी आइलेटस संचालकों पर शिकंजा कसा गया। अब इसी तरह का एक और मामला उजागर हुआ है। जिसमें विदेश में अच्छी नौकरी की चाहत में जिले के चौदह बेरोजगारों से लाखों की रकम ऐंठ ली गई। फिर उनसे मजदूरी कराई और बंधक बनाकर अतिरिक्त वसूली की गई। दो युवक किसी तरह वापस आ गए और अभी 12 लोगों के फंसे होने की बात कहते हुए एसपी कार्यालय में शिकायत की गई है।

पुलिस लाइन गुहार लगाने के लिए पहुंचे विदेश में फंसे युवकों के परिवार वाले।

शनिवार को अलग-अलग स्थानों के रहने वाले दर्जन भर लोग पुलिस लाइन पहुंचे और एसपी कार्यालय में शिकायत की। इसी में शामिल बरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर पट्टी निवासी सचिन पांडेय पुत्र अरविंद कुमार ने बताया कि उनकी मुलाकात बंडा (शाहजहांपुर) के रहने वाले एक व्यक्ति से हुई थी। उसने बताया था कि वह उन्हें मास्को रसिया भेज देगा, वहां पर सैमसंग कंपनी के काम में अच्छी नौकरी लगवा देगा। इसके बदले तीन लाख रुपये का खर्च बताया। जिसके बाद परिवार वालों से बात की गई और फिर 2.10 लाख रुपये उसे दे दिए गए। उसने अपने कुछ अन्य साथियों के बारे में भी बताया। ये कहा था कि सभी को खाना, रहना आदि सुविधाएं दी जाएंगी। इसके बाद अचानक ये कह दिया कि अब कजाकिस्तान भेजा जाएगा, काम दूसरी जगह शिफ्ट हो गया है। करीब तीन माह पूर्व उनके समेत पीलीभीत जिले के 14 युवकों को ले जाया गया। कजाकिस्तान पहुंचने के बाद वहां पर एक एजेंट

● शाहजहांपुर-पीलीभीत के कुछ लोगों पर जालसाजी का आरोप

मिला और फिर वह किर्गिस्तान ले गया। मगर, अच्छे काम के नाम पर कंस्ट्रक्शन साइट पर मजदूरी में लगा दिया गया। वहीं, निर्माणाधीन साइट पर ही भूखे प्यासे रखा गया। आरोप है कि कोई मजदूरी भी नहीं दी गई। पहले 700 डॉलर प्रतिमाह सैलरी बताई गई और फिर एग्रीमेंट में 45 हजार प्रतिमाह के हिसाब से लिखवाया गया था। कई कागजात पर भी हस्ताक्षर करा लिए और ये लिखवा लिया कि उन्हें किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं हो रही है। 40 दिन काम करने के बाद जब रुपये मांगे गए तो उन्हें दूसरी जगह ले जाकर रखा। फिर बंधक बनाकर डराया-धमकाया और घर से ढाई लाख रुपये और मंगवाए। इसके बाद परिवार ने टिकट की व्यवस्था कराई और वह वापस आ सके। उनका कहना है कि अभी भी करीब 12 लोग वहीं पर फंसे हुए हैं। जिनकी कोई मदद नहीं हो सकी है। वहां पर डर की वजह से एंबेसी से टीम के पहुंचने पर मजबूरन आरोपियों के पक्ष में बोलना पड़ रहा है। इधर, दौलतपुर पट्टी गांव के ही अभिषेक पुत्र सत्यदेव भी साथ गए थे। वह सचिन से पहले वापस आ गए थे। उनका कहना है कि उनसे भी इसी तरह से ठगी की गई। पहले दो लाख रुपये लिए और फिर वापस भेजने से पूर्व परिवार से ढाई लाख की रकम और मंगवाई। तब जाकर वह बमुश्किल वापस आ सके थे। किसी तरह का कोई वेतन भी नहीं दिया गया। एसपी समेत अन्य अधिकारियों से शिकायत की गई है। जिस पर पुलिस जांच कर रही है।

डी-कंपनी का सदस्य बता बनाते थे डर

शिकायतकर्ता सचिन पांडेय का कहना है कि उनकी वंडा शाहजहांपुर के जालसाज से उनकी सबसे पहले मुलाकात हुई थी। इसके अलावा दूसरे आरोपी का सुनगढ़ी क्षेत्र की एक कॉलोनी में कार्यालय बना हुआ है। बकाया अन्य साथी भी बाहर के हैं। उनका कहना था कि युवाओं को ले जाने के बाद सभी डराया धमकाया करते थे। ये धमकी दी जाती थी कि वह डी-कंपनी (दाऊद इब्राहिम) से जुड़े हुए हैं। अगर कोई शिकायत वगैरह की गई तो जान ले लेंगे। ये भी बताया कि बिना वेतन काम कराया और खाना तक ठीक से नहीं मिल सका। उन्होंने अपने एक साथी, जोकि वहीं पर अभी भी फंसा हुआ है, उससे भी बात की। जिसमें उसने भी प्रताड़ित करने की बात कही है। जिसे लेकर परिवार वालों को अपने बच्चों की चिंता सताई हुई है।

59 दिन का बनवाया था वर्क वीजा

कथित जालसाजी का शिकार होकर वापस आए दोनों युवक अभिषेक और सचिन पांडेय का कहना है कि आरोपियों ने उन लोगों का 59 दिन का वर्क वीजा बनवाया था। मगर, जब वर्कवीजा का एक माह का समय निकल चुका था, उसके बाद यहां से भेजा गया। वर्क वीजा की समयावधि भी समाप्त हो गई थी। इसके बाद उनसे पेनाल्टी के नाम पर भी रुपये मांगे जाते रहे थे। उनका कहना है कि शुक्रवार रात को भी शिकायत के बाद एंबेसी की टीम संबंधित फंसे लोगों के पास पहुंची थी लेकिन डर की वजह से सभी सच नहीं बोल सके थे। इसकी गहनता से जांच पड़ताल कराकर कार्रवाई की मांग की है।

दूसरे क्रय केंद्र पर तौल कराते पकड़ा

बीसलपुर, अमृत विचार: रसयाखानपुर मार्ग पर किसान सहकारी चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक व सीसीओ ने गन्ने से लदी दो ट्रैक्टर ट्रालियों को दूसरे गन्ना क्रय केंद्र पर तौल होते पकड़ लिया। इसके बाद किसान गुस्सा गए और हंगामा करते हुए सीसीओ व प्रधान प्रबंधक का घेराव किया। मार्ग पर जाम लगाकर नारेबाजी की गई। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। तब जाकर मामला शांत कराया जा सका।

शनिवार दोपहर करीब तीन बजे किसान सहकारी चीनीमिल के प्रधान प्रबंधक डा. हरिकृष्ण गुप्ता, मुख्य गन्ना अधिकारी अवधेश कुमार ग्राम रसिया खानपुरपुर मार्ग पर जैसे ही ग्राम अमृता खास के पहुंचे वैसे ही दोनों ने देखा कि गन्ने से लदी दो ट्रैक्टर ट्रालियों का वजन अखौला गन्ना क्रय केंद्र पर किसान करा रहे हैं। जबकि गन्ना दूसरे क्रय केंद्र पर जाना था। उन्होंने दोनों किसानों की ट्रैक्टर ट्रालियों को पकड़ लिया। जिसमें खांड़ेपुर के किसान मधुरपाल पुत्र नत्थू लाल की ट्राली थी। इसके बाद किसान गुस्सा गए। किसानों ने दोनों अधिकारियों का घेराव करते हुए प्रदर्शन किया।

राजस्व टीम पर हमला, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, माधोटांडा

अमृत विचार: न्यायालय के आदेश पर टीम के साथ पहुंचे राजस्व निरीक्षक पर हमला कर दिया गया। जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया गया। पुलिस ने नौ नामजद और अन्य अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की है।

राजस्व निरीक्षक काशीराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि ग्राम दयालपुर के रहने वाले कृष्ण कुमार पुत्र सुंदरलाल की ओर से एक प्रार्थना पत्र दिया गया था। इसकी जांच की गई। इसमें सामने आया कि कृष्ण कुमार के खेत की पक्की तूंदाबंदी कर दी गई थी। हेमराज पुत्र खेमकरन के खेत में धासन की फसल थी, जिसे अभी तक नहीं काटा गया है।

जबकि कई बार पूर्व में भी मौखिक रुप से राजस्व टीम के द्वारा धान काटकर कब्जा छोड़ने के लिए कहार गया था। हर बार पांच दिन का समय मांगा जाता रहा। 28 नवंबर को राजस्व टीम पुलिस बल की उपस्थिति में जब मेड़ डलवा रहे थे। इसी बीच हेमराज, पूरनलाल, बेला देवी, माया देवी, शिवम, विजय कुमार, शांति देवी, श्रीपाल, कमल व अन्य अज्ञात लोग लाठी डंडे असलहा लेकर आ गए और गोली मारने की धमकी दते हुए हमलावर हो गए। जिसके चलते न्यायालय के आदेश का अनुपालन नहीं हो सका। आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित भी किया। इंस्पेक्टर अशोक पाल ने बताया कि मामले में नौ नामजद और अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

स्वच्छ बदायूं सुन्दर बदायूं हरित बदायूं

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार के छठवें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बदायूं

प्रबुद्ध नागरिकों से अपील:- 1. स्वच्छ शौचालय का प्रयोग करें, स्वच्छ भारत मिशन में सहयोग दें। 2. नगर पालिका सीमान्तर्गत बाहर खुले में शौच न जायें। 3. नगर आपका है इसे साफ व स्वच्छ बनाने में अपना सहयोग दें। 4. कूड़ा आदि इधर-उधर न डालें कूड़ेदानों का प्रयोग करें। 5. पालिका सम्पत्ति आपकी सम्पत्ति है इसको न तो स्वयं क्षति पहुंचाये और न किसी को क्षति पहुंचाने दें। 6. पाइप लाइन लीकेज की सूचना तत्काल पालिका को दें एवं जल का अपव्यय न करें। 7. पालिका करों का समय से एवं स्वेच्छा से भुगतान करें। 8. सड़े-गले फलों एवं वासी खाद्य पदार्थों का प्रयोग न करें। 9. स्ट्रीट लाइटों का अनावश्यक न जलायें। 10. अतिक्रमण न करें और न ही अतिक्रमण के लिए किसी को प्रोत्साहित करें। 11. जन्म-मृत्य की सूचना समय से दर्ज करायें। 12. समस्त क्षेत्रवासी अपने-अपने घरों में गीला कूड़ा, सूखा कूडा हेतु अलग-अलग नीला व हरा कूड़ेदान का प्रयोग करें।

फातमा रज़ा
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, बदायूं

नि:शुल्क महिला स्वास्थ्य शिविर आयोजित

पलिया कलां अमृत विचार : सशस्त्र सीमा बल की 39वीं वाहिनी चिकित्सालय में नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया। द्वितीय कमान अधिकारी एवं कार्यवाहक कमांडेंट माधव चन्द्र घोष के निर्देशन में स्वास्थ्य शिविर लगा। सीएचसी पलिया से आईं चिकित्साधिकारी डॉ. हेमलता व उनकी टीम ने वाहिनी में कार्यरत महिला बलकर्मियों एवं संदीक्षा सदस्याओं का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया और परामर्श भी दिया। शिविर में बड़ी संख्या में शामिल महिलाओं ने एसएसबी की इस पहल की सराहना की।

201 पदों की भर्ती पर विधायक ने उठाए सवाल

जेम पोर्टल पर स्पेशल एजुकेटर भर्ती में धांधली का आरोप, धौरहरा विधायक ने मंत्री को लिखा पत्र

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में जेम पोर्टल के माध्यम से स्पेशल एजुकेटर के 201 पदों पर चल रही भर्ती अब विवादों में घिर गई है। भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं और रुपये लेकर चयन कराने के आरोप लगने लगे है। इससे मामला अब राजनीतिक स्तर तक पहुंच चुका है।

धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को पत्र भेजकर पूरी प्रक्रिया की जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

जिले में जेम पोर्टल के माध्यम से लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए स्पेशल एजुकेटर की चयन प्रकिया जारी है। अभ्यर्थियों ने चयन में एक से दो लाख रुपये ले कर चयन करने का आरोप लगाते हुए इस भर्ती प्रक्रिया को सवालों के घेरे में लाकर खड़ा कर दिया है।

जानकार बताते हैं कि यह भर्ती लिस्ट के मुताबिक मैरिट के आधार पर होने थी, लेकिन नियमों के विरुद्ध की जा रही भर्ती और एक से दो लाख रुपये लेकर नियुक्ति करने के आरोपों के लगने से इस नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल भी उठने लगे है। तमाम अभ्यर्थियों की शिकायत के बाद धौरहरा विधायक ने भी अब मोर्चा खोल दिया है।

• कंपनी पर रुपये लेकर चयन कराने का आरोप

विधायक विनोद शंकर अवस्थी।

धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने बेसिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को भेजे गए पत्र में कहा है कि भर्ती का कार्य बरेली की कंपनी क्रैपीकॉन सिक्योरिटी को दिया गया है, जो कथित रूप से अभ्यर्थियों से 1 से 2 लाख रुपये तक की वसूली कर चयन करा रही है। विधायक ने दावा किया है कि कुछ अभ्यर्थियों ने बारकोड और डिजिटल भुगतान के साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं, जिससे भर्ती में गड़बड़ी की पुष्टि होती है।

अभ्यर्थियों का आरोप, बिना रुपये चयन संभव नहीं

कई अभ्यर्थियों ने दावा किया है कि भर्ती शुरू होते ही व्हाट्सएप ग्रुपों और व्यक्तिगत संपर्कों के माध्यम से उनसे संपर्क किया गया। कथित दलालों ने कहा कि यदि वे नियुक्ति चाहते हैं तो एक से दो लाख रुपये तक देने होंगे, तभी उनका चयन हो पाएगा। कुछ अभ्यर्थियों का कहना है कि भुगतान करने पर उन्हें सेलेक्ट लिस्ट में नाम शामिल होने की गारंटी तक दी गई है। एक अभ्यर्थी ने बताया कि जब हमने रुपये देने से इनकार किया तो कहा गया कि बिना रुपये चयन नहीं होगा। हमें सूची में नाम देखने से पहले ही बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस व्यवस्था के चलते आर्थिक रूप से कमजोर, लेकिन पात्र अभ्यर्थियों को पीछे धकेल दिया गया है, जबकि रुपये देकर चयन कराने वालों के नाम सूची में शामिल किए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि कंपनी को तुरंत ब्लैकलिस्ट किया जाए और इस भर्ती प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों की भूमिका की भी जांच हो।

> भर्तियां मेरिट के आधार पर की गई हैं। यदि जांच में भ्रष्टाचार सामने आता है तो संबंधितों पर कार्रवाई की जाएगी।
>
> -प्रवीण तिवारी, बीएसए।

एडीएम ने देखी एसआईआर फॉर्म भरवाने की स्थिति

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का शनिवार को डिप्टी डीईओ/एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह अचानक तहसील मितौली पहुंचे और वहां चल रहे एसआईआर कार्यों की बारीकी से पड़ताल की। बीएलओ द्वारा किए जा रहे गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) मधुसूदन गुप्ता को जरूरी दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने न सिर्फ प्रगति रिपोर्ट देखी बल्कि पूरे स्टाफ से आमने-सामने बात कर काम की वास्तविक स्थिति जानी। उन्होंने टीम को सख्त लहजे में लेकिन प्रेरक अंदाज में साफ कहा कि जोश बनाए रखिए, काम की रफ्तार धीमी नहीं पड़नी चाहिए। कहा कि लक्ष्य समय पर हर हाल में पूरा होना चाहिए।

दवा व्यवसाइयों के खिलाफ नामजद दर्ज कराई रिपोर्ट

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः जिला औषधि निरीक्षक बबीता रानी ने नगर के सिनेमा रोड स्थित एक मेडिकल एजेंसी के संचालक पर कोडीन युक्त कफ सिरप, मनोप्रभावी दवाइयां का विक्रय करने, अन्य जिलों के मेडिकल स्टोरों पर दवाइयां के बिलों को निर्गत करने को लेकर रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

नगर के सिनेमा रोड स्थित पियूष मेडिकल एजेंसी पर जिला औषधि निरीक्षक बबीता रानी ने पुलिस टीम के साथ 15 अक्टूबर को छापेमारी कर प्रतिबंधित दवाएं बरामद की थीं। उन्होंने कार्रवाई करते हुए मेडिकल एजेंसी संचालक सहित दो अन्य लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें तीन लोगों को जेल भी भेजा गया था। 22 नवंबर शनिवार को जिला औषधि निरीक्षक ने अपनी टीम के साथ दोबारा पियूष मेडिकल एजेंसी पर मेडिकल संबंधित तमाम दस्तावेज और निर्गत किए गए बिलों की गहनता से छानबीन की।

पुनः 11 नवंबर को अयोध्या और अंबेडकर नगर के औषधि निरीक्षक के साथ जिला की टीम के अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ फर्म संचालक सरोज कुमार मिश्रा की मौजूदगी में उनकी मेडिकल एजेंसी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि फर्म स्वामी द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 व 2025-26 के विक्रय अभिलेखों में शाहजहांपुर, पीलीभीत, पूरनपुर आदि कई मेडिकल एजेंसी को इन दवाइयां का विक्रय कर बिल निर्गत किए हैं। औषधि निरीक्षक ने मेडिकल स्टोर संचालक सरोज कुमार मिश्रा पर जनमानस के जीवन से खिलवाड़ करने, औपचारिकताओं को पूर्ण किए बिना औषधि एवं प्रसाधन सामग्री विक्रय करने एवं फर्जी विक्रय अभिलेख देने पर लेकर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा बैंक खाते में नाम बब्लू था अब मैंने अपना नाम बदल कर राजकुमार पुत्र सूरज प्रसाद रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। राजकुमार पुत्र सूरज प्रसाद नि. ग्राम **रक्शा ब्लॉक सिंधौली तह. पुवायां जिला शाहजहांपुर मो. 8532939911**

सूचना
मेरी पुत्री का दिनांक 08.07.2015 को इज्जत नगर जनपद बरेली स्थित डाकघर में सुकन्या समृद्धि खाता संख्या 3064059342 खोला गया था। उक्त खाते में मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवश यश्का चौधरी अंकित हो गया है, जबकि मेरी पुत्री के आधार कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र में अर्वतिका चौधरी अंकित है, जो कि सही है। उक्त सही नाम को सुकन्या समृद्धि खाता डाकखाना इज्जतनगर में संशोधित किया जाए। **तपस्या पत्नी श्री गौरव सिंह, निवासी ग्राम सकरास, पोस्ट ऑफिस जसाईनगर, तहसील बहेड़ी, जनपद बरेली।**

सूचना
मेरा पुत्र मोरपाल जो गलत संगत में पड़ गया है और परिवार के साथ आए दिन शराब पीकर मारपीट करता रहता है जिसकी वजह से मैंने उससे सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होगा। **भगवानदास पुत्र बाबूराम ग्राम त्यारजागीर नवाबगंज बरेली**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आधार कार्ड सं. 8195 4787 1639 में मेरा नाम भूलवश विजय बाबू दर्ज हो गया है जोकि गलत है जबकि मेरा वास्तविक नाम विनोद कुमार है। **विनोद कुमार पुत्र श्री मोहन लाल निवासी ग्राम मोहन पट्टी रिसौली तहसील बिल्सी जिला बदायूँ।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र व बड़ी पुत्री की मार्कशीट में पिता का नाम SAYEED WAJID HUSSAIN SIDDIQUI तथा छोटी पुत्री की मार्कशीट में WAJID HUSAIN भूलवश गलत दर्ज हो गया है जबकि सही नाम WAJID HUSAIN SIDDIQUI है। अन्य सभी दस्तावेजों में भी यही नाम दर्ज है। **वाजिद हुसैन सिद्दीकी पुत्र श्री मोहम्मद इस्माइल, निवासी 342, फाईक इन्क्लेव, फेस 2, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली।**

आवश्यकता है
लेडीज टीचर्स की
N.C. to Vth (NTT टीचर्स को वरियता)
पढ़ाने के लिए कॉल करें:-
मो. 9412196717
बी.के.एस. मैमोरियल इंग्लिश स्कूल
रजपुरी ढकनी, फरीदपुर, बरेली

RAM MURARI PUBLIC SCHOOL
Meeranpur Katra, Shahjahanpur
PGT Teachers Required
• Physics
• Mathematics
• English
School Counsellor
Send your CV on
ashokkagrawalmanu@gmail.com

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

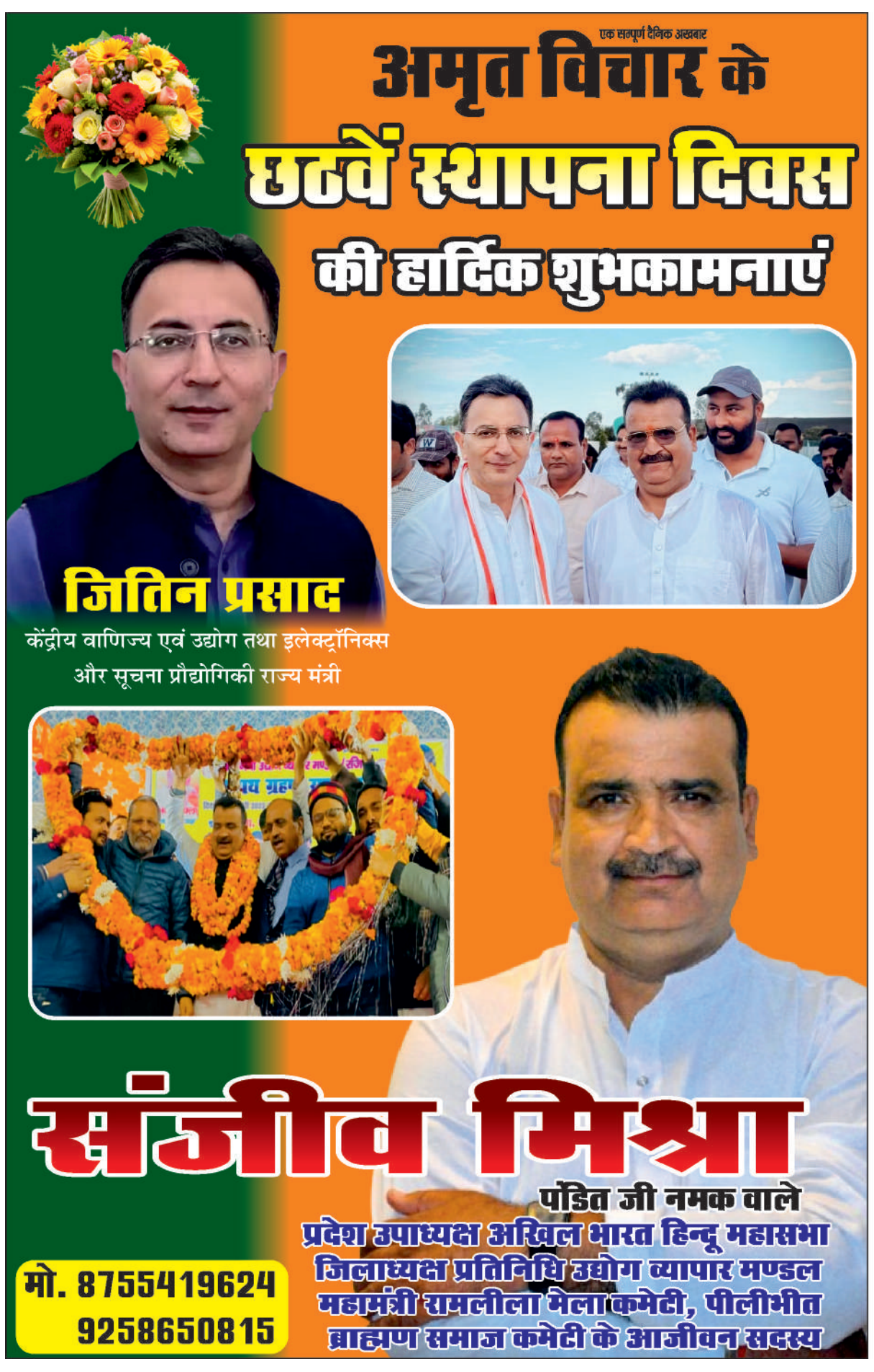

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 30 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सुजानपुर गांव में लगा नि:शुल्क स्वास्थ्य कैप

बिलहरी, अमृत विचार : गांव सुजानपुर में नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 80 लोगों का परीक्षण कर उन्हें नि :शुल्क दवाएं दी हैं। सुजानपुर गांव में लगाये गये शिविर में डॉ. अमोल सिंह, मैनेजिंग डायरेक्टर अर्पित सिंह, फार्मासिस्ट हिमांशु वर्मा, जीएनएम रिंकी, एएनएम मोनिका, बलवंत सिंह, रेखा ने 80 लोगों का परीक्षण कर विभिन्न रोगों से ग्रसित लोगों को नि :शुल्क दवाएं दीं। डॉक्टरों की टीम ने लोगों को मौसम के हिसाब से खानपान में सावधानी बरतने की सलाह दी।

सड़क दुर्घटना में सात लोग घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के लालनगंज गांव निवासी सलमा (35) पत्नी नदीम, अयान (7) पुत्र नईम, नईम (30) पुत्र जहीरुल, हसमत (13) पुत्र नदीम, भवानीगंज गांव निवासी राजकुमार सिंह (51) पुत्र मुंशी सिंह, हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव सुजानपुर निवासी श्यामू (55) पुत्र देवीप्रसाद और थाना फरधान क्षेत्र के गांव पिपरावां निवासी राजेश मिश्रा (50) पुत्र नरेंद्र मिश्रा सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां अयान, नईम, हसमत, राजकुमार सिंह और श्यामू को डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

मारपीट की चार के नामजद रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के कोंधवा गांव निवासी अमन पुत्र जीवनलाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 27 नवंबर को शाम 4 बजे गांव निवासी छंगा, अनिल, बिंदेश्वरी और मनीष ने एक राय होकर उसे गालियां देते हुए मारा पीटा, जिससे वह लहूलुहान हो गया। विपक्षी उससे रंजिश मानते हैं। उसने चारों के नामजद रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

घर में घुसे चोर ले गए नकदी और जेवर

खमरिया, अमृत विचार : थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत खमरिया खुर्द के गांव रोटिहा निवासी संदीप कुमार ने बताया कि पुत्र राजेश कुमार के घर शुक्रवार की रात चोरों ने धावा बोल दिया। चोर बक्सों और अलमारी का ताला तोड़कर 9,500, तीन लॉकेट का सोने का हार, एक सोने की अंगूठी समेत करीब एक लाख रुपये के जेवर चोरी कर ले गए। उन्होंने घटना की तहरीर पुलिस को दी है, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

वर्षों से बंद पड़ा उप स्वास्थ्य केंद्र दरवाजे और खिड़कियां गायब

ग्रामीण मजबूरन 8 किमी दूर जाने को विवश, गर्भवती महिलाओं को सबसे अधिक दिक्कत

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार: बिजुआ ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत शाहपुर के गडरियनपुरवा (कुंवरपुर) में बना उप स्वास्थ्य केंद्र सरकारी लापरवाही की भेंट चढ़ चुका है। वर्षों पहले लाखों रुपये की लागत से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा देने के उद्देश्य से बनाया गया यह केंद्र आज पूरी तरह खंडहर में बदल चुका है। स्थिति यह है कि केंद्र के दरवाजे और खिड़कियां तक गायब हो चुकी हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यह केंद्र कभी नियमित रूप से खुला ही नहीं। यहां तैनात एएनएम पियूष लता भी शायद ही कभी दिखाई देती हैं। केंद्र के बाहर लगे बोर्ड भले ही सरकारी योजना और स्वास्थ्य सेवाओं की कहानी बताते हों, लेकिन जमीनी हकीकत उससे बिल्कुल उलट है। उप स्वास्थ्य केंद्र बंद होने से ग्रामीणों को इलाज के लिए 8 से 9 किलोमीटर दूर बिजुआ सीएचसी तक जाना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी गर्भवती महिलाओं को होती है। कई बार रात या आपात स्थिति में वाहन उपलब्ध न होने के कारण गंभीर जोखिम पैदा हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि अगर केंद्र संचालित होता तो सामान्य इलाज, टीकाकरण और प्रसव जैसी सेवाएं गांव में ही उपलब्ध होतीं, लेकिन विभाग की अनदेखी के कारण सुविधा केवल कागजों में सीमित रह गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो उन्हें धरना-प्रदर्शन के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

खंडहर में तब्दील गड़रियनपुरवा का उप स्वास्थ्य केंद्र। ● अमृत विचार

बुधवार को टीकाकरण उप स्वास्थ्य केंद्र पर होता है और एएनएम पियूष लता वहां बैठकर काम करती हैं। यदि ऐसा नहीं हो रहा है, तो मैं जांच करवाकर कार्रवाई करूंगा।
– **सुभाष वर्मा** सीएचसी अधीक्षक बिजुआ

- **सरकारी लापरवाही से करोड़ों की योजनाओं को बेकार**

चारागाह बना उप स्वास्थ्य केंद्र

स्थानीय लोगों ने बताया कि उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण होने से ग्रामीणों में उम्मीद जगी थी कि अब उन्हें दूर नहीं जाना पड़ेगा और गांव में ही उन्हें स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी, लेकिन अब यह इमारत सांड़ों, आवारा पशुओं का ठिकाना बन चुकी है। उप स्वास्थ्य केंद्र के चारों तरफ बड़ी-बड़ी झाड़-झंखाड़ भी उग आई है। टूटी दीवारें और उखड़े खिड़की व दरवाजे इस बात का प्रमाण हैं कि विभाग ने इसकी ओर महीनों नहीं बल्कि वर्षों से ध्यान नहीं दिया।

धूमधाम से मनाई गई ठक्कर बापा की जयंती

पलिया कलां, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश वनवासी सेवा संस्थान द्वारा संचालित पूज्य ठक्कर बापा आवासीय बालिका विद्यालय गोबरौला में आदिवासियों के पूज्य ठक्कर बापा की 156 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई।

मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख पलिया वीरेंद्र शुक्ला ने ठक्कर बापा जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर उनके बारे में बताया। कार्यक्रम को अवधेश सक्सेना, दीपक अग्रवाल, रामसमुझ, कन्हैयालाल ने भी विचार रखे।

विद्यालय की बालिकाओं ने इस मौके पर आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांधी। संचालन शिक्षक लखपति सिंह ने किया। प्रधानाचार्य बृजेश कुमार चौबे ने आभार जताया। कार्यक्रम में शिक्षिका रामदुलारी, सरोजनी, प्रियंका, रामप्रकाश, रामबाबू, वार्डन मधु सिंह, रिंका चौधरी, डॉ. रामशीष राम, डॉ. संत राम आदि का सहयोग रहा।

बिजली कटौती के विरोध में व्यापार मंडल ने ज्ञापन सौंपा

एसडीएम को ज्ञापन देते नगर व्यापार मंडल के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां

- **सुबह 6 बजे से 7:30 बजे तक लागू रोस्टिंग को तत्काल बदलने की मांग**

अमृत विचार: नगर व्यापार मंडल पलिया ने एसडीएम पलिया डॉ. अवनीश कुमार को ज्ञापन सौंपकर नगर में की जा रही बिजली कटौती बंद कर सुबह 6 बजे से 7:30 बजे तक लागू रोस्टिंग को तत्काल बदलने की मांग की है।

व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने कहा है कि सुबह की बिजली कटौती के कारण बच्चों की पढ़ाई, परीक्षा की तैयारी, महिलाओं के घरेलू कार्य और स्कूल-कॉलेज जाने की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो रही है। उन्होंने उपजिलाधिकारी को बताया कि विद्यार्थियों की परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं, असमय बिजली कटौती के कारण बच्चे निर्धारित समय पर पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। पानी की सप्लाई बाधित होने से महिलाओं को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन देते समय नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष गौरव गुप्ता, जिला महामंत्री अमित महाजन, श्याम आनंद, जसवीर फ्लोरा, श्रीकृष्ण सिंघल, राजेश गुप्ता, गौरव अग्रवाल, आदित्य मौर्य आदि व्यापारी मौजूद रहे।

मिट्टी-बालू खनन जारी, प्रशासन खामोश

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: पलिया तहसील क्षेत्र के बेला कलां ग्राम पंचायत में मिट्टी और बालू का अवैध खनन लगातार जारी है। खनन से जुड़े लोग गहरी खुदाई कर उपजाऊ खेतों को तालाब में बदल रहे हैं और मिट्टी की निकासी ट्रैक्टर-ट्रॉली के जरिए दिन-रात जारी है। तेज रफ्तार वाहनों के चलते ग्रामीणों का खेतों से निकलना भी मुश्किल हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि अवैध खनन के कारण खेती योग्य भूमि तेजी से समाप्त हो रही है, जिससे आने वाले समय में सिंचाई और फसल के उत्पादन पर काफी असर पड़ेगा। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई देखने को नहीं मिली। ग्रामीण बताते हैं कि कई बार शिकायतें करने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से खनन से जुड़े लोगों के हौसले बुलंद हैं। खनन स्थल के आसपास दिनभर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही रहती है और रात में खनन और अधिक तेज हो जाता है। कुछ दिन पूर्व तहसील निघासन के थाना सिंगाही में अवैध खनन पर प्रशासन ने कार्रवाई की थी, जिससे उम्मीद जगी थी कि जिलेभर में सख्ती होगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। तहसीलदार पलिया ज्योति वर्मा ने बताया कि शिकायत मिली है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

लेखपाल ने दोबारा नहीं उठाया फोन : इस पूरे मामले पर जानकारी लेने के लिए क्षेत्रीय लेखपाल से फोन पर बात करनी चाही गई, तो जैसे ही अवैध खनन को लेकर जब सवाल पूछा गया तो लेखपाल ने जवाब देने के बजाय फोन काट दिया। इसके बाद कई बार कॉल करने पर भी फोन रिसीव नहीं किया गया। इससे ग्रामीणों की ये आशंका और मजबूत हो गई कि मामले में कुछ जिम्मेदारों की मिलीभगत है।

गांव बेला कलां में होकर गुजर रही अवैध मिट्टी भरी ट्राली। ● अमृत विचार

- **ट्रैक्टर-ट्रॉली धड़ल्ले से दौड़ रहीं खेत तालाब में बदले**
- **लेखपाल ने नहीं उठाया फोन ग्रामीण बोले- सबकी मिलीभगत**

गैस सिलेंडर से आग लगने पर रसोई का सामान राख

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नगर के मोहल्ला ऊंची भूड़ निवासी जितेंद्र कुमार पांडे के यहां शुक्रवार शाम उनकी पत्नी गैस पर चाय बना रही थीं। बताया जाता है कि चाय बनाते समय गैस सिलेंडर से किसी तरह घर में आग लग गई। घर वालों के शोर मचाने पर मोहल्ले में अफरा तफरा मच गई। आनन-फानन में पड़ोसी लोग उनके घर पर पहुंच गए। आग की लपटें देखकर सभी भयभीत हो गए। उन्होंने तत्काल ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कुछ समय बाद दमकल टीम ने मौके पर पहुंची और मोहल्ले के लोगों के सहयोग से काफी मशक्कत कर आग पर काबू पाया, लेकिन आग बुझने तक सभी सामान जल गया। इस आग से 1500 रुपए नकद और गृहस्थी का हजारों का सामान जल गया है।

9 दिन में 8 रात बिजली ठप, ग्रामीण बेहाल

संवाददाता, सिंगाही

- **दुधवा क्षेत्र के गांवों में अंधेरा होने से बढ़ती हैं जंगल जानवरों की गतिविधियां**

अमृत विचार: बिजली उपकेंद्र तिकुनिया के गंगानगर फीडर से जुड़े गांवों को आए दिन खराबी के चलते बिजली नहीं मिल पा रही है। इससे ग्रामीणों का जीना मुश्किल हो गया है। 21 नवंबर से 29 नवंबर तक कुल 9 दिनों में 8 रात बिजली गायब रही, जिससे क्षेत्र के दर्जनों गांव अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। रात में बिजली गुल रहना अब रोज की समस्या बन चुकी है, लेकिन विभाग के पास न समाधान है और न जवाब। नाराज उपभोक्ताओं ने बदहाल बिजली व्यवस्था की शिकायत मुख्यमंत्री और क्षेत्रीय भाजपा विधायक से की है।

तिकुनिया बिजली उपकेंद्र पर बिजली आपूर्ति को लेकर काफी लंबे अर्से से समस्या बनी हुई है। यहां स्थित गंगानगर फीडर का हाल सबसे अधिक खराब है। कहीं ओवरलोडिंग तो कहीं फाल्ट बताकर फीडर को पूरी रात और दिन बंद रखा जाता है। खास बात यह है कि इस फीडर से जुड़े महाराजनगर, चादनीपुरवा, बघौया, लालापुरवा, भूलनपुर, भेड़ौरी, बाबूपुरवा, बेलरायां, हरबक्शपुरवा समेत कई गांव दुधवा नेशनल पार्क से सटे हुए हैं। जहां अंधेरा होने पर जंगली जानवरों की गतिविधि बढ़ जाती है। ऐसे में ग्रामीणों की सुरक्षा खतरे में है, लेकिन बिजली विभाग के अधिकारियों को इसकी कोई परवाह नहीं है।

ग्रामीणों ने बताया कि शिकायतें बार-बार दर्ज कराई गईं, लेकिन बिजली विभाग के अधिकारी कॉल रिसीव करना तक जरूरी नहीं समझते। उपभोक्ता संतोष, हरनाम, दिलशेर सिंह और प्रमोद का कहना है कि यह बिजली नहीं, विभाग की मनमानी का अंधेरा है। बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे, किसान मोटर नहीं चला पा रहे और महिलाएं घर से बाहर निकलने में डरती हैं। बिजली विभाग केवल बिल वसूली में सक्रिय है, सुविधा देने में नहीं। लगातार ब्रेकडाउन यह साबित करता है कि फीडर की मरम्मत सिर्फ दिखावा है और बिजली विभाग के कर्मचारी केवल औपचारिकता निभा रहे हैं।

उपभोक्ताओं ने मुख्यमंत्री को भी इसकी शिकायत भेजी है। साथ ही क्षेत्रीय विधायक शशांक वर्मा से हस्तक्षेप कर बिजली आपूर्ति सुचारू कराए जाने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि अगर समस्या का तुरंत स्थाई समाधान नहीं किया गया, तो वे बिजली विभाग कार्यालय और तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन करेंगे। अवर अभियंता दिलीप पटेल ने बताया कि गंगानगर फीडर पर कुछ दिक्कतें आईं है। इससे समस्या आ रही है।

शिकायत पर शासन ने लिया संज्ञान, जांच शुरू कराई

संवाददाता, कुकरा

- **9 वर्ष पूर्व बने शौचालय, 6 माह पूर्व हुई अनियमिताओं की शिकायत**

अमृत विचार: बांकेगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत भुड़वारा में वर्ष 2017-18 में शौचालय निर्माण में हुए भ्रष्टाचार की छह माह पूर्व उच्चाधिकारियों को भेजी गई शिकायत पर शासन ने अब संज्ञान लेकर जांच शुरू करा दी है, जिससे ग्राम प्रधान और अधिकारियों में हड़कंप है।

ब्लॉक बाँकेगंज की ग्राम पंचायत भुड़वारा में वर्ष 2017-18 में बने शौचालयों में भ्रष्टाचार होने की शिकायत छह माह पूर्व गांव के प्रतुल कुमार ने उच्चाधिकारियों से की थी। जिसमें हवाला दिया गया कि कई आईडी पर एक ही फोटो लगा है और कई शौचालय ऐसे हैं, जिनमें निवास मेल नहीं खा रहा है। प्रतुल कुमार की शिकायत का शासन ने संज्ञान लेते हुए जिला गन्ना अधिकारी वेदप्रकाश सिंह को जांच अधिकारी नियुक्त किया। जांच अधिकारियों की टीम ने गांव भुड़वारा पहुंच कर जांच की तथा अभिलेख मांगे हैं, जो उपलब्ध कराने में सम्बन्धित कर्मचारियों के पसीने छूट रहे हैं। जांच टीम अब घर घर जाकर लाभार्थियों से कागजों पर हस्ताक्षर व अंगूठे लगवा रही है। शिकायतकर्ता का यह भी कहना है कि जांच अधिकारियों को चाहिए कि पूर्व में हुई खुली बैठक की कार्यवाही व उसके फोटोग्राफ सम्बन्धित अधिकारियों, कर्मचारियों से तलब करें, तब भ्रष्टाचार का स्वतः खुलासा हो जाएगा।

भुड़वारा में शौचालयों की शिकायत की जांच हो गई है। भौतिक रूप सत्यापन भी कर लिया गया है। सम्बन्धित सचिव से अभिलेख मांगे गये थे, जो उपलब्ध नहीं हुए हैं। दस्तावेज प्राप्त होते ही शासन को रिपोर्ट प्रेषित कर दी जाएगी। – **वेद प्रकाश सिंह**, जांच अधिकारी जिला गन्ना अधिकारी लखीमपुर।

सीडीओ को निरीक्षण में मिलीं कई खामियां

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में धान खरीद एवं उर्वरक वितरण व्यवस्था की स्थिति जानने के उद्देश्य से सीडीओ अभिषेक कुमार ने शनिवार को व्यापक सत्यापन अभियान संचालित कराया। उन्होंने जनपदीय अधिकारियों की टीम लगाकर जिलेभर के धान क्रय केंद्रों और सहकारी समितियों का फील्ड वेरिफिकेशन कराया।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने प्रशिक्षु आईएएस मनीषा धारवे के साथ कृषि उत्पादन मंडी समिति, राजापुर में स्थापित धान क्रय केंद्रों पर औचक पहुंचे। उन्होंने किसानों के लिए उपलब्ध कराई गई सुविधाओं की जमीनी पड़ताल की और मौजूद किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं।

निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने तौल मशीन व नमी मापक यंत्र की कार्यशीलता जांची। एक केंद्र पर डस्टर का मोटर खराब मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए उसे तुरंत ठीक कराने के निर्देश दिए। मंडी में मौजूद मितौली क्षेत्र से आए एक किसान से बातचीत के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मितौली क्रय केंद्र पर खरीद की गति धीमी है, जिसके कारण किसान मंडी में धान बेचने आया। इस पर सीडीओ ने मितौली क्रय केंद्र पर खरीद प्रक्रिया को तेज करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

धान खरीद केंद्र पर जानकारी लेते सीडीओ अभिषेक कुमार। ● अमृत विचार

खाद है पर वितरण ठप, सीडीओ ने लगाई फटकार

सीडीओ अभिषेक कुमार सीधे बी-पैक्स सहकारी समिति लखपेड़ागंज पहुंचे। यहां उन्होंने उर्वरक वितरण की वास्तविक स्थिति जानी और अभिलेखों की जांच की। निरीक्षण में पाया कि समिति पर उर्वरक का स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन ई-पास मशीन में स्टॉक फीड न होने के कारण वितरण प्रभावित हो रहा है। इस पर सीडीओ ने सहायक आयुक्त एवं निबंधक (सहकारिता) को तत्काल निर्देशित किया कि ई-पास मशीन में स्टॉक की फीडिंग करवाकर उर्वरक का नियमानुसार समय से वितरण सुनिश्चित कराया जाए।

- **धान खरीद से उर्वरक वितरण से संबंधित अफसरों को लगाई फटकार**

समय पर केंद्र खोलें, तेज करें तौल

सीडीओ ने डिप्टी आरएमओ और एआरसीएस को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी धान क्रय केंद्र नियमित समय पर खुलें और अधिकारी स्वयं प्रतिदिन कम-से-कम पांच केंद्रों का भ्रमण करें। सीडीओ ने तौल प्रक्रिया में आ रही सुस्ती पर भी सख्त रुख अपनाया। केंद्रों पर तौल बढ़ाने हेतु पर्याप्त कार्मिक लगाए जाएँ, ताकि तौल की गति बढ़ सके और किसानों को देरी न झेलनी पड़े। साथ ही उन्होंने कहा कि बैंकों से समन्वय कर 48 घंटे के भीतर किसानों का भुगतान हर हाल में सुनिश्चित कराया जाए। उधर, जनपदीय अधिकारियों द्वारा किए गए भ्रमण में जो कमियाँ सामने आईं, उन्हें लेकर भी सीडीओ गंभीर दिखाई दिए। उन्होंने एआर कॉपरेटिव से तत्काल विस्तृत रिपोर्ट तलब की।

नारी शक्ति व सामाजिक सहयोग की मजबूती दर्शाई

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष लक्ष्मी देवी व अन्य अतिथि।

संवाददाता, मझगईं

- **विद्या भारती के प्रयास से हुआ सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम**

अमृत विचार: कस्बे के चन्दरानी सरस्वती शिशु मंदिर में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पलिया नगर पालिका अध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता रहीं।

विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य गीता देवी गुप्ता और ग्राम प्रधान नीलिमा पांडेय कार्यक्रम में मौजूद रहीं।विद्यालय प्रबंधन की ओर से प्रबंधक मंडल, प्रधानाचार्य अतुल कुमार एवं शिक्षकों ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में क्षेत्र की 100 से अधिक महिलाओं ने सहभागिता की, जिन्होंने नारी शक्ति और सामाजिक सहयोग की मजबूती को दर्शाया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाते हुए शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से महिलाओं में नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करना रहा।

12 फिट का अजगर देख ग्रामीणों के उड़े होश

संवाददाता, मझगई

अमृत विचार: पलिया-निघासन स्टेट हाईवे के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई। जब शनिवार सुबह मझगई रेंज के सकटूपुरवा गांव निवासी रामेश्वर दयाल के घर के पीछे घनी झाड़ियों में एक विशालकाय अजगर दिखाई दिया। सांप का आकार बेहद बड़ा होने के कारण ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने अजगर को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।

शनिवार की सुबह कुछ लोगों ने सकटूपुरवा निवासी रामेश्वर दयाल के घर के बाहर कुछ दूरी पर एक अजगर देखा। उसे देख उनके होश उड़ गए। सूचना मिलने पर तमाम ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने पहले तो खुद उसे भगाने की कोशिश की, लेकिन 10 से 12 फुट लंबा होने की जानकारी होने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही रेंजर अंकित सिंह ने मामले को संज्ञान में लेते हुए रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा। रमुआपुर बीट अधिकारी विनोद अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने रेस्क्यू कार्य शुरू किया। करीब 30 मिनट की मेहनत के बाद अजगर को पकड़ लिया।

अजगर को ग्रामीणों की मदद से पकड़ती वन विभाग की टीम। ● अमृत विचार

- **वन विभाग पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा**

अजगर को पकड़ने के बाद वन विभाग की टीम उसे वाहन में रखकर सुरक्षित प्राकृतिक आवास में छोड़ने के लिए जंगल ले गई। रेंजर अंकित सिंह ने ग्रामीणों को बताया कि सर्द मौसम के दौरान सांप गर्मी की तलाश में आबादी वाले इलाकों में पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में सांप को मारने या पकड़ने का प्रयास न करें। तुरंत वन विभाग को सूचना दें।

गन्ना मूल्य में वृद्धि से किसानों को नहीं हुआ खास लाभ

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचार: यूपी सरकार द्वारा गन्ना किसानों की मांग पर अगेती व सामान्य प्रजाति के गन्ने की दरों में 30 रुपये की बढोतरी तो की लेकिन किसानों के हांथ कुछ खास नही लगा। किसानों का कहना है मूल्य वृद्धि की घोषणा होते ही फसल लागत में काफी बढ़ोतरी हुई है।

क्षेत्र के गन्ना किसानों ने बताया कि गन्ना मूल्य बढ़ोतरी की घोषणा को सुनते ही मजदूरों, बैलगाड़ी मालिकों ने पिछले वर्ष की अपेक्षा 10 रुपये प्रति क्विंटल गन्ना छिलाई, दो से पांच रुपये प्रति किं्वटलल भाड़ा बढ़ा दिया है। सबसे बड़ी समस्या फसल अवशेष प्रवंधन की है जो एक हजार से दो हजार रुपये प्रति एकड़ अतिरिक्त खर्च का बोझ किसानों पर पड़ रहा है।

गन्ना मूल्य अगेती व सामान्य प्रजाति का बढ़ा, अस्वीकृत प्रजाति में खर्च बढ़ा : यूपी सरकार की गन्ना मूल्य बढ़ोतरी की घोषणा आग की लपटों की तरह फैली, जिस कारण मजदूरी व लागत तो सभी किस्मों पर बढ़ा पर मूल्य वृद्धि केवल अगेती व सामान्य प्रजाति के गन्ने की ही। चीनी मिल व सरकार के आंकड़ों में भले ही सैकड़ों प्रजातियां अर्ली व सामान्य प्रजाति में हों, पर गन्ने की फसलों में लगने वाले रोग, बीमारियों ने किसानों की दुर्दशा करने मे कोई कसर नही छोड़ी है। किसानों के पास आज भी अच्छी उपज देने वाली किस्मों के बीज उपलब्ध नहीं है। किसान थक हारकर पुरानी व कम उपज देने वाली अस्वीकृत क़िस्मों की बुवाई करने को मजबूर हैं। शोध संस्थानों से नयी प्रजाति का बीज मिलना मुश्किल है। वहीं बीज उत्पादन करने वाले किसान काफी मंहगे दाम पर बेंचते हैं। गन्ना किसानों की माने तो रोग प्रभावित गन्ना किस्म कोशा 0238 का अभी तक कोई विकल्प नहीं मिला है।

चीनी मिल से भुगतान न मिलने से किसान सस्ती दरों में गन्ना बेचने को मजबूर

बजाज चीनी मिल द्वारा गन्ना किसानों को पिछले वर्ष तक का अभी भुगतान नहीं किया गया है। किसान अपनी जरूरतों व नई फसलों की बुवाई में आवश्यक उर्वरकों के लिये गन्ने को औने पौने दामों में कोल्हुओं पर बेंचने को मजबूर हैं। किसानों की मजबूरी का फायदा उठाते हुए कोल्हू मालिकों ने गन्ने का रेट 250 रुपये तक कर दिया है।

- **गन्ने की लागत में भी हुआ है अधिक इजाफा, किसान चिंतित**

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष अस्वीकृत गन्ना प्रजाति का मूल्य बढ़ोतरी नहीं की गई, सिर्फ शीघ्र पकने वाली प्रजाति और मध्य देर से पकने वाली प्रजाति का मूल्य बढ़ाया गया। शीघ्र गन्ना प्रजातियों में अत्यधिक रोग हो जाने के कारण खर्चा भी अधिक आता है, उत्पादन भी कम होता है। वर्तमान में अधिक उत्पादन देने वाली कोई भी अर्ली प्रजाति नहीं है। अभी किसानों के पास विलोपित प्रजातियों के गन्ना भी उपलब्ध हैं, जिसका मूल्य सरकार द्वारा नहीं बढ़ाया गया, जिससे किसान हताश और निराश हैं। कुछ चीनी मिलों द्वारा विलोपित प्रजातियों को चीनी मिल से लौटाया जा रहा है, यह बर्दाश्त नहीं होगा। अस्वीकृत गन्ना प्रजातियों का भी उत्तर प्रदेश सरकार को मूल्य बढ़ाना चाहिए। अगर कोई चीनी मिल गन्ना वापस करता है तो उसके खिलाफ संगठन धरना प्रदर्शन करेगा।
– **अंजनी कुमार दीक्षित** जिलाध्यक्ष, राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन।

गन्ना किसान श्याम किशोर वर्मा ने बताया कि हम गोला मिल क्षेत्र के गन्ना किसान हैं। गन्ना बेचने के लिए भी कर्ज लेना पड़ रहा है। चीनी मिल ने अभी तक पिछले पिराई सत्र में खरीदे गए गन्ने का भुगतान नहीं किया है।

गन्ना किसान अच्युतम मिश्रा ने बताया कि किसानों की समस्या को सरकार व चीनी मिल प्रबंधन सुन ही नहीं रहा है। गन्ना किस्मों में रोगों के कारण कई प्रजाति बोई थी, कुछ किसानों की गन्ना की ट्रालियां वापस करना गलत है।

पगड़ी उछालकर गुरुद्वारे के दो सेवादारों को पीटा

बाइक छू जाने पर दबंगों ने किया वबाल, गांव बिरजा पुरवा में श्री अखण्ड पाठ करके घर गोविंदपुर फार्म जा रहा था पीड़ित

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के एक घर में पाठ करने जा रहे गुरुद्वारे के दो सेवादारों (पाठियों) की बाइक एक युवक से छू गई। इससे नाराज 10 से अधिक लोगों ने दोनों की गिरा लिया। उनकी पगड़ी खोलकर जमीन पर गिराते हुए लाठी-डंडों और बेल्टों से जमकर पिटाई कर दी। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस आती देख आरोपी मौके से भाग निकले। घटना से सिख समाज में काफी आक्रोश है। बडी. संख्या में एकत्र सिख समाज के लोगों ने बैठक कर दबंगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। उधर पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के गोविंदपुर फार्म निवासी पाठी मनप्रीत सिंह पुत्र सरवन सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि शुक्रवार को वह अपने साथी गुरविंदर सिंह निवासी मंहगापुर थाना सम्पूर्णा नगर के साथ गांव बिरजा पुरवा में श्री अखण्ड पाठ करके वापस अपने घर गोविंदपुर फार्म जा रहा था। लुधौरी में डॉ.निसार अहमद के घर के निकट पहुंचते ही अजय, विजय पुत्रगण रामखेलावन, अंकित व अखिलेश पुत्रगण नंद कुमार, अनुज पुत्र देवकीनंदन, शिवम पुत्र रामासरे निवासी लुधौरी, सोनू व शुभम पुत्रगण लेखराम निवासी बिहारी पुरवा ने अपने अन्य आठ दस साथियों के साथ दोनों को घेर लिया और बाइक से नीचे उतार कर पहले सिर से पगड़ी उतार कर फेंक दी और फिर लाठी, डंडों, बेल्ट आदि से पीटना शुरू कर दिया। दोनों ने बचाव की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। हमलावरों की पिटाई से दोनों घायल हो गए।

ग्रामीणों की सूचना पर सिपाही लवकुश यादव, जाबिर हुसैन व उमापति वर्मा मौके पर पहुंचे। पुलिस को आते देख हमलावर भाग निकले। बीच सड़क पर हुई इस घटना से लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसकी जानकारी जब सिख समाज के लोगों को हुई तो उनमें धर्म के अपमान को लेकर रोष व्याप्त हो गया। इस बाबत कोतवाल महेशचंद्र ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी थी। जांच की जा रही है।

आक्रोशित सिख समाज के लोगों को समझाते कोतवाल महेशचंद्र। ● अमृत विचार

एक सेवादार की पिटाई करते आरोपी। ● अमृत विचार

सिख समाज में उबाल, कोतवाली में किया कई घंटे हंगामा

पगड़ी का अपमान और धार्मिक मान्यता का मजाक उड़ाए जाने से सिख समाज में भारी रोष व्याप्त हो गया। रात में ही बड़ी संख्या में सिख समाज के लोग कोतवाली पहुंच गए और आरोपियों पर तुरंत कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। पुलिस ने मामले की नजाकत को देखते हुए रिपोर्ट दर्ज कर ली। शनिवार सुबह तक गिरफ्तारी न होने से नाराज सिख समुदाय ने गुरुद्वारा में आपात बैठक कर घटना की कड़े शब्दों में निंदा की और कोतवाली घेरने की चेतावनी दी।

पिटाई का वीडियो वायरल

हमलावर जब दोनों पाठियों को बेरहमी से पीट रहे थे। तभी वहां मौजूद किसी ने पूरी घटना की वीडियो बना ली और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होते ही सिख समाज में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया। उनका कहना है कि यह केवल मारपीट की घटना नहीं, बल्कि हमारे धर्म का अपमान है। जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, हमारा विरोध जारी रहेगा। सिख समाज ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो सिख समाज सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेगा।

> मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की तलाश की जा रही है, और जल्द कार्रवाई की जाएगी। **-महेश चंद्र,** प्रभारी निरीक्षक

पूर्व विधायक का पुत्र गिरफ्तार

पलिया कलां, अमृत विचार: निघासन विधानसभा के पूर्व विधायक थाना संपूर्णानगर के गांव त्रिकोलिया निवासी निरवेंद्र कुमार मिश्र मुन्ना के बेटे संजीव कुमार को पलिया पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी जमीन हड़पने और फर्जी दस्तावेज बनाने के आरोप में हुई है। एसओ पंकज त्रिपाठी ने बताया कि राधेश्याम ने विधायक के पुत्र पर जमीन हड़पने और फर्जी दस्तावेज बनाने का आरोप लगाते हुए न्यायालय के आदेश पर धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। न्यायालय से वारंट होने पर आरोपी संजीव कुमार मिश्रा को पलिया नगर में मेला गेट के पास से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी घायल

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचार: नीमगांव थाना क्षेत्र के कस्बा सिकंद्राबाद में मेडिकल व्यवसायी के घर व दुकान में लूटपाट में शामिल एक शातिर इनामी बदमाश और पुलिस के बीच शुक्रवार की रात मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से वह घायल हो गया। एसपी ने इस बदमाश पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है।

बता दें कि कस्बा सिकंद्राबाद में पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर 15 नवंबर की शाम करीब आठ बजे बदमाशों ने मेडिकल व्यवसायी विकास वर्मा की दुकान में धावा बोल दिया था। दुकान अंदर से बंद कर मकान व दुकान में लूटपाट की थी। बदमाश 1.23 लाख रुपये की नकदी और करीब सात लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर लूट ले गए थे। इस मामले में पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार की रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें 25 हजार का इनामी अपराधी राजू उर्फ हासिम गोली लगने से घायल हो गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

पुलिस ने इस लूट कांड में शामिल गिरोह के सदस्य मुहीब, हसरत अली उर्फ छोटा तालिब, गोपाल वर्मा और तैय्यब खां को 27 नवंबर को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर चालान भेजा था।

मुठभेड़ में घायल बदमाश।

पुलिस गश्त के दौरान आरोपी ने घेराबंदी देख भागने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर फायर किया। जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लगी और उसे हिरासत में ले लिया। मौके से 315 बोर का तमंचा, एक कारतूस, एक खोखा कारतूस और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। 36 मुकदमों में वांछित और नेपाल तक था सक्रिय गिरफ्तार आरोपी राजू उर्फ हासिम के खिलाफ लूट, डकैती, हत्या के प्रयास व गैंगस्टर एक्ट समेत कुल 36 मुकदमे जनपद खीरी, सीतापुर और बहराइच के थानों में दर्ज हैं।

> मुठभेड़ में गिरफ्तार बदमाश शातिर अपराधी है। उसके खिलाफ लखीमपुर खीरी समेत अन्य जिलों में भी 36 संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। **-प्रवीर गौतम,** एसओ, थाना नीमगांव।

वैन चालक ने तोड़ी बैरिकेडिंग तो मच गई भगदड़

लखीमपुर खीर,अमृत विचार: हमदर्द चौराहे पर रविवार देर शाम एक मारुति वैन चालक ने लोहे की बैरिकेडिंग तोड़ दी। वैन को अनियंत्रित देख लोगों में भगदड़ मच गई। घटना के दौरान वहां मौजूद कई लोग बाल-बाल बच गए, जबकि बैरिकेडिंग क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वैन चालक ने अचानक तेज रफ्तार में वाहन मोड़ा और चौराहे की ओर बढ़ाते हुए बैरिकेड को तोड़ दिया। इससे वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। हालांकि कोई गंभीर घायल नहीं हुआ, लेकिन घटना ने लोगों में दहशत फैला दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन कब्जे में ले लिया है और चालक की पहचान की जा रही है।

दवा छिड़कते किसान की हालत बिगड़ी, मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना भीरा क्षेत्र के गांव मटेहिया निवासी विनोद कुमार गुप्ता गुरुवार को अपने गेहूं के खेत में दवा का छिड़काव कर रहे थे। वह दोपहर बाद जब घर पहुंचे तो उनकी हालत बिगड़ गई। परिवार वालों ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी देर शाम मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

शव चिता से उतारकर दोबारा पोस्टमार्टम की मांग पर अड़े परिजन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के माधौपुरवा गांव में शनिवार को माहौल उस समय तनावपूर्ण हो गया। जब जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिले सुरेश वर्मा (55) के शव का अंतिम संस्कार करने के दौरान ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शव पर चोट के निशान हैं और हाथों के नाखून भी उखड़े हुए हैं, जिस कारण दोबारा पोस्टमार्टम की मांग की गई।

सुरेश वर्मा का शव शुक्रवार को जेल के शौचालय में एंगल से गमछा के सहारे लटका मिला था। मौत के बाद प्रशासन ने पोस्टमार्टम कराकर शाम को शव गांव भेजा, लेकिन परिजनों और ग्रामीणों ने शव लेने से इनकार करते हुए कोतवाल शिवाजी दुबे पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए।

इसको लेकर पोस्टमार्टम हाउस से लेकर गांव तक पूरे दिन बवाल चलता रहा। गांव में लोगों ने जब प्रदर्शन शुरू कर दिया और हंगामा बढ़ा तो देर रात एएसपी पूर्वी पवन गौतम मौके पर पहुंचे और परिजनों को जेल में लिए गए शव के फोटो और दस्तावेज दिखाकर शांत किया। इसके बाद शव घर लाया गया और शनिवार सुबह अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू हुई। करीब 11 बजे शव को श्मशान लाकर चिता पर रखा गया ही था कि भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति ने दावा किया कि शव के नाखून उखड़े हैं। यह सुनते ही माहौल गर्म हो गया और लोग पोस्टमार्टम दोबारा कराने की मांग पर अड़ गए।

देखते ही देखते चिता से शव उतार लिया गया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू हो गई। स्थिति बिगड़ती देख सीओ धौरहरा शमशेर बहादुर मौके पर पहुंचे और परिजनों व ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने निष्पक्ष जांच व न्याय का भरोसा दिलाया। करीब दो घंटे तक चली कोशिशों के बाद परिजन मान गए और दोपहर 1:15 बजे सुरेश वर्मा का अंतिम संस्कार किया गया।

आक्रोशित लोगों को समझाते सीओ शमशेर बहादुर सिंह। ● अमृत विचार

- **सीओ के आश्वासन पर माने परिजन, दोपहर बाद किया गया अंतिम संस्कार**
- **जेल में मृत मिले सुरेश वर्मा के शव के अंतिम संस्कार के दौरान कई घंटे हंगामा**

सीओ बोले- जेल वालों पर होनी चाहिए कार्रवाई

सीओ धौरहरा शमशेर बहादुर सिंह गांव में आक्रोशित लोगों को समझाने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान उनकी लोगों से तीखी नोकझोंक भी हुई। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह देखे और सुने जा रहे हैं कि घटना जेल की है। जेल प्रशासन की जिम्मेदारी थी। मुकदमा तो जेल कर्मचारियों के खिलाफ लिखा जाना चाहिए था। पुलिस ने जब जेल भेजा तो उसकी डॉक्टरी हुई, जेल में भी जेल डॉक्टर ने आरोपी का परीक्षण किया। मौत फंदा लगाकर जेल में हुई, इसलिए जिम्मेदारी जेल की है।

> परिजनों ने शांतिपूर्वक अंतिम संस्कार कर दिया है। गांव में शांति व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। मामले की जांच नियमानुसार की जाएगी। **-शमशेर बहादुर सिंह,** सीओ धौरहरा

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं. 11 वर्ष 2025-26

अधोलिखित कार्यों के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैः– कार्यों का विवरण : 1. टनकपुर स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इन्टरलॉकिंग और अतिरिक्त लूप एवं स्टेबलिंग लाइन हेतु सिगनल एवं दूरसंचार कार्य। अनुमानित लागत : ₹ 3,72,05,375.06, बयाना राशि : ₹ 3,36,000, कार्य समापन अवधि : 6 माह, ई–निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक 22/12/2025 को 11:00 बजे ● पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है। ● सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिये।

वरि. मंडल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर, मुजाफि/सिगनल - 68 पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–शाहजहाँपुर।
कार्यालय का पता– द्वितीय तल, विकास भवन, शाहजहाँपुर

पत्रांक :– 1182/ग्र0अ0वि0/निविदा/2025–26 दिनांक 19.11.25

निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–शाहजहाँपुर के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए0,बी0,सी0 एवं डी0 श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिये निविदा दे सकता है :–

01– कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (विड सिक्योरिटी) (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
		विधायक निधि क्षेत्र–जलालाबाद				
01	शाहजहाँपुर	जीवन लाल मेमोरियल इ0कालेज धियरिया एवं जीवन लाल मेमोरियल वि0 जलालाबाद की एक कक्षा के लिये 20 सेट फर्नीचर का अधिष्ठान कार्य।	6.71	13500.00	767.00	03 माह
02	शाहजहाँपुर	रामनाथ सिंह विद्यापीठ गुलडिया एवं पं0 विश्वनाथ इण्टर कालेज सुजावलपुर की एक कक्षा के लिये 20 सेट फर्नीचर का अधिष्ठान कार्य।	6.71	13500.00	767.00	03 माह
03	शाहजहाँपुर	श्री गुरू सहायक हा0 सकेण्डरी स्कूल सरायसाधौ एवं जनता आदर्श इ0 कालेज जलालाबाद की एक कक्षा के लिये 20 सेट फर्नीचर का अधिष्ठान कार्य।	6.71	13500.00	767.00	03 माह
04	शाहजहाँपुर	झम्मन सिंह आदर्श पू0मा0वि0 फर्रूखाबाद रोड जलालाबाद एवं माता वैष्णो हरिप्रकाश इ0 कालेज खण्डहर की एक कक्षा के लिये 20 सेट फर्नीचर का अधिष्ठान कार्य।	6.71	13500.00	767.00	03 माह
05	शाहजहाँपुर	सरस्वती ज्ञान मन्दिर पिटारमऊ एवं रामपाल सिंह जूनियर स्कूल उबरिया की एक कक्षा के लिये 20 सेट फर्नीचर का अधिष्ठान कार्य।	6.71	13500.00	767.00	03 माह
06	शाहजहाँपुर	रामसरन सिंह इण्टर कालेज रूस्तमपुर एवं सीताराम जूनियर हाईस्कूल अल्हागंज की एक कक्षा के लिये 20 सेट फर्नीचर अधिष्ठान कार्य।	6.71	13500.00	767.00	03 माह
07	शाहजहाँपुर	स्वामी कृष्णदेव परमहंस उ0मा0वि0 ढाई एवं अमर शहीद रानी आवन्तीवाई लोधी विद्यापीठ सथरा की एक कक्षा के लिये 20 सेट फर्नीचर का अधिष्ठान कार्य।	6.71	13500.00	767.00	03 माह
08	शाहजहाँपुर	कप्तान सिंह पब्लिक स्कूल रोहननगला एवं अमर शहीद रानी अवन्ती वाई लोधी विद्यापीठ बाराकलां की एक कक्षा के लिये 20 सेट फर्नीचर का अधिष्ठान कार्य।	6.71	13500.00	767.00	03 माह
09	शाहजहाँपुर	रामेश्वर दयाल सिंह इ0कालेज नौगवां मुबारकपुर एवं आ0वी0 कन्या पब्लिक स्कूल ढाई की एक कक्षा के लिये 20 सेट फर्चीचर का अधिष्ठान कार्य।	6.71	13500.00	767.00	03 माह
10	शाहजहाँपुर	वीरांगना अवन्ती वाई इ0 कालेज सिकन्दरपुर कायस्थान एवं नवरंग सिंह इ0कालेज पहरूआ की एक कक्षा के लिये 20 सेट फर्नीचर अधिष्ठकान कार्य।	6.71	13500.00	767.00	03 माह
11	शाहजहाँपुर	रामसहाय मेमोरियल इ0 कालेज नरसुहिया की एक कक्षा के लिये 20 सेट फर्नीचर का अधिष्ठान कार्य।	3.355	6800.00	678.00	03 माह
12	शाहजहाँपुर	प्राथमिक विद्यालय नगरिया मजरा गुलडिया वि0ख0 जलालाबाद में स्मार्ट क्लास (ऐस्ट्रोलैब) बनवाये जाने का कार्य	4.82	9700.00	678.00	03 माह
13	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 कंचनपुर, प्रा0वि0 पटना देवकली एवं प्रा0वि0 पृथ्वीपुर में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
14	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 कटका, प्रा0वि0 लालपुर एवं प्रा0वि0 भुड़ेली में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
15	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 उलैहता नगला, प्रा0वि0 वाजिदपुर एवं प्रावि0 जूही में तीन तीन झूलों का निर्माण कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
16	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 कासिम नगला, कम्पोजिट वि0 कलान एवं प्रा0वि0 दौलपुर सिटुआ में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य	9.495	19000.00	854.00	04 माह
17	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 बाराखुर्द, प्रा0वि0 खलसा एवं उ0प्रा0वि0 सनाय में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
18	शाहजहाँपुर	उ0प्रा0वि0 कुदरासी एवं कम्पोजिट वि0 एतमादपुर में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य	6.33	12700.00	767.00	04 माह
19	शाहजहाँपुर	कम्पोजिट वि0 अभिचारपुर, प्रा0वि0 बल्लिया एवं प्रा0वि0 छोटी सनाय में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य	9.495	19000.00	854.00	04 माह
20	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 दहेलिया, कम्पोजिट वि0 दमुलिया एवं प्रा0वि0 ढका मडैया में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
21	शाहजहाँपुर	कम्पोजिट वि0 हवीवउल्लापुर, प्रा0 वि0 हरद्वारा एवं प्रा0वि0 इकरीखेड़ा में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
22	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 कांकर, कम्पोजिट वि0 कालिकागंज एवं प्रा0वि0 मझरिया में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
23	शाहजहाँपुर	कम्पो0वि0 नरौरा, प्रा0वि0 नरसुईया एवं प्रा0वि0 सादिकपुर में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
24	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 थरिया में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	3.165	6400.00	678.00	04 माह
25	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 सपहा, कम्पोजिट वि0 विचौला एवं प्रा0वि0 भरतौली में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
26	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 चौरासी, कम्पोजिट वि0 गुरूगवां एवं प्रा0वि0 मढिया गोसांइ में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
27	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 हरेवा नवीन, प्रा0वि0 झौहना एवं प्रा0वि0 कटरिया में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
28	शाहजहाँपुर	कम्पोजिट वि0 खखूड़ी, प्रा0वि0 कुवंरपुर बांक एवं प्रा0वि0 महुआडांडी में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
29	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 मनिहार, प्रा0वि0 सुजावलपुर एवं प्रा0वि0 तिकोला में तीन तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	9.495	19000.00	854.00	04 माह
30	शाहजहाँपुर	प्रा0वि0 उवरिया एवं प्रा0वि0 कुंडरी अलवेला में तीन–तीन झूलों का अधिष्ठान कार्य।	6.33	12700.00	767.00	04 माह
		मा0 सदस्य विधान परिषद नोडल जनपद– शाहजहाँपुर (स्वीकृति की प्रत्याशा में)				
31	शाहजहाँपुर	ग्राम धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में ऊधन वर्मा के घर से रामसरन के मकान तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	7.84	15700.00	854.00	04 माह
32	शाहजहाँपुर	ग्राम धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल ऊधन वर्मा के मकान से कृष्णपाल के मकान तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	4.38	8800.00	678.00	04 माह
33	शाहजहाँपुर	ग्राम हथौंडा बुजुर्ग विकास खण्ड भावलखेडा में मुख्य मार्ग से डा0 डी0पी0सिंह महाविद्यालय तक सी0सी0/इण्टरलॉकिंग सडक निर्माण कार्य।	8.41	16900.00	854.00	04 माह
34	शाहजहाँपुर	ग्राम पंचायत धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में नवीस के मकान से वेदराम के मकान तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	6.73	13500.00	767.00	04 माह
35	शाहजहाँपुर	ग्राम पंचायत धन्यौरा विकास खण्ड ददरौल में ओमकार के मकान से रियासत के मकान तक इण्टरलॉकिंग कार्य।	3.48	7000.00	678.00	04 माह
		विधायक निधि क्षेत्र–शाहजहाँपुर				
36	शाहजहाँपुर	मो0 लोधीपुर में सिटी पार्क कॉलोनी में एन्ट्री गेट से श्राफ आई क्लीनिक होते हुये तिराहे तक जर्जर इण्टरलॉकिंग के स्थान पर 50.00 मी0 सी0सी0/नाली निर्माण कार्य।	6.40	12800.00	678.00	04 माह
37	शाहजहाँपुर	ग्राम पंचायत शाहवाजनगर के ग्राम निजामपुर गौटिया में राम निवास के घर से जगदीश के घर तक 100.00 मी0 सी0सी0/नाली निर्माण कार्य।	2.76	5600.00	678.00	04 माह
38	शाहजहाँपुर	ग्राम पंचायत शाहवाजनगर के ग्राम निजामपुर गौटिया मे संतोष के घर से रामरतन के घर तक 100.00 मी0 सी0सी0 नाली निर्माण कार्य।	6.443	12900.00	767.00	04 माह
39	शाहजहाँपुर	मो0 लोधीपुर में सुश्री नन्ही बिटिया के घर से श्री अनिल मिश्रा के घर तक 50.00 मी0 सी0सी0/नाली निर्माण कार्य।	4.455	9000.00	678.00	04 माह
40	शाहजहाँपुर	ग्राम लोधीपुर में श्री हरिओंम भारतद्वाज के घर से श्री रमेश प्रजापति के घर तक 105.00 मी0 सी0सी0 नाली निर्माण कार्य।	7.35	14700.00	854.00	04 माह

03– निविदा विक्री की अवधि : दिनांक 20.12.2025 से 23.12.2025 तक (पूर्वान्ह 11:00 से अपरान्ह 04:00 बजे तक)।
04– निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 24.12.2025 (अपरान्ह 12:00 बजे तक)।
05– निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन, जनपद–शाहजहाँपुर।
06– निविदा खुलने का दिनांक एवं समयः दिनांक 24.12.2025 अपरान्ह 12:30 बजे तक।
अधिक जानकारी के लिये अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग कार्यालय द्वितीय तल, विकास भवन शाहजहाँपुर से सम्पर्क कर सकते है।

(इं0 सतीश चन्द्र राघवेन्द्रम)
अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड– शाहजहाँपुर।

UP-241728 दिनांक 28.11.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटीज तथा चिट्स
193 ए सिविल लाइन्स, बरेली

पत्रांक : सो.पंजी./बरेली दिनांक : 2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संस्था फुन्दा खां कब्रिस्तान प्रबन्ध समिति, पता–मो. पट्टी पश्चिमी कस्बा व पो. कांट तह. सदर जिला शाहजहाँपुर के पंजीकरण हेतु मो. नवी खान पुत्र श्री अहमद खां ने सचिव की हैसियत से ऑनलाईन पंजीकरण शुल्क, स्मृति पत्र, नियमावली फोटो युक्त शपथ पत्र इत्यादि सो. रजि. अधि. 1850 के अन्तर्गत प्रस्तुत किया है। उक्त संस्था के स्मृति पत्र के क्रमांक 5 में निम्नलिखित पदाधिकारी व सदस्य दर्शाये गये है :–

क्र.सं.	नाम/पिता का नाम	पद
1.	वली अहमद पुत्र श्री भुल्लन खाँ	अध्यक्ष
2.	खालिद पुत्र श्री शेर मो.	उपाध्यक्ष
3.	मो. नवी खान पुत्र श्री अहमद खाँ	सचिव
4.	शकील अहमद पुत्र श्री सलामत उल्ला खां	कोषाध्यक्ष
5.	शैनूर पुत्र श्री मुन्ने	सदस्य
6.	युसुफ खान पुत्र श्री झब्बू खान	सदस्य
7.	शब्बीर पुत्र श्री फुंदा	सदस्य

उपरोक्त समिति के पंजीकरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति की कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 (पन्द्रह) दिन के अन्दर अपनी आपत्ति स्वयं के फोटो युक्त नोटरी शपथ पत्र या दस्तावेज साक्ष्यों सहित अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय को प्रस्तुत कर सकता है। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. अधि. 1860 की धारा 3 (1) के परन्तुक के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

सहायक रजिस्ट्रार, बरेली

दहेज के लिए महिला को पीटकर घर से निकाला

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: नगर के एक मोहल्ले में मायके में रह रही विवाहिता ने अपने पति सहित छह ससुरालयों पर दहेज की खातिर मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

मोहल्ला नीची भूड़ में अपने मायके में रह रही पीड़िता शहरीन ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसका निकाह 23 फरवरी 2025 को हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव गनेशपुर निवासी शाहरुख खान पुत्र फारुख खानं के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार काफी दान दहेज देकर किया गया था। उसने आरोप लगाया है कि पति शाहरुख खान, ससुर फारुख खां, सास सबीना खातून, ननद सूबी, रानी व देवर सलमान खान दिए गए दान दहेज से खुश नहीं थे।

निकाह के बाद से वह अतिरिक्त दहेज में सोने की चैन व एक लाख रुपया की मांग करने लगे। 10 अक्टूबर को मांग पूरी न होने पर पति और ससुराल वालों ने एक राय होकर मारापीटा और जान से मारने की कोशिश की। पति शाहरुख खान उसे बीमारी की हालत में जेवर, कपड़े छीनकर मायके में घर के बाहर छोड़ गए और धमकी दी कि वह बिना अतिरिक्त दहेज के वापस आई तो जान से मार दिया जाएगा। उसने ससुरालयों पर कार्रवाई की मांग की है।

हादसे में पति की मौत, पत्नी घायल

शाहजहांपुर/रोजा, अमृत विचार: लखीमपुर खीरी जिले के कोतवाली के गांव छाउच निवासी आकाश दीप वर्मा (35) पत्नी रोली वर्मा को स्कूटी पर लेकर शाहजहांपुर आ रहे थे। लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर जमुका गांव के सामने ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी सवार दंपती घायल हो गया। रोजा थाना प्रभारी राजीव कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घायल दंपती को मेडिकल कॉलेज भेजा। डॉक्टर ने आकाश दीप को मृत घोषित कर दिया। पत्नी को लखनऊ मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। सूचना पर मृतक के परिवार और रिश्तेदार मेडिकल कालेज पहुंच गए। चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई होगी।

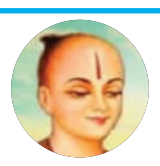

दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छोड़िये जब तक घट में प्राण।।

तुलसीदास जी कहते हैं, धर्म का असली मूल दूसरों पर दया करना है और अभिमान नहीं करना चाहिए। अभिमान ही पाप की बुनियाद है। जब तक जीवन है इंसान को दया करना नहीं छोड़नी चाहिए।

वाक् स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा पर शब्द संयम भी जरूरी

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। यह दोधारी तलवार है। जानकारियों का स्रोत है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आम जनों तक पहुंचते हैं। उन्हें जरूरी या गैरजरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत-संगीत भी हैं। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब सोशल मीडिया नहीं था, तब मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों की संख्या बहुत कम थी। घर में बहुधा एक या दो फोन होते थे। अब परिवार में सभी के पास अपना मोबाइल है। मोबाइल केवल दूरभाष वार्ता का काम नहीं देता। वह चलता फिरता टीवी है। बहुत सुंदर नोटबुक है। ज्ञात विश्व के सभी अनुशासनों का जीवन तंत्र है।

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। जानकारियों का स्रोत है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत संगीत भी है। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। यह दोधारी तलवार है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आमजनों तक पहुंचते हैं। उन्हें जरूरी या गैरजरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है।

विश्व का समूचा ज्ञान सोशल मीडिया का भाग है। इसका एक बड़ा हिस्सा मनुष्य जीवन को क्षति पहुंचा रहा है। छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल से चिपके रहते हैं। इस नुकसान को लेकर अनेक शोध हुए हैं। मैंने निजी जीवन में देखा है कि एक ही परिवार के सात सदस्यों के पास अलग-अलग मोबाइल हैं। किसी के पास दो या तीन मोबाइल भी हैं। मैं ऐसे ही एक मित्र के घर में मेहमान था। मैंने उनको बताया कि चाय में शक्कर नहीं रहेगी। उन्होंने हमारे पास बैठे-बैठे अपनी पत्नी को फोन मिलाया। हमने पूछा चाय कहां बन रही है। उन्होंने कहा, पीछे कमरे में। मैंने कहा, आप जाकर भी बता सकते थे। उन्होंने कहा, फोन है, तो क्यों जाएं?

सोशल मीडिया से प्रसारित झूठी सूचनाएं समाज को क्षति पहुंचती हैं। दंगे फसाद भी हो जाते हैं। सोशल मीडिया से पुलिस और प्रशासन को सुविधा हो रही है। वहीं अपराधी भी इसी के दुरुपयोग से बड़ी घटनाएं करके निकल जाते हैं। सोशल मीडिया में अराजकता है। कोई अपना नंगा चित्र पोस्ट करता है। कोई अश्लील चैट करता है। कोई देवी-देवताओं पर अपनी भड़ास निकालता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस अराजकता के विरुद्ध केंद्र से कहा है कि कोई नियामक संस्था बनाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को चार सप्ताह का समय दिया है। इस सूचना से लोगों को राहत मिली है, लेकिन यह आसान नहीं है। भारतीय संस्कृति के पक्षधर तो सोशल मीडिया के नियमन की खबर से खुश हैं, लेकिन वामपंथी ऐसी किसी नियामक आयोग जैसी संस्था का विरोध करेंगे।

हम ऑस्ट्रेलिया से सीख सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने वाले कानून पर एक साल पहले सम्यक विचार किया था। अधिनियम पारित किया था। अगले महीने से कानून प्रभावी होने जा रहा है। भारत में अधिकांश परिवारों के बच्चे पूरी रात मोबाइल से चिपके रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने उचित समय पर अपना निर्देश दिया है। सोशल मीडिया के विनियमितिकरण पर ठोस विचार समय की मांग है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है। संविधान निर्माताओं ने आदर्श लोकतंत्र के लिए अभिव्यक्ति की आजादी को मौलिक अधिकार बनाया है, लेकिन यह अधिकार असीम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 19 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसी अनुच्छेद के खंड-2 में इस अधिकार की मर्यादा भी बताई गई है। इसमें कहा गया है कि भारत की संप्रभुता, अखंडता, सुरक्षा, दुनिया के अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार या सदाचार के हितों में अथवा न्यायालय अवमान के संबंध में विद्यमान किसी भी विधि के प्रवर्तन पर फर्क नहीं पड़ेगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग हो रहा है।

भारत प्राचीन राष्ट्र है। भारत के लोगों के परिश्रम से राष्ट्र का सतत् विकास हो रहा है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की घोषणा की है। सरकार अपना काम कर रही है। समाज भी अपना काम करे। देश के सभी नागरिकों से भाषा संयम की न्यूनतम अपेक्षा तो कर ही सकते हैं। निःसंदेह विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का स्वागत होना चाहिए, लेकिन अभिव्यक्ति में सुंदरता चाहिए। वाक् संयम चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदरणीय है, लेकिन इसके साथ ही संयम में रहने की भी आवश्यकता है।

यह अस्तित्व सुंदर है। हमारे होने का स्रोत और आधार यही संसार है। अस्तित्व प्रतिपल व्यक्त हो रहा है। प्रकृति में फूलों का खिलना, शिशुओं का हंसना, सूर्य का आना जाना, रात और दिन की गति अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा है। गीता में श्री कृष्ण ने अर्जुन को बताया, "संसार का जितना व्यक्त भाग है, उतना ही अव्यक्त भी है। व्यक्त, अव्यक्त होता रहता है और अव्यक्त से व्यक्त।" इसीलिए मनुष्य को व्यक्ति कहते हैं। प्रकृति की सारी शक्तियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आनंद उठाती प्रतीत होती हैं, इसलिए प्रकृति की कोई भी शक्ति नियम नहीं तोड़ती। सूरज निर्धारित समय पर उदित होता है। निर्धारित समय पर अस्त होता है। चंद्रमा भी नियम नहीं तोड़ता। पूर्णमासी से अमावस्या तक सारी गति नियमित है। हम मनुष्यों को भी जीवन का आनंद लेते हुए अपना कर्तव्य पालन करते रहना चाहिए।

वाक् स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा है। शब्द सत्ता बड़ी है- शब्द संयम में प्रीति होती है, रस होता है। शब्द दुरुपयोग में उत्तेजना है, भावना और आस्था पर आक्रमण है। विश्वविख्यात कलाकार एमएफ हुसैन ने सरस्वती व सीता के अश्लील चित्र बनाए थे। इसे विचार अभिव्यक्ति कहेंगे या विकार अभिव्यक्ति? सोशल मीडिया में आपत्तिजनक सामग्री की आंधी है। शब्द संयम में ही सौंदर्य प्रकट होता है और शब्द अनुशासनहीनता में अश्लीलता। सर्वोच्च न्यायालय ने 2005 में मौन रहने को भी अनुच्छेद 19(1क) के अधीन विचार अभिव्यक्ति का अधिकार बताया था। राजनीति शब्दों का ही खेल है, लेकिन राजनीतिक शब्दकोष से शालीनता के तत्व गायब हैं। यहां आरोप-प्रत्यारोप हैं। संसद और विधानमंडल में बोले गए शब्दों पर न्यायालय कार्रवाई नहीं कर सकते, इसलिए संसदीय शब्द अराजकता अपनी सीमा पार कर गई है।

वाक् स्वातंत्र्य के अधिकार का सदुपयोग सामाजिक परिवर्तन में होना चाहिए। वाद-विवाद में मधुमय संवाद की प्राचीन संस्कृति को बढ़ाना चाहिए। समाज के छोटे से हिस्से की भी भावनाओं को आहत करने वाले शब्दों का प्रयोग अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग है। इसी तरह बात-बे-बात किसी विचार, संगीत, कला, काव्य या फिल्म को लेकर हल्ला बोलना भी स्वतंत्र समाज के लिए बहुत घातक है। राष्ट्र राज्य अपना कर्तव्य निभाए और नागरिक अपना।

आधुनिकता सच्चाई है। समाज जड़ नहीं होते। गतिशील होना जगत का मूल गुण है। भारती समाज भी आधुनिक है, उसे और भी आधुनिक होना चाहिए, लेकिन आधुनिकता का अर्थ जीवन मूल्यों का यूरोपीयकरण या अमेरिकीकरण नहीं होता। कपड़ा-लत्ता, भाषा, व्यवहार और खानपान, रहन-सहन का अंधानुकरण ही आधुनिक नहीं कहा जा सकता। आखिरकार छात्रों को सोशल मीडिया को ही पूरा समय देना कहां तक उचित है? इसके व्यवस्थित संचालन के लिए नियामक आयोग जैसी संस्था अति आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की पहल स्वागत योग्य है। भारत शब्द अराजकता से निपट सकता है। केवल सांस्कृतिक परंपरा को ही मजबूत करते हुए स्वस्थ वातावरण बनाया जा सकता है।

मोबाइल फोन बच्चों को बना रहा है आक्रामक

राजस्थान के धौलपुर जिले के कुरेंद्रा गांव में 13 साल के विष्णु ने पिता की मामूली डांट के बाद आत्महत्या कर ली। वजह सिर्फ इतनी थी कि वह मोबाइल गेम खेल रहा था और पिता ने टोक दिया। धौलपुर का यह अकेला मामला नहीं है। मध्यप्रदेश के झांसी में एक महिला ने अपने आठवीं में पढ़ने वाले बेटे की मोबाइल गेम की लत से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मोबाइल में उलझा बच्चा पढ़ाई नहीं करता था, जिससे उसकी मां डिप्रेशन में थी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नौवीं कक्षा की एक लडक़ी ने मोबाइल चलाने से रोके जाने पर नदी में कूदकर जान दे दी। थाणे में मोबाइल छीनने पर 16 वर्षीय लड़के ने सुसाइड कर लिया। यूपी के आजमगढ़ के एक गांव में 14 साल का किशोर मात्र इस वजह से फंदे पर झूल गया कि उसे गेम खेलने के लिए फोन नहीं मिला। पिछले साल जयपुर में एक महिला ने बेटी का मोबाइल छिपा दिया। इस बात पर मां-बेटी का झगड़ा हो गया। इसी दौरान मां ने रॉड उठा कर दे मारी, जिससे बेटी की जान चली गई।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

मोबाइल फोन की वजह से ऐसे मामले अब हर महीने, हर जिले और हर शहर से सामने आ रहे हैं। स्मार्टफोन अब एक उपकरण मात्र नहीं रहा, बल्कि वह बच्चों के दिमाग का मालिक बन गया है और बच्चों के दिमाग को बदल रहा है। इसकी वजह से बच्चों में शारीरिक समस्याएं भी बढ़ रही हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के एक अध्ययन के मुताबिक भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चे औसतन 2.22 घंटे रोज स्क्रीन पर बिताते हैं। ये समय विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सुझाए गए समय से दोगुना है।

यह भी चिंताजनक है कि दो साल से कम उम्र के बच्चे भी स्क्रीन पर रोज 1.23 घंटे बिता रहे हैं, जबकि इस उम्र के बच्चों के लिए डॉक्टर पूरी तरह नो स्क्रीन के पक्ष में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में रोज 1-1.5 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम उनके दिमाग के विकास को धीमा कर देता है। इससे भाषा सीखने की गति कम होती है। ध्यान और समझने की क्षमता घटती है, सामाजिक कौशल कमजोर पड़ते हैं और मोटापा और नींद आने की दिक्कतें बढ़ती हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से दिल्ली के दो प्राइवेट स्कूलों के छात्रों पर दो वर्ष तक किए गए अध्ययन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बच्चे और किशोर झुककर घंटों मोबाइल या टैबलेट चला रहे हैं। क्लास रूम में भी छह से सात घंटे बैठने और शारीरिक व्यायाम न के बराबर होने से पॉश्चर और मांसपेशियों और हड्डियों की समस्याएं आ रही हैं।

> पिछले कुछ महीनों में मोबाइल फोन की वजह से कई बच्चों ने जान दे दी। इन सभी को मोबाइल फोन के इस्तेमाल से रोका गया था। यही नहीं, एक मां ने इसलिए खुदकुशी कर ली, क्योंकि उसका बच्चा मना करने के बावजूद लगातार फोन यूज कर रहा था।

विशेषज्ञों के अनुसार स्मार्टफोन के कारण व्यवहार में आक्रामकता, एकाकीपन, देर रात जागना, ऑनलाइन चैटिंग और वर्चुअल दुनिया में जीना अब 'सामान्य' बनता जा रहा है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मोबाइल दिमाग में वही रिएक्शन पैदा करता है, जो नशे में होता है। बार-बार डोपामाइन रिलीज होने से बच्चा वास्तविक दुनिया से कटने लगता है।

सामाजिक समरसता की प्रेरक भूमि

श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दिव्य स्वर्णमंडित शिखर पर लहराता भगवा ध्वज हमें अपनी गौरवशाली परंपरा का स्मरण करा रहा है। इस ध्वज के नीचे हमें राम मंदिर के लिए हुए असंख्य बलिदानों का स्मरण हो जाता है। यह ध्वज भारत की आशाओं-आकांक्षाओ का ही नहीं अपितु हिंदू राष्ट्र के तेज पुंज का प्रतीक है। राम मंदिर का पावन प्रांगण सामाजिक समरसता की दिव्यता का अनुभव कराता है।

जाति-पांति पूछे नहिं कोई हरि को भजे सो हरि को होई। यह पंक्ति राम मंदिर में चरितार्थ होती है। रामलला के दर्शन का स्थान नियत है, वहीं से सबको दर्शन करना होता है। श्याम वर्ण की रामलला की मूर्ति जो गर्भगृह में स्थापित है, वह सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

श्रीराम मंदिर के परकोटे में महर्षि अगस्त्य व महर्षि वाल्मीकि के अलावा देवी अहिल्या , निषादराज गुहा और माता शबरी का मंदिर बना है। संत तुलसीदास का मंदिर है, तो जटायु और गिलहरी की प्रतिमाएं भी स्थापित की गई हैं। इस नाते श्रीराम की जन्मभूमि सामाजिक समरसता की दिव्य भूमि व एकात्मता की सामार्थ्य भूमि बन गई है। यह संतों की पूजा भूमि, हिंदुओं की पुण्यभूमि, कारसेवकों की शौर्य भूमि, जन-जन की श्रद्धा भूमि, जन कल्याण की प्रेरणा भूमि और भारतीयता की आदर्श भूमि है।

अब यहां से युगों-युगों तक समरसता की सरिता प्रवाहित होती रहेगी। रघुवंश के परम रक्षक व राम के कुलगुरु गुरु वशिष्ठ ने परशुराम के कोप से रघुवंश की रक्षा की थी। राम के समय तक वह सशरीर अयोध्या में रहे। परकोटे में ही महर्षि विश्वामित्र का मंदिर है। यज्ञ की रक्षा के लिए राम व लक्ष्मण को वही वन में लेकर गए। सब प्रकार के अस्त्र-शस्त्र संचालन की विद्या राम को विश्वामित्र ने ही दी। भगवान शंकर से प्राप्त समस्त दिव्यास्त्र उन्होंने ही श्रीराम को दिए।

बृजनंदन राजू
वरिष्ठ पत्रकार

भगवान राम के जीवन चरित्र को सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि ने ही देवर्षि नारद की प्रेरणा से रामायण के रूप में लिपिबद्ध करने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ध्वजारोहण के दिन सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर समरसता का संदेश दिया। निषाद राज गुह और राम की मित्रता से कौन परिचित नहीं है। वह राम के सखा हैं, इसलिए उनको भी स्थान दिया गया है।

देवी अहिल्या का उद्धार श्रीराम ने किया था। राम की अनन्य भक्त मां शबरी ने वनवास के दौरान श्रीराम को मीठे बेर खिलाए थे, तो शबरी का भी मंदिर है। म सेतु बंधन के समय गिलहरी ने अपना योगदान दिया था। मंदिर परिसर में एक टीले पर गिलहरी की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। इसके अलावा परिसर में पक्षीराज जटायु की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। लंकाधिपति रावण जब माता जानकी का हरण कर आकाश मार्ग से लंका की ओर जा रहा था, तब गिधराज जटायु ने सीता का विलाप सुनकर रावण से घनघोर युद्ध किया था। रावण ने जटायु के पंख काट दिए थे। राम की आंखों के सामने उनका शरीर छूटा। राघव ने अपने हाथों से उनकी अंतिम क्रिया संपनन्न की और पिता का दर्जा उन्हें दिया।

सभी की भूमिका से होगा लोकतंत्र स्वस्थ

देश की सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए मतदाता सूचियों का सटीक व वास्तविक होने के लिए चुनाव प्रक्रिया का पारदर्शी होना अतिआवश्यक है। सरकार मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण व हर समय किसी न किसी निकाय, विधानसभा, या लोकसभा के चुनाव चलते रहने के कारण आचार संहिता के लागू रहते विकास कार्यों के बाधित होने के प्रति एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा को स्पष्ट कर चुकी है। एक राष्ट्र एक चुनाव पर निश्चित स्तर पर संगोष्ठियां, बैठकें आयोजित कर जनता का नजरिया प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराकर बिहार का चुनाव कराया। विपक्ष के तमाम तर्क-कुतर्क को दर किनार कर बिहार विधानसभा का चुनाव हुआ और उल्लेखनीय बात यह रही कि किसी भी पोलिंग बूथ पर पुनः मतदान की नौबत नहीं आई। एसआईआर के बाद बिहार चुनाव से उत्साहित राष्ट्रीय चुनाव आयोग कई प्रदेशों में एसआईआर करा रहा है। बीएलओ को एसआईआर के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं। विपक्ष एसआईआर को वर्ग विशेष को परेशान करने वाली कार्रवाई बता रहा है, जबकि सत्ता पक्ष इसके माध्यम से घुसपैठियों को चिन्हित कर बाहर करने व एक ही व्यक्ति के एक से अधिक स्थान पर वोट न बनने के लिए उचित व आवश्यक मानता है।

नोटा को प्रभावी बनाने के लिए एक मत प्रतिशत निर्धारण किया जाना चाहिए और निर्धारित मत प्रतिशत नोटा का होने पर उस क्षेत्र का चुनाव रद्द घोषित कर प्रत्याशियों की पार्टियों से चुनाव व्यय वसूल कर नए प्रत्याशियों के बीच चुनाव का प्रावधान करना चाहिए।

देश की लोकसभा में नेता विपक्ष सारे देश में वोट चोरी का राग अलापते व इसके लिए जेन जी को आगे आने का आह्वान करने से भी नहीं हिचकते। मतदाता सूचियों की अशुद्धि पर हाइड्रोजन बम फोड़ रहे हैं, लेकिन एसआईआर में पार्टी कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता की अपील नहीं करते। देश का सर्वोच्च न्यायालय एसआईआर के प्रति अपना नजरिया स्पष्ट कर चुका है तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी निर्गत कर चुका है, जिसके परिणामस्वरूप एसआईआर का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर में बेसिक शिक्षा राजस्व विभाग और निकाय कर्मी बतौर बीएलओ जुटे हैं और घर-घर जाकर मतदाताओं की पुष्टि, मृतकों का सत्यापन व पलायन करने वाले मतदाताओं को सूचियों से बाहर कर रहे हैं, क्योंकि पारदर्शी व वास्तविक मतदाता सूची समयबद्ध चुनाव आयोग को सौंपनी है।

सवाल यह है कि विशेष गहन पुनर्रीक्षण की आवश्यकता क्यों है? देश के लोकतंत्र के स्थायित्व के लिए मतदाता सूची निर्माण में जुटे कर्मियों का दायित्व निर्धारण कर सेवा शर्तों में दायित्व संयोजन के अनुरूप गांव, नगर पंचायत, नगर पालिका, महापालिका वार्ड नगर निगम में नागरिक रजिस्टर पर जन्म मृत्यु और मतदान की आयु प्राप्त करने वालों को मताधिकार प्रदान करने की प्रक्रिया यदि निरंतर चलाई जाए तो इस कार्य में जुटे किसी भी कर्मचारी अथवा अधिकारी पर न तो अतिरिक्त मानसिक दबाव पड़ेगा और न ही कोई अतिरिक्त व्यय होगा।

ओमकार सिंह रघुवंशी
अधिवक्ता

लोकतंत्र को स्वस्थ रखना हम सभी का दायित्व है। इसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक से इसमें योगदान की अपेक्षा की जाती है। प्रत्येक नागरिक को मतदान के प्रति जागरूक होना ही चाहिए और मतदान न करने वालों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। कुछ बुद्धिजीवी तर्क देते हैं कि वोट देना या न देना, उनका मौलिक अधिकार है, तो उनसे निवेदन है कि वे नकारात्मकता को त्याग कर अपने वोट देने को ही मालिक अधिकार मानें।

चुनाव में भाग लेने वाले सभी राजनीतिक दल राजनीतिक व जातीय समीकरण के आधार पर अपना प्रत्याशी उतारते हैं और कभी-कभी तो ऐसा भी देखा गया है कि मतदाता को कोई भी प्रत्याशी चुने जाने के योग्य नहीं लगता, तो उसका चुनाव में भाग लेने का रुझान ही नहीं रहता और वह मतदान से दूर रहकर अपनी हताशा को जाहिर करता है। चुनाव आयोग ने ऐसे लोगों की मनोदशा का आकलन करने से लिए 'नोटा' का विकल्प दिया।

नोटा के विकल्प से यह तो पता चला कि क्षेत्र विशेष में कितने मतदाता किसी प्रत्याशी को चुने जाने के योग्य नहीं समझते, लेकिन नोटा का मत व्यक्त करने वालों को नजरअंदाज कर डाले गए मतपत्रों की गणना के आधार पर बहुमत पाने वाले प्रत्याशी को चयनित घोषित कर दिया जाता है। इस तरह नोटा का कोई अर्थ ही नहीं है, तो ऐसा मतदाता लाइन में अपनी बारी का इंतजार कर मतदान करे ही क्यों?

अंतरशक्तियों के जागरण से मीरा अमृत की तरह पी गईं जहर

भक्तिकाल की कवयित्री तथा संतों की सूची में 'मीराबाई' का नाम शामिल है। मीरा थीं तो राजघराने की, लेकिन मीरा की स्थिति-परिस्थिति देखकर तो प्रतीत होता है कि उनमें शिवत्व का वास था, क्योंकि धर्मग्रंथों में विष का संबंध या तो देवाधिदेव शिव से मिलता है या मीरा से। जहां देव-समूह की रक्षा के लिए शिवजी बड़े आह्लाद के साथ विषपान करते हैं, वहीं कृष्ण की भक्ति के बल पर उन्हें विष दिया गया, तो उसे उसमें देव-तत्व का अमृत मिलाकर मीरा पी गईं।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

मीरा के जीवन का इतिहास है कि उच्चस्तरीय परिवार में उनका विवाह हुआ। राजमहल में रहने वाली मीरा पर जन्म-जन्मांतर की भक्ति का असर था, लिहाजा वह जोगन (योगी) बन गईं। इस कथ्य पर गौर किया जाए तो मनुष्य का शरीर किसी राजमहल से कम नहीं है। इस महल में दस द्वार और सात झरोखे हैं। द्वार के रूप में दस ज्ञानेंद्रियां और कर्मेन्द्रियां हैं तो सात झरोखों में मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुर, अनहत, विशुद्ध, आज्ञा और सहस्रार चक्र शामिल हैं।

मीरा का जोगन बनना यह प्रमाणित करता है कि बाह्यजगत के बजाय अंतर्जगत में स्थित होकर इन चक्रों को उन्होंने जागृत कर लिया। योग दर्शन में इन चक्रों को साधने को ही कुंडलिनी जागरण भी कहते हैं। मीरा के अत्यंत प्रचलित भजन में एक पद 'महलों में पली बन के जोगन चली, मीरा गली गली हरि गुण गाने लगी...' का उल्लेख है, जिसका सीधा अर्थ है कि मीरा ने अंतर्जगत में स्थित आह्लाद रूप में स्थित ईश्वरीय शक्तियों से जब संबंध बनाया तो शरीर की नस-नाड़ियों के रूप में जितनी गलियां हैं, सब से गोविंद शब्द स्वतः निकलने लगा।

योग की सिद्धि में रोम-रोम से 'ऊँ' और 'राम' की गूंज होने लगती है। इसी 'राम' गूंज को डाकू जीवन जी रहे रत्नाकर को महर्षि नारद ने बताया और इसकी साधना कराई तो डाकू प्रवृत्ति छूट गई तथा ऋषित्व भाव जागृत हो गया। फिर तो वाल्मीकि होकर रामायण की रचना की तथा प्रथम कवि कहलाए।

मीरा की अंतरशक्तियों के जागरण का यह परिणाम रहा कि वह जहर को अमृत की तरह पी तो गईं ही, साथ ही समुद्र के खारापन को दूर करने के लिए मीठी सरिता का मिलन करा दिया।

कंपनियों के 'लचीलेपन' से दबाव में काम कर रहे कर्मचारी

दफ्तर अब चहारदीवारों तक सीमित नहीं रह गए हैं। कभी कंप्यूटर स्क्रीन के सामने, तो कभी फोन के कैमरे पर, तो कभी घर के डाइनिंग टेबल पर ही मीटिंग शुरू हो जाती है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी क्रांति और कारोबारी प्राथमिकताओं के बदलते समीकरण ने नौकरी और करियर की दुनिया को बिल्कुल नई शक्ल दी है। एक पीढ़ी पहले जिन अवसरों की कल्पना भी मुश्किल थी, वे आज दरवाज़े पर दस्तक दे रहे हैं, लेकिन इस उजली तस्वीर के पीछे एक साया भी है। लगातार बढ़ता दबाव, अस्थिरता का डर और वह असर, जो हमारे जीवन के बाकी हिस्सों तक पहुंच रहा है।

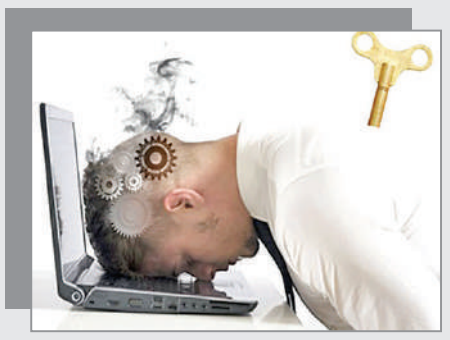

कभी 'पक्की नौकरी' सुनकर मन में एक सुकून उतर आता था। आज यह शब्द बहुतों के लिए बीते समय की कहानी हो चुका है या मूल रूप से सरकारी नौकरियों के संदर्भ में ही उचित लगता है। स्थायी पदों की जगह अब ठेका, कॉन्ट्रैक्ट, आउटसोर्सिंग और गिग वर्कर ने ले ली है। कंपनियां इसे 'लचीलापन' कहती हैं, लेकिन इस लचीलेपन की कीमत कर्मचारी अपने भविष्य की अनिश्चितता और लगातार बढ़ते दबाव से चुकाते हैं। हर समय यह चिंता साथ रहती है, कहीं प्रदर्शन में कमी न रह जाए, कहीं पद न चला जाए। शहरों में लाखों लोग ऊंची डिग्री लेकर भी ऐसे काम कर रहे हैं, जो उनके ज्ञान और योग्यता से मेल नहीं खाते, जबकि दूसरी तरफ़ कंपनियां कहती हैं कि उन्हें सही कौशल वाले लोग नहीं मिल रहे। यह असंगति न केवल नौकरी के आनंद को कम करती है, बल्कि आत्मविश्वास को भी चोट पहुंचाती है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर
मथुरा

दफ्तर के माहौल में भी बदलाव साफ़ है। अब समय पर काम पूरा करना 'बेसिक' है। असली अपेक्षा है हर वक्त उपलब्ध रहना, हर संदेश का जवाब तुरंत देना और हर कॉल उठाना। चाहे वह रात हो या छुट्टी का दिन। वर्क-फ्रॉम-होम और तेज़ डिजिटल कनेक्टिविटी ने काम को घर का स्थायी मेहमान बना दिया है। जो मोबाइल और ईमेल कभी सुविधा के प्रतीक थे, अब दबाव के प्रतीक बन चुके हैं।

कहानी यहीं खत्म नहीं होती। इसका असर हमारे परिवार, रिश्तों और सामाजिक जीवन तक जाता है। क्वालिटी ऑफ वर्क लाइफ का मतलब सिर्फ़ अच्छा वेतन या सुविधाजनक दफ्तर नहीं है। इसमें शामिल है सम्मानजनक माहौल, प्रबंधन का व्यवहार, सीखने और आगे बढ़ने के मौके और सबसे अहम, निजी समय का सम्मान। जब काम की मांग इन सब पर हावी हो जाती है, तो घर के दृश्य भी बदल जाते हैं। बच्चों के साथ खेलने का वक़्त, बुजुर्ग माता-पिता की बातें सुनने का सुकून, पति-पत्नी के बीच का खुला संवाद, दोस्तों से मिलने-जुलने का मौका, सब धीरे-धीरे सिमटने लगता है।

दुनिया में इस प्रवृत्ति को बदलने की कोशिशें हो रही हैं। फ्रांस और स्पेन में 'राइट टू डिस्कनेक्ट' कानून है, जो कर्मचारियों को कार्य समय के बाद डिजिटल रूप से अलग रहने का अधिकार देता है। जापान में 'प्रोडक्टिविटी विद वेल-बीइंग' मॉडल पर काम हो रहा है, जिसमें कर्मचारियों का स्वास्थ्य कंपनी की प्रतिस्पर्धा का हिस्सा माना जा रहा है। आइसलैंड और ब्रिटेन में 'फोर डे वीक' के प्रयोग से पता चला कि कार्य-दिवस कम करने से उत्पादन और रचनात्मकता घटती नहीं, बल्कि कई बार बढ़ती है।

भारत के लिए यह चर्चा और भी अहम है, क्योंकि यहां कार्यबल का बड़ा हिस्सा युवा हैं और देश की आर्थिक रफ्तार इन्हीं कंधों पर टिकी है। ऐसे में वर्क-लाइफ़ बैलेंस का सवाल सिर्फ़ कर्मचारियों की सुविधा का नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की आर्थिक स्थिरता का है। समाधान के तीन बड़े स्तंभ हैं, शिक्षा और उद्योग के बीच कौशल का मेल, श्रम नीतियों में स्पष्ट और मानवीय सीमाएं और कंपनियों में कर्मचारी कल्याण को प्राथमिकता देना, लेकिन बात केवल नीतियों तक सीमित नहीं है। असली बदलाव तब होगा जब दफ्तर की संस्कृति बदले, प्रबंधन की सोच में परिपक्वता आए और कर्मचारियों के समय और ऊर्जा का सम्मान किया जाए। संतुलन सिर्फ़ व्यक्तिगत आदत नहीं है, यह उस पूरे माहौल का परिणाम है जिसमें व्यक्ति काम करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

इस सर्दी ट्रेंड में रहेंगे ये
ड्रीमी हेयर कलर

सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है। इस मौसम में वूमेन फैशनेबल गर्म कपड़ों पर खूब ध्यान देती हैं, लेकिन हेयर कलर को लेकर वह ज्यादा नहीं सोचतीं। यह आपको एक नया और शानदार लुक देने का भी सही समय है। इस सर्दी में हेयर कलरिंग की दुनिया में कुछ रोमांचक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस बार सारा जोर ऐसे रंगों पर होगा, जो आपके प्राकृतिक रूप को निखारते हुए शानदार लुक दें। इस सीजन के ट्रेंड्स गहरे, चमकदार रंगों के साथ ही सोच-समझकर किए गए फ्यूजन पर होगा। हेरिटेज गोल्ड (सर्दियों की धूप से प्रेरित) से लेकर गॉथिक ब्रुनेट तक, हर किसी के लिए एक नया हेयर कलर है।

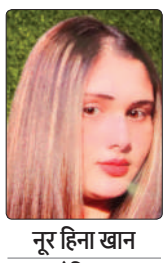

नूर हिना खान
लेखिका

ख्याल रखने वाली बातें

सर्दियों के महीनों में रंगीन बालों को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है, ताकि वे स्वस्थ और जीवंत बने रहें।

- अपने बालों के रंग को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए सल्फेट-मुक्त शैंपू और कंडीशनर का उपयोग करें।
- सर्दियों की शुष्क हवा बालों को सुखा सकती है। हाइड्रेटिंग हेयर मास्क और तेलों का नियमित रूप से उपयोग करें।
- अत्यधिक हीट स्टाइलिंग से रंग फीका पड़ सकता है और बाल खराब हो सकते हैं। हीट प्रोटेक्टेंट स्प्रे का उपयोग करें और कम तापमान पर स्टाइल करें।

गोल्डन स्ट्रॉबेरी ब्लोंड

यह एक ऐसा हेयर कलर है, जिसकी चमक और धूप वाली वाइब्स की वजह से कुछ ऐसा लुक आता है, जो सर्दियों के फीके महीनों को चटख बना देगा। यह शेड ब्लोंड की चमक को कॉपर वार्मथ के साथ मिलाता है, जिससे एक ग्लोइंग लुक मिलता है, जो फ्रेश लगता है। यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है, जो वार्मथ और डेप्थ चाहते हैं, या उन ब्रुनेट्स के लिए जो थोड़ा लाइटर होना चाहती हैं। बस गोल्डन कॉपर अंडरटोन या फेस-फ्रेमिंग पीस वाला वार्म हनी बेस मांगें।

हेरिटेज गोल्ड

यह हेयर कलर ट्रेंड पुराने ज़माने से लिया गया है। यह एक हल्का ब्लॉन्ड है, जो रेट्रो और नॉस्टैल्जिक लगता है, फिर भी फ्रेश है। ठंडे महीनों के लिए यह एकदम सही है। यह हल्की गर्माहट देता है। यह नेचुरल ब्लॉन्ड या ब्रुनेट के लिए सबसे अच्छा काम करता है, जो डेप्थ और मीडियम कंट्रास्ट बनाए रखते हुए मैच्योर, एलिगेंट तरीके से गर्माहट जोड़ना चाहते हैं। अपने कलरिस्ट से हाइलाइट्स के बाद म्यूट गोल्डन बैलेज या वार्म ग्लॉस लगाने के लिए कहें, ताकि आपके बालों में रिचनेस वापस आ सके।

म्यूटेड मिड

म्यूटेड मिड असल में सॉफ्ट, न्यूट्रल-वार्म शेड्स जो ब्लॉन्ड, ब्रुनेट और कॉपर के बीच आते हैं, सबसे ऊपर रहेंगे। यह सभी हालिया ट्रेंड्स का एक फ्यूज़न है, लेकिन जानबूझकर हल्का और बिना किसी शर्त के। इस तरह के शेड्स कम मेंटेनेंस वाले, वर्सेटाइल और शानदार होते हैं। बस अपनी पसंद के शेड के लिए एक नेचुरल मिट्टी जैसा अंडरटोन मांगें और इसे ग्लॉसिंग ट्रीटमेंट से बनाए रखें, ताकि फिनिश रिफाइंड रहे और रंग चमकदार और खास दिखे।

मशरूम मोका

यह अर्थियर शेड एक कूल-न्यूट्रल ब्लेंड है, जो डायमेंशन जोड़ता है और ब्रुनेट बालों को एक क्लासी लुक देता है। यह कई तरह की स्किन टोन पर अच्छा लगता है और आसानी से बढ़ता है, जिससे यह उन लोगों के लिए परफेक्ट है, जो कम मेंटेनेंस वाला कलर चाहते हैं। आप अपने कलरिस्ट से पूरे बालों में ऐश बैलेज के साथ एक न्यूट्रल ब्रुनेट बेस मांगें। इससे मोचा-टोंड ट्रांजिशन में आसानी होगी।

हनी बटर ब्लोंड

हनी बटर ब्लोंड सर्दियों में छा जाने वाला है, क्योंकि वार्म, क्रीमी शेड्स आखिरकार फिर से स्पॉटलाइट में आ रहे हैं। इस शेड को सॉफ्ट कैंडललाइट ग्लो से डिफाइन किया जाता है, जो मूडी मौसम में बालों में चमक और शाइन लाता है। लुक पाने के लिए, अपने कलरिस्ट से वार्म-न्यूट्रल ब्लोंड के लिए कहें, जिसमें हल्का गोल्डन डायमेंशन और ग्लॉसी फिनिश हो, ताकि बटर जैसी गर्माहट बढ़े।

चेरी कोला ब्रुनेट

चेरी कोला ब्रुनेट इस सर्दी में खास तौर से देखने लायक शेड है। यह सब चेरी टोन की गहरी और हल्के हिंट की वजह से है। यह गहरे बालों को बिना पूरी तरह लाल हुए एक मूडी, पॉलिश्ड ग्लो देता है, जो इसे उन ब्रुनेट्स के लिए एक बढ़िया ऑप्शन बनाता है, जो कुछ नया चाहती हैं। अच्छी बात यह है कि चेरी कोला ब्रुनेट सभी पर सूट करता है। अपने स्टाइलिस्ट से डीप ब्रुनेट बेस के लिए कहें, जिसे सॉफ्ट वायलेट-रेड लोलाइट्स या चेरी-टोंड ग्लॉस से बेहतर बनाया गया हो, ताकि कोला जैसी रिचनेस मिल सके।

गॉथिक ब्रुनेट

गॉथिक ब्रुनेट शेड उन लोगों के लिए सबसे अच्छा काम करता है, जिनका बेस नैचुरली डार्क होता है। आप अपने कलरिस्ट से एस्प्रेसो या ब्लैक चेरी-टोंड ग्लॉस मांगें, ताकि आपका नैचुरल कलर एक या दो शेड और गहरा हो जाए। बाल जितने डार्क होंगे, लाइट में उतने ही ग्लॉसी दिखेंगे।

मॉडल आफ द वीक

नामः आंचल स्वरूप

टाउनः कानपुर

एजुकेशनः स्नातक

अचीवमेंटः मिस ग्लैम ऑफ उत्तर प्रदेश 1st रनर अप

ड्रीमः प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जिंदगी का सफर

बॉलीवुड के हीमैन 'गरम धरम'

धर्मेंद्र सिंह देओल बॉलीवुड के 'हीमैन' थे। फिल्मों में उनके गुस्से से भरी खास डायलॉग डिलीवरी की वजह से ही उन्हें 'गरम धरम' भी कहा जाता था। वह भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली अभिनेताओं में से एक थे। पंजाब के एक छोटे से गांव से आकर फिल्मी दुनिया में आला मुकाम बनाना उनकी दृढ़ता और जुनून की कहानी है।

धर्मेंद्र का जन्म आठ दिसंबर, 1935 को पंजाब के लुधियाना जिले के नसराली गांव में हुआ था। उनके पिता, केवल कृष्ण सिंह देओल, सरकारी स्कूल में हेडमास्टर थे। धर्मेंद्र ने अपनी मैट्रिक तक की पढ़ाई पंजाब में ही पूरी की। बचपन से ही उन्हें फिल्मों का शौक था और दिलीप कुमार की फिल्म 'शहीद' देखकर उन्होंने अभिनेता बनने का सपना देखा। अपने सपने को पूरा करने के लिए, वह फिल्मफेयर की 'न्यू टैलेंट' प्रतियोगिता में चुने जाने के बाद मुंबई आ गए।

मुंबई में शुरुआती संघर्ष के बाद, धर्मेंद्र ने 1960 में फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। 1960 के दशक में उन्होंने रोमांटिक हीरो की भूमिकाएं निभाईं, लेकिन 1970 के दशक में वह एक्शन हीरो के रूप में उभरे। उनकी बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें हर तरह की भूमिकाओं में चमकने का मौका दिया।

धर्मेंद्र के करियर में मील का पत्थर साबित हुई 1975 की ब्लॉक बस्टर फिल्म 'शोले'। इसमें 'वीरू' का उनका किरदार आज भी अमर है। उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया, जिनमें 'सत्यकाम', 'चुपके चुपके', 'यमला पगला दीवाना' जैसी कई सफल फिल्में शामिल

हैं। धर्मेंद्र ने आखिरी समय तक अभिनय नहीं छोड़ा था। उनके निधन के बाद उनकी आखिरी फिल्म रिलीज होगी। उसका नाम है 'इक्कीस'। उन्हें 1997 में भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा साल 2012 में उन्हें भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया था।

धर्मेंद्र ने दो शादियां कीं। उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर हैं, जिनसे उन्हें सनी देओल, बॉबी देओल और दो बेटियां हैं। बाद में, उन्होंने अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी की, जिनसे उनकी दो बेटियां ईशा और अहाना देओल हैं। अभिनय के अलावा, वह एक सफल निर्माता और राजनीतिज्ञ भी रहे। उन्होंने 2004 से 2009 तक बीकानेर से संसद सदस्य के रूप में कार्य किया।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश गोयल से बातचीत

बरेली का औद्योगिक विकास तभी जब होगा 'साफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क'

निरंतर उन्नति कर रही बरेली में बीते एक दशक में चिकित्सा, शिक्षा व खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। इन क्षेत्रों में आगे भी खूब विकास होगा, साथ ही, इंजीनियरिंग व खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में भी इजाफा होगा, पर इसके लिए यहां 'साफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क' की बहुत जरूरत है। ऐसा इसलिए है कि यहां के उद्यमियों व उद्यमों में कार्यरत श्रमिकों को समुचित डिजिटल तकनीक का जानकारी नहीं मिल पा रही है। अगर सरकार इसकी व्यवस्था करेगी, तो विकास की दौड़ में बरेली बहुत आगे होगी। इस शहर में पारंपरिक जरी जरदोजी व एग्रो आधारित प्लाईवुड का कारोबार भी बढ़ेगा। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश गोयल का कहना है कि बुनियादी सुविधाओं में बगैर बदलाव के विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकेगा। उद्योगों के विकास पर फोकस करते हुए वे कहते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के युग में उद्यमियों व उद्योगों में कार्यरत लोगों को बेहतर तकनीकी ज्ञान व प्रशिक्षण मिलेगा, तभी हम चीन व जापान जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा की स्थिति में पहुंच पाएंगे। औद्योगिक विकास के लिए 'डिटिजल नॉलेज' वाले युवाओं की बहुत जरूरत है, ताकि उद्यमियों को ऐप समेत अन्य तकनीकी सुविधाएं मिल सकें। अध्यक्ष ने सवाल उठाते हुए कहते हैं कि मोबाइल के पार्ट बाहर से क्यों निर्यात कर रहे हैं। स्वदेश में क्यों नहीं तैयार किये जा रहे हैं। हमें लागत को कम कर 'प्रतिस्पर्धी' बनने की जरूरत है।

चीन व जापान से सीख लेने की जरूरत

भारत व चीन एक समय बराबर पर रहे हैं, पर बीते वर्षों में चीन ने अपनी 'मेगा पॉलिसी' के जरिये तरक्की की। उन्होंने उद्योगों के लिए संपूर्ण बुनियादी ढांचा बनाकर दिया। आईआईए के अध्यक्ष का कहना है कि हमें इन देशों से सीख लेने की जरूरत है। उद्योगों के बुनियादी ढांचे की 'कास्ट' अगर कम होगी, तभी उत्पाद सस्ते होंगे और हम चीन जैसे बाजार से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। चीन में प्रति व्यक्ति उत्पादन सस्ता है। 'वेंडरिंग' सरल है। चीन में उत्पादों की अच्छी मार्केटिंग होती है। ऐसा भारत व उत्तर प्रदेश में भी होना चाहिए। उद्यमियों को वैश्विक बाजार से प्रतिस्पर्धा करने के लिए हर स्तर पर सुरक्षा की जरूरत है।

गांव-गांव के बजाय लगाए जायं एक जगह उद्योग

गांव-गांव के बजाय एक ही क्षेत्र में उद्योग लगाये जायं तो इससे बुनियादी खर्चा बचेगा और उत्पाद सस्ते होंगे। चारों से ओर से लगभग 250 किलोमीटर दूरी पर स्थित बरेली में अच्छे 'फीचर' डालने होंगे। प्रदेश के औद्योगिक विकास के विजन-2047 में बरेली की भूमिका अहम होगी। सांस्कृतिक व पर्यटन के क्षेत्र में यहां बहुत संभावनाएं हैं। पर एकीकृत विकास जरूरी है। सूचना तंत्र का विकास भी बहुत आवश्यक है। होटल मैनेजमेंट की तरह आईटीआई के छात्रों को उनके संस्थान में रोजगार देना उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इससे उन्हें रोजगार मिलेगा, साथ ही, वे उद्योगों की जरूरत से अनुसार वे तैयार हो सकेंगे।

उद्यमियों को उपलब्ध नहीं कराया जा रहा डाटा : विकास के लिए 'नियोजित प्लान' की जरूरी है तो उसके लिए समुचित डाटा भी होना चाहिए। बरेली में उद्योगों के पास विकास के लिए समुचित डाटा नहीं है। सरकार भी डाटा उपलब्ध नहीं करा रही है। बरेली में विकास के 35000 करोड़ के एमओयू हुए, जिसमें सात हजार करोड़ के कार्य लागू हो सके हैं। बाकी फिलहाल नजर नहीं आ रहा है, जबकि जीएसटी देने के मामले में प्रयागराज मंडल पहला है तो बरेली पांचवें स्थान पर है।

परिवहन के लिए शुरू किये जायं रिवर पोर्ट : आईआईए के अध्यक्ष का कहना है कि मान्यताप्राात औद्योगिक संगठनों में कार्यालयों में सरकार को 'नॉलेज बैंक' स्थापित करना चाहिए, साथ ही, माल की बेहतर परिवहन व्यवस्था के लिए राज्य सरकार को 'रिवर पोर्ट' शुरू करना चाहिए। अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने राज्य सरकार को इस सिलसिले में सुझाव दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में रिवर पोर्ट शुरू करने की बात कही है। इससे माल के परिवहन व्यवस्था में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि विदेशों में उद्यमियों को प्राथमिकता देने के लिए राज्य सरकार को नोडल एजेंसी बनानी होगी। साथ ही, हमें विभाग के उद्योगों के कार्यालयों को सुसज्जित करना होगा।

साफ्टेवयर टेक्नालॉजी पार्क में होनी चाहिए बड़ी कंपनियां : जैसे प्रदेश के लिए 'साफ्टेवयर टेक्नालॉजी पार्क' का महत्व ज्यादा है, उसी तरह बरेली में यह पार्क बनाना होगा। इसके आपरेशन सिस्टम में बड़ी कंपनियों को आना होगा, ताकि 'जॉब' में आने वाले युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण दिया जा सके और इसका लाभ सभी लोगों को मिल सके। आईआईए के अध्यक्ष का कहना है कि आज हमें छोटे उद्योगों में तकनीकी सिस्टम को चलाने के लिए 'वर्क फोर्स' की जरूरत है, पर वह उपलब्ध नहीं है। युवा एनसीआर या अन्य बड़े शहरों में चले जा रहे हैं। जो 'स्किल' पैदा हो रहा है, उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके लिए जरूरी है कि हम उन्हें स्थानीय उद्योग से जोड़कर रखें।

तो अच्छा हो सकता था प्लास्टिक उत्पादन : बरेली हमेशा से केमिकल व सिंथेटिक उद्योग के लिए जानी जाती है, इस कारण इसके पुराने जानकार भी यहां उपलब्ध हैं, आज अगर बुनियादी ढांचा होता, तो अच्छा प्लास्टिक उत्पादन हो सकता था। इन चीजों का 'क्लस्टर' दे पाते। उनका कहना है कि मेडिकल उपकरण बहुत सा पार्ट केमिकल पर आधारित है, उन चीजों का उत्पादन कर सकते हैं। पूरे प्रदेश में भेज सकते हैं, इसके लिए डाटा सेंटर, कंसल्टेंट व तकनीकी ज्ञान रखने वाले लोगों की जरूरत है।

उद्योगों के विकास के लिए मीडिया की अहम भूमिका : उद्योगों के विकास में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। मीडिया पारदर्शिता के साथ जागरूकता फैलाने का कार्य करता है। इसी से चीजें आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि क्रांति तो इसी से आ सकती है। वीडियो व प्रिंट मीडिया के स्वरूप को लेकर उन्होंने कहा कि डिजिटल तो जरूरी है, पर प्रिंट बहुत जरूरी है, क्योंकि 'प्रिंट मीडिया' ही सही तथ्य प्रस्तुत करता है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

दुनिया को लुभा रहे बरेली के बांस-बेंत के फर्नीचर

बरेली को यू ही बांस बरेली नहीं कहते। यहां के बने बांस-बेंत के फर्नीचर ने धाक जमा रखी है। कारोबारियों के मुताबिक यहां बने बांस-बेंत के फर्नीचर यूरोप, फिलिपींस, डेनमार्क सहित अन्य देशों को भी निर्यात हो रहे हैं। बांस और बेंत से बरेली में अनेक आकर्षक व उपयोगी वस्तुएँ बनती हैं। कुर्सियां, टेबल, सोफ़ा, बेड, स्टूल, रैक, शेल्फ़, झूला, बेबी क्रेडल,ट्रे, लैम्प, होम डेकोर आइटम, कैफ-रिसॉर्ट के लिए थीम आधारित सेट, फूलदान और सजावटी शोपीस, टोकरी, डलिया और स्टोरेज बॉक्स, फाउंटेन, शेड, गार्डन डेकोरेशन व अन्य वस्तुएं यहां के कारगर बनाते हैं।

आसाम, त्रिपुरा से मंगाते हैं बांस : कारोबारी खालिद ने बताया कि आसाम, त्रिपुरा से बांस मंगवाया जाता है। सरकार बांस की खेती को प्रोत्साहन दे रही है। मिशन बैंबू के तहत नवाबगंज और फतेहगंज पश्चिमी के किसान बांस की खेती कर रहे हैं। कुछ साल में ये बांस तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि बांस से हर तरह का फर्नीचर नहीं बना सकते। क्योंकि ये अंदर से खोखला होता है। बेंत से हर तरह का फर्नीचर तैयार किया जा सकता है। बेंत का फर्नीचर ज्यादा लुभावना होता है। बरेली के पुराना शहर से लेकर सीबीगंज, पदारथपुर, ठिरिया, उड़ला जागीर, आलमपुर, गरगटा, फतेहगंज पश्चिमी, नवाबगंज के गांवों में बांस-बेंत के फर्नीचर बनाने का काम पीढ़ियों से हो रहा है।

बेहतरी के प्रयास : बांस- बेंत के काम को और निखारने के लिए बरेली में कई तरह के कॉमन फैसिलिटी सेंटर बनाए गए हैं। इसमें किसानों का बांस खरीद कर कंपनियों के माध्यम से बांस के आभूषण, गृह सज्जा, फर्नीचर जैसे तमाम वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया जाने लगा। कारीगरों को प्रशिक्षित करने के लिए आसाम, त्रिपुरा से प्रशिक्षक बुलाए जाते हैं।

घरों में होता है बेंत का काम

फर्नीचर कारोबारी खालिकिन नूर ने बताया कि छोटे कारखानों और घरों में बेंत का काम होता है। कोई कारीगर सोफा, कुर्सी, स्टूल जैसे फर्नीचर बनाने में उस्ताद होता है तो कोई सजावटी सामान में। इसीलिए अलग-अलग कारीगरों से सामान तैयार करवाते हैं। राज्य के कई शहरों के अलावा दूसरे प्रदेशों में भी माल जाता है।

लकड़ी के फर्नीचर का जलवा

बरेली लकड़ी के फर्नीचर की बहुत बड़ी मंडी है। सैकड़ों दुकानें-शोरूम यहां के फर्नीचर की कहानी सुनाते हैं। यह शहर अपने फर्नीचर की गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। फर्नीचर की लंबी रेंज ग्राहकों को उनकी जरूरत के अनुसार चुनने की सुविधा देता है। स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए बेहतरीन फर्नीचर के साथ अब शहर में ब्रांडेड फर्नीचर के भी शोरूम बड़ी संख्या में खुले हैं।

गुणवत्ता के साथ बनाते हैं डिजाइन

बरेली फर्नीचर डीलर ऐसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप गोयल कहते हैं कि बरेली के फर्नीचर की सबसे बड़ी खासियत है गुणवत्ता। हम ग्राहक के मनमुताबिक डिजाइन तैयार करवाते हैं, साथ ही गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हैं। यही भरोसा बरेली के फर्नीचर बाजार को खास बनाता है। बरेली में बना फर्नीचर आसपास जिलों के अलावा उत्तराखंड समेत दूसरे कई प्रदेशों में जाता है।

मशक्कत से मिला ओडीओपी

ऐसोसिएशन के महामंत्री सौरभ गर्ग भी बरेली के फर्नीचर को खास बताते हैं। वह कहते हैं कि पूरे उत्तर प्रदेश में बरेली से बड़ी फर्नीचर की मंडी नहीं। यहां सैकड़ों छोटे-बड़े प्रतिष्ठान हैं। दिल्ली बहुत बड़ी मंडी है। लेकिन वहां भरोसे की कोई गारंटी नहीं। आप मांगेंगे कुछ, दिखाया जाएगा कुछ और घर पहुंचेगा कुछ और। हमारी सबसे बड़ी पूंजी ही ग्राहकों का विश्वास है। उन्होंने बताया कि एक जनपद एक उत्पाद योजना में फर्नीचर को शामिल कराने के लिए हमें बहुत मशक्कत करनी पड़ी। आडीओपी मिलने से इस कारोबार से जुड़े करोबारियों सहित हजारों कारीगरों को फायदा मिलेगा। वित्तीय सहायता, कौशल विकास, ब्रांडिंग और प्रचार के अलावा रोजगार सृजन होगा।

नई अर्थव्यवस्था का मजबूत केंद्र बरेली

परंपरा बदली, पहचान नहीं

बरेली। एक समय था जब कुमाऊं की रोजमर्रा की जरूरतों की सबसे बड़ी सप्लाई बरेली से ही पूरी होती थी। हल्द्वानी, काठगोदाम, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ तक हर तरह का सामान अनाज, कपड़ा, दवाइयां, मसाले, निर्माण सामग्री बरेली की मंडियों से ही निकलता था। पहाड़ों की रोजमर्रा की जरूरतें, निर्माण सामग्री, कपड़ा, दवाइयां, मसाले, अनाज, मशीनरी और उपभोक्ता वस्तुएं बरेली की मंडियों से ही निकलकर काठगोदाम और हल्द्वानी होते हुए पहाड़ों तक पहुंचती थीं। लंबे समय तक यह संबंध इतना मजबूत था कि बरेली को कुमाऊं की आर्थिक जीवन-रेखा तक कहा जाता था।

वर्ष 2000 में जब उत्तराखंड राज्य का गठन हुआ, तो वह पुरानी व्यापारिक परंपरा में बदलाव आने लगा, जिसके बाद कुमाऊं के बाजार अपने नए व्यापारिक केंद्र खोजने लगे और व्यापार का एक बड़ा हिस्सा बरेली की पकड़ से दूर चला गया। कई लोगों को लगा कि इससे बरेली की बाजार पहचान कमजोर हो जाएगी। लेकिन बरेली की असली ताकत केवल उसकी भौगोलिक स्थिति नहीं, बल्कि उसकी अनुकूलन क्षमता है। बरेली ने अपनी पहचान बनाए रखने के लिए नए क्षेत्रों में खुद को और मजबूत किया। आज यह शहर फिर से पश्चिम यूपी की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार बनकर उभर रहा है।

एक समय था जब कुमाऊं के व्यापारिक केंद्र हल्द्वानी और काठगोदाम बरेली की मंडियों पर निर्भर थे। पहाड़ों में निर्माण कार्य से लेकर त्योहारों और शादी-विवाह की सजावटी चीजें, हर तरह का सामान बरेली से जाता था। इस अवधि में बरेली की ग्रेन मंडी, खैराती लाल मार्केट, सर्राफा मार्केट, सिविल लाइन्स और कोहाड़ापीर जैसे इलाकों की गिनती उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण व्यावसायिक क्षेत्रों में होती थी। सामान की खरीद-फरोख्त का रूटीन इतना तयशुदा था कि बरेली के बाजारों पर कुमाऊं की मांग सीधा असर डालती थी। पहाड़ों के लोगों का बरेली सिर्फ व्यापार के लिए नहीं, बल्कि रोजगार, शिक्षा, खरीदारी और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आना आम था।

उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद दो बड़े बदलाव हुए। पहला प्रशासनिक और कर व्यवस्था का बंटवारा हुआ और दूसरा कुमाऊं में व्यापारिक केंद्रों का विकास होने लगा। नई राज्य सरकार ने हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर और पंतनगर जैसे क्षेत्रों को विकसित किया। इससे स्वाभाविक रूप से बरेली पर निर्भरता घटने लगी। पहले जहां पहाड़ों की जरुरत के लिए हर बड़े व्यापारी को बरेली का रुख करना पड़ता था, वहीं अब हल्द्वानी और रुद्रपुर में ही बड़े गोदाम, मंडियां और कारोबारी प्रतिष्ठान बनने लगे। टैक्स संरचना बदलने से बरेली से माल भेजना अब पहले जैसा सहज नहीं रह गया। इन कारणों से बरेली का वह पारंपरिक एकाधिकार धीरे-धीरे टूटने लगा। यह बदलाव पूरी तरह स्वाभाविक था। कुमाऊं का बाजार बरेली से काफी दूर होता चला गया। लेकिन बरेली की असली क्षमता इसी मोड़ पर सामने आई। शहर ने बदलते समय के साथ खुद को ढाल लिया और नए क्षेत्रों में व्यापारिक विकास की राह को तलाशना शुरू किया और एक नई रफ्तार के साथ नई ऊंचाई पाया। बरेली की पुरानी मंडियों ने खुद को आधुनिक व्यापारिक जरूरतों के अनुसार ढाला। अनाज, फल-सब्जी और किराना व्यापार आज भी क्षेत्र में मजबूत स्तंभ हैं। इसके अलावा कपड़ा और सर्राफा बाजार का फैलाव बरेली को पश्चिम यूपी का प्रमुख रिटेल और थोक केंद्र बनाए रखता है।

उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद बरेली के व्यापार में 20 से 25 प्रतिशत की गिरावट आई। समय के साथ बरेली ने नए केंद्रों की खोज की और खुद को भी बदला लेकिन अपनी परंपरा से दूर नहीं हुआ। बरेली आसपास के सभी नए बाजारों की खोज की और उनमें अपनी गहरी पैठ बनाकर अपनी व्यापारिक क्षमता को साबित किया। **- राजेश जसोरिया, संयुक्त महामंत्री, उप्र उद्योग व्यापार मंडल**

पहले उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड एक थे, तब हमारा काम एक ही सिस्टम से होता था। उस समय काम आसान था, लेकिन नए ग्राहकों तक पहुंच सीमित थी। जब उत्तराखंड राज्य बना तो हमें दोनों जगहों पर अलग-अलग काम बढ़ाने का मौका मिला। अब हमारे पास दोनों राज्यों के लिए सप्लाई चैन, तेज डिलीवरी मौजूद हैं। **-रजत मल्होत्रा, सचिव, आईआईए, बरेली**

उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद से बरेली के सर्राफा करोबार में काफी बदलाव आया है, जहां कुमाऊं का मुख्य बाजार बरेली था वहीं आज बरेली अन्य क्षेत्रों के लिए भी बड़ा बाजार बन गया है। कुमाऊं को अलग हुए 25 साल हो गए, लेकिन अब भी कारोबार चल रहा है। बरेली ने खुद को बदला और नए बाजारों की तलाश की। **-संदीप अग्रवाल मिंटू, अध्यक्ष, ज्वेलर्स एंड बुलियन ए.**

25 साल पहले बरेली से अलग हुए उत्तराखंड के कपड़ों की जरूरतों को बरेली ही पूरा करता रहा, लेकिन उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद से यहां के कपड़ा कारोबार में गिरावट तो आई लेकिन दिल्ली और लखनऊ के मध्य होने से बरेली को अन्य स्थानों के व्यापारी मिले, जिससे कपड़ा उद्योग पर कोई विशेष असर नहीं पड़ा। **-दर्शनलाल भाटिया, चेयरमैन- उप्रदेश व्यापार मंडल और अध्यक्ष- रेडिमेड** गारमेंट

परंपरा और आधुनिकता का मेल

बड़े बाजार से मॉल तक की यात्रा

बरेली। उत्तर प्रदेश का शहर बरेली तेजी से बदलते व्यापारिक केंद्र का प्रतीक बन चुका है। सदियों पुरानी परंपराओं वाली गलियां जैसे बड़े बाजार, चौक, कोहाड़ापीर, इमामबाड़ा, कुतुबखाना और किला इलाका जहां कभी थोक व्यापार और मोलभाव की रौनक हुआ करती थी, वहां अब आधुनिक मॉल, ब्रांडेड शोरूम और डिजाइनर स्टोर्स का प्रचलन है। यह बदलाव केवल इमारतों या दुकानों का नहीं, बल्कि व्यापार की सोच, ग्राहकों की बदलती पसंद और समय के साथ विकसित बाजार के स्वरूप का पर्याय है। फिनिक्स मॉल, सिटी मॉल और डीडीपुरम रोड जैसे नए आर्थिक केंद्रों ने पुरानी पहचान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जहां खरीदारी अब सिर्फ जरूरत का माध्यम नहीं, बल्कि एक पूर्ण अनुभव बन चुकी है। बरेली का यह व्यापारिक सफर दर्शाता है कि परंपरा बदलती तो है, लेकिन मिटती नहीं बस नया रूप धारण कर लेती है। बड़े बाजार और चौक जैसी जगहें अभी भी सांस्कृतिक जड़ों का प्रतीक हैं, जबकि मॉल और ब्रांडेड स्टोर्स आधुनिकता का चेहरा। दोनों का संगम बरेली को 'संस्कृति और व्यवसाय का संतुलित शहर' बनाता है, जहां आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी झलकता है। यह यात्रा न केवल व्यापारियों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि पूरे समाज के अनुकूलन का जीवंत उदाहरण भी। भविष्य में बरेली और भी मजबूत व्यापारिक केंद्र के रूप में उभरेगा, जहां पुरानी यादें नई कहानियों को प्रेरित करती रहेंगी।

ज्वेलरी व्यापार : सोनारों की गलियों से डायमंड शोरूम तक : चौक और कोहाड़ापीर की तंग गलियों में दशकों तक सोना-चांदी की छोटी-छोटी दुकानें चमकती रहीं। यहां हाथ से बनी ज्वेलरी झूमके, हार और चूड़ियां न केवल व्यापार का आधार थीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा भी थी। लेकिन आधुनिकता की लहर ने इस क्षेत्र को भी नया रूप दे दिया है। अब तनिष्क, कल्याण ज्वेलर्स, पीएनजी और साराफा मार्केट जैसे ब्रांडेड शोरूम स्थानीय ज्वेलर्स को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। मशीन-कट डिजाइन्स, डायमंड सेक्शन और हॉलमार्क्ड गारंटी अब ग्राहकों की प्राथमिकता हैं। अब ग्राहक सिर्फ डिजाइन नहीं, बिल और वारंटी भी चाहता है, कोहाड़ापीर के एक सुनार ने कहा। यह परिवर्तन न केवल प्रतिस्पर्धा बढ़ा रहा है, बल्कि स्थानीय कारीगरों को भी नई तकनीकों अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। ज्वेलर्स एण्ड बुलियन एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल मिंटू ने बताया कि बरेली ने खुद को बदलते हुए परिवेश में बदला और प्राचीनता और परंपरा के साथ ही आधुनिकता को महत्व दिया। पहले जहां ज्वेलरी की छोटी दुकानें होती थी वहीं आज महानगर में कई बड़े ब्रांड के शोरूम में है। जिसने बरेली को एक अलग ही पहचान दी है।

मिठाई और बर्तन : स्वादिष्ट परंपरा से फ्यूजन सुविधा तक : बरेली की मिठाई रसगुल्ला, पेड़ा, लड्डू और बर्फी हमेशा से शहर की शान रही है। इमामबाड़ा रोड और सिविल लाइंस इलाकों में छोटे हलवाइयों की दुकानें स्वाद का खजाना हुआ करती थीं। लेकिन अब ब्रांडेड चेन जैसे छप्पन भोग, बिकानेरवाला और हल्दीराम ने बाजार में अपनी पैठ बना ली है। फ्यूजन स्वीट्स, ड्राय फ्रूट मिठाइयां और बेकरी प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ी है, जहां पैकिंग और प्रेजेंटेशन उतना ही महत्वपूर्ण है जितना स्वाद। स्वाद वही है, लेकिन पैकिंग और प्रेजेंटेशन में बड़ा बदलाव आया है। इसी तरह, बर्तन व्यापार में भी क्रांति आ चुकी है। किला रोड और डीडीपुरम इलाकों में पहले पीतल, तांबे और स्टील के पारंपरिक बर्तन बिकते थे। अब नॉन-स्टिक, माइक्रोवेव-सेफ, डिजाइनर क्रॉकरी और किचन सेट की दुकानें खूब फल-फूल रही हैं। यह बदलाव आधुनिक रसोई की जरुरतों को पूरा करता है, जहां सुविधा और सौंदर्य दोनों का ध्यान रखा जाता है।

इलेक्ट्रॉनिक, फर्नीचर और फोम उद्योग : जीवनशैली की नई मांगें : सिविल लाइंस और डीडीपुरम रोड अब इलेक्ट्रॉनिक्स का मुख्य बाजार है। जहां पहले टीवी और रेडियो तक कारोबार सीमित था, वहीं अब स्मार्टफोन, एलईडी, एसी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन और होम ऑटोमेशन प्रोडक्ट्स की भरमार है। ग्राहक ऊर्जा-कुशल और स्मार्ट डिवाइसेस की तलाश में हैं, जो आधुनिक जीवन को आसान बनाते हैं। फर्नीचर और फोम उद्योग भी पीछे नहीं हैं। किला रोड, प्रीतम नगर और अन्य इलाकों में लकड़ी के पारंपरिक काम से निकलकर मॉड्यूलर फर्नीचर, फोम मैट्रेस और डेकोर स्टूडियो उभर आए हैं। स्लीपीहेड, स्लीपवेल जैसे ब्रांड घर-घर पहुंच चुके हैं। अब ग्राहक लकड़ी का वजन नहीं, फर्नीचर की डिजाइन और कम्फर्ट को तवज्जो देता है, एक फर्नीचर निर्माता ने कहा। यह क्षेत्र नई पीढ़ी की आरामप्रिय जीवनशैली को दर्शाता है।

कपड़ा व्यापार: गलियों से ब्रांड्स तक

पुराने दिनों में कुतुबखाना और बड़े बाजार बरेली का थोक और खुदरा व्यापार का केंद्र रहा। हाथों से सिलाई और बुनाई का काम होता था और ग्राहक कपड़े की मजबूती व कीमत पर जोर देते थे। लेकिन अब रेडीमेड गारमेंट्स, डिजाइनर बुटीक और ब्रांडेड फैशन स्टोर्स मॉल्स व मार्केट कॉम्प्लेक्स में फैल चुके हैं। ग्राहक अब क्वालिटी के साथ ब्रांड वैल्यू, स्टाइल और फैब्रिक की चमक भी तलाशते हैं। यह बदलाव बरेली को उत्तर भारत के फैशन हब के रूप में स्थापित कर रहा है। उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के चेयरमैन व रेडिमेड गारमेंट के अध्यक्ष दर्शनलाल भाटिया ने बताया कि पहले बरेली में छोटी दुकानें होती थी और ग्राहकों की खरीदारी की क्षमता भी सीमित हुआ करती थी। अब बड़े ब्रांडों के शोरूम खुल गए हैं और ग्राहकों के सामने कपड़ों के चयन और खरीदने का अवसर बढ़ा है। ग्राहकों की क्षमता और पसंद ने बरेली को एक छोटे बाजार से बड़े बाजार में बदल दिया है। आज बरेली में सभी बड़े ब्रांड मौजूद है।

मॉल संस्कृति : खरीदारी से अनुभव तक का सफर

पिछले एक दशक में मॉल संस्कृति ने बरेली के व्यापार को नया आयाम दिया है। जहां पहले ग्राहक गलियों में मोलभाव करते थे, वहीं अब परिवार के साथ एयर-कंडीशंड मॉल्स जैसे फिनिक्स मॉल और सिटी मॉल में शॉपिंग, फूड कोर्ट, मनोरंजन और समय बिताने का पूरा पैकेज मिलता है। अब शॉपिंग एक अनुभव है, जहां लोग देखना, घूमना और समय बिताना चाहते हैं, एक युवा ग्राहक ने साझा किया। ये मॉल न केवल आर्थिक केंद्र हैं, बल्कि सामाजिक मेलजोल के स्थान भी बन चुके हैं, जो पुरानी मंडियों की रौनक को आधुनिक रूप में जीवित रखते हैं।

प्रस्तुति-सुनील संवेदी/आनंद विश्वकर्मा

न्यूज ब्रीफ

धान, बाजारों किसानों को करोड़ों का भुगतान

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार 48 घंटे के भीतर धान व बाजरा किसानों को भुगतान कर रही है। पहली अक्टूबर से धान खरीद शुरू हुई थी, तबसे 28 नवंबर तक धान किसानों को 1868 .35 करोड़ व बाजरा किसानों को 263 .03 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। यही कारण है कि किसान अब अपनी उपज का लाभकारी मूल्य प्राप्त करने के लिए फसल की बिक्री राजकीय क्रय केंद्रों पर कर रहे हैं। क्रय केंद्रों पर 17 फीसदी नमी तक का धान खरीदा जा रहा है।

होम्योपेथी व यूनानी कॉलेजों को मिल नहीं रहे छात्र

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष कॉलेजों में पीजी सीटों को लेकर अजीब स्थिति बनी हुई है, हालात है कि होम्योपैथी और यूनानी कॉलेजों की सीटों पर दाखिले के लिए अथ्यर्थी ही नहीं मिल रहे हैं। होम्योपेथी में 40 सीटें खाली हैं मात्र तीन अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए स्ट्रे राउंड काउंसिलिंग में पंजीकरण कराया है। यही हाल यूनानी कॉलेजों का है, 18 रिक्त सीटों के लिए मात्र 10 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। निदेशक यूनानी एवं यूपी आयुष पीजी काउंसिलिंग बोर्ड के सदस्य प्रो. जमाल अख्तर ने बताया कि आयुष के आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी कॉलेजों में रिक्त कुल 63 सीटों पर दाखिले के लिए यूपी आयुष पीजी की स्ट्रे राउंड काउंसिलिंग में 67 अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट जारी कर दी गयी है। रिक्त सीटों का व्यौरा कॉलेजवार वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गयी है।

विद्युत बिल राहत योजना की डे-टू-डे रिपोर्टिंग हो

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सभी डिस्कॉम, पावर कॉर्पोरेशन और ट्रांसमिशन निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्युत बिल राहत योजना के दौरान डे-टू-डे रिपोर्टिंग सुनिश्चित हो। क्षेत्रीय अभियंता प्रतिदिन फील्ड में निरीक्षण करें, ताकि किसी भी उपभोक्ता को आवेदन, पंजीकरण या बिल संशोधन में कोई कठिनाई न हो। ऊर्जा मंत्री ने शक्तिभवन, लखनऊ में शनिवार को 1 दिसंबर से लागू होने वाली विद्युत बिल राहत योजना 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि घरेलू उपभोक्ता (2 किलोवाट तक) और दुकानदार उपभोक्ता (1 किलोवाट) को आसान किस्तों में भुगतान, औसत खपत के आधार पर बढ़े हुए बिलों में स्वत: कमी तथा बिजली चोरी से जुड़े पुराने मामलों में भी राहत प्रदान की जाएगी।

एसआईआर में इतनी जल्दबाजी क्यों

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि एसआईआर के काम में जल्दबाजी क्यों की जा रही है। सुना है कि भाजपा ने नोएडा में किसी साफ्टवेयर कम्पनी को हायर किया है वह वोटर लिस्ट पर काम कर रही है। भाजपा एसआईआर के बहाने साजिश रच रही है। सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में बीएलओ की मौतों को लेकर भाजपा पर आरोप लगा रहे थे। लखनऊ में मलिहाबाद के मृतक बीएलओ विजय कुमार वर्मा की पत्नी संगीता को दो लाख रुपये की आर्थिक मदद देते हुए उसके दुख को सार्वजनिक किया। उन्होंने सांसद राजीव राय के एक पत्र का उल्लेख किया जिसमें बताया गया कि घोसी विधानसभा क्षेत्र में 20 हजार मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश से माफिया, कर्फ्यू गायब और दंगे बंद

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण के 36वें स्थापना दिवस समारोह को किया संबोधित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: जीरो टॉलरेंस, केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भाव भी है, जिसे जमीनी धरातल पर सख्ती के साथ उतारा गया। इसका परिणाम है उत्तर प्रदेश आज कानून-व्यवस्था और सुरक्षा की दृष्टि से देश के अंदर एक मॉडल स्टेट के रूप में अपनी स्थापित करने में सफल हुआ है। अब प्रदेश से माफिया गायब हैं। कर्फ्यू गायब, दंगे बंद, अराजकता बंद है। उपद्रव का प्रदेश अब उत्सव का प्रदेश बन गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के 36वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उक्त प्रतिक्रिया दी। सीएम योगी ने कहा कि सुरक्षा का माहौल कैसा होना चाहिए, अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई कैसे होनी चाहिए, इसके लिए लोग उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हैं।

उन्होंने कहा कि यूपी में सुरक्षा का बेहतर वातावरण बना। अन्नदाता किसानों के साथ सीधे संवाद हुआ। जमीन का उन्हें अच्छा मुआवजा देना प्रारंभ हुआ। सरकार का स्पष्ट मानना है कि किसी भी अन्नदाता किसान के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उससे बात की जानी चाहिए। किसी भी गरीब को उजाड़ा नहीं जाना चाहिए, यही सरकार का संकल्प भी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के अंदर लाखों युवाओं को उनके गृहक्षेत्र में ही नौकरी और रोजगार देने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़े पैमाने पर कार्य प्रारंभ किए हैं। इसके लिए सरकार ने काफी प्रयास किए। सुरक्षा का ऐसा बेहतर वातावरण बनाया जहां गुंडागर्दी नहीं चलती। गुंडा टैक्स, माफियाराज, मनमानापन नहीं चलता। बल्कि अपराध और अपराधियों के प्रति तथा भ्रष्टाचार व भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाती है, उसी के अनुरूप कार्रवाई की जाती है। समारोह में मुख्यमंत्री ने गीडा के विभिन्न सेक्टरों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 408 करोड़ रुपये के 114 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। 6139 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के लिए आवंटित 115 भूखंडों में से पांच निवेशकों को अपने हाथों से आवंटन प्रमाण पत्र सौंपा। गीडा स्थित नाइलिट कैम्पस से कौशल विकास का प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को सर्टिफिकेट वितरित किए।

लखनऊ में 34 करोड़ से बनेगी फ्लैटेड फैक्ट्री

- समारोह के दौरान सीएम ने गीडा में आयोजित तीन दिवसीय यूपी स्टेट ट्रेड शो का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने लखनऊ में 34 करोड़ रुपये से बनने वाली फ्लैटेड फैक्ट्री और गोरखपुर में 3 .91 करोड़ रुपये की लागत वाली ओडीओपी पैकेजिंग सीएफसी का शिलान्यास किया और उद्यमियों को इंसेंटिव और ऋण धनराशि का वितरण किया।

औद्योगिक विकास प्राधिकरण के स्थापना दिवस पर लगाए गए एक स्टॉल पर युवतियों से बातचीत करते मुख्यमंत्री योगी।

दिसंबर में 5 लाख करोड़ रु. का निवेश जमीन पर

- योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर डबल इंजन की सरकार आने के बाद 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव जमीनी धरातल पर उतारे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव इसी दिसंबर महीने में हम जमीनी धरातल पर उतारेंगे। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से लाखों नौजवानों को रोजगार अपने ही जिले में मिलेगा।

प्रॉपर्टी कब्जा करने वालों की कमर कर दी सीधी

- सीएम योगी ने कहा कि सपा और कांग्रेस की सरकारों में प्रॉपर्टी पर कब्जा करने वाले जो थे, उनकी कमर हमने सीधी कर दी है। और, इतनी कुटाई उनकी हुई है कि अब उनके ऊपर हम लोग फैक्ट्री का निर्माण कर रहे हैं।

धर्मध्वजा आरोहण के बाद ही भारत बना तीसरी अर्थव्यवस्था

- सीएम योगी ने कहा कि धर्मध्वजा आरोहित कर प्रधानमंत्री अयोध्या से लौटे और दो दिन बाद ही समाचार आया कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। उन्होंने कहा कि यह नया भारत अब विकसित भारत बनने के संकल्प की ओर तेजी से आगे बढ़ चुका है। जब भारत आगे बढ़ेगा तो उत्तर प्रदेश पीछे नहीं रह सकता।

20 तक पूरी कर लें विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेले की तैयारी

- अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गोरखनाथ मंदिर में मकर संक्रांति पर लगने वाले विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेले से जुड़े सभी कार्य 20 दिसंबर तक हर हाल में पूरे कर लिए जाएं। खिचड़ी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा व सहूलियत प्राथमिकता होनी चाहिए। यह ध्यान रखा जाए कि श्रद्धालुओं को कहीं कोई दिक्कत न हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार पूर्वाह्न गोरखनाथ मंदिर के सभाकक्ष में खिचड़ी मेला की तैयारियों को लेकर महापौर और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखनाथ मंदिर के खिचड़ी मेले से न सिर्फ पूर्वी उत्तर प्रदेश वरन बिहार, नेपाल से लगायत देश-दुनिया के सनातन मतावलंबियों की आस्था जुड़ी है। इसके दृष्टिगत मेले में सभी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की जाये जिससे मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। दूरदर्शन व आकाशवाणी के जरिए मेले का सजीव प्रसारण किया जाएगा ताकि वे लोग भी मेले में वर्चुअल सहभागी हो सकें जो किंचित कारणों से इसमें शामिल नहीं हो पा रहे हों।

युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण व रोजगार देना प्राथमिकता : कपिल

अमृत विचार, लखनऊ : कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराने को राज्य सरकार प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने सभी आईटीआई और प्रशिक्षण केंद्रों की रियल-टाइम निगरानी, प्रशिक्षकों की उपस्थिति और प्रशिक्षण गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उत्कृष्ट संस्थानों को प्रोत्साहन और कमजोर प्रदर्शन करने वालों से स्पष्टीकरण लेने पर भी जोर दिया। कौशल विकास मंत्री, शनिवार को उप्र. कौशल विकास मिशन मुख्यालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने बताया गया कि आईटीओटी लखनऊ-सुल्तानपुर में 2015-16 से 2024-25 के बीच 3181 में से 3064 प्रशिक्षार्थियों ने सी-आई-टी-एस परीक्षा पास की है। डीडीयू-जीकेवाई के तहत अब तक 2.59 लाख युवाओं को प्रशिक्षण और 1.52 लाख को रोजगार मिल चुका है। प्रोजेक्ट प्रवीण योजना में इस वर्ष 62,326 के लक्ष्य के विरुद्ध 23,000 से अधिक छात्रों का नामांकन हो चुका है। इंडिया स्किल्स 2025 में प्रदेश से 1,09,249 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है, जो देश में सर्वाधिक है। मंडल स्तरीय प्रतियोगिताएं 1-10 दिसंबर और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 20 दिसंबर से 20 जनवरी के बीच आयोजित होंगी।

निलंबित किए गए दो रजिस्ट्रार पर नहीं रूका गिरोह का काम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मदरसा बोर्ड में फर्जी अंकपत्र गिरोह की जड़े इतनी गहराई तक फैली हुई हैं कि दो रजिस्ट्रार के निलंबन हो चुके हैं। इसके बाद भी इस गिरोह पर शिकंजा कसने में विभागीय अधिकारी नाकाम है। खास बात यह कि रजिस्ट्रार पर कार्रवाई तो हो गई, लेकिन इस गिरोह में शामिल विभागीय बाबुओं पर आंच तक नहीं आई। चाहे प्रयागराज का मामला हो या कुशीनगर या फिर बरेली में फर्जी नियुक्ति का मामला। हर जगह बाबुओं की कारस्तानी ने बोर्ड की फजीहत कराई है। चेयरमैन के दबाव में एक बाबू को निलंबित किया गया, पर चार्जशीट नहीं लगाई जा सकी।

मदरसा बोर्ड में फर्जी अंकपत्र गिरोह के खेल में फंसकर दो रजिस्ट्रार निलंबित हो चुके हैं। विजिलेंस की जांच भी हुई। मामला मंडलायुक्त कार्यालय तक पहुंचा। पर बाबुओं पर कोई आंच नहीं आई है। कुशीनगर के बहुचर्चित मामले में तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट ने दो रिपोर्ट दी। जिसमें दो अलग-अलग रिपोर्ट भेजी। शासन ने जांच मंडलायुक्त बस्ती को सौंपी और रजिस्ट्रार साहब डेढ़ साल तक निलंबित रहे। वहीं, प्रयागराज के एक मदरसे में बाबुओं की कारस्तानी के कारण पूर्व रजिस्ट्रार पर विजिलेंस जांच भी बैठ गई। चेयरमैन के दबाव में इस बाबू को एक बार निलंबित भी किया गया, लेकिन चार्जशीट तक जारी न हो सकी और दो महीने में वे बहाल हो गए, जबकि असली खेल करने वाले बाबू, कम्प्यूटर सहायक और गिरोह के अन्य सदस्य टेबलों के पीछे सुरक्षित बचे रहे।

फर्जी अंकपत्र का खेल

- फर्जीवाड़ा गिरोह पर शिकंजा कसने पर पूरी तरह विभाग नाकाम
- प्रयागराज व कुशीनगर अब बरेली में भी बाबूओं की कारस्तानी ने कराई फजीहत

शिक्षक व प्रधानाचार्य बन गए कंप्यूटर सहायक

- मदरसा बोर्ड में फर्जीवाड़ा का आलम यह है कि शाहजहांपुर, बरेली और आगरा में राज्यानुदानित मदरसों में सहायक शिक्षक और प्रधानाचार्य भी फर्जी अंकपत्र के आधार पर बन गये। अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के कार्यालय में कार्यरत रहे तीन कंप्यूटर आपरेटर फर्जी अंकपत्र गिरोह के कारण प्रधानाचार्य व सहायक शिक्षक आलिया की कुर्सी तक पहुंचे। इन सभी ने न तो कोई पढ़ाई की और न ही कोई अनुभव हासिल किया। सिर्फ फर्जी अंकपत्र गिरोह की कृपा से सरकार से हर माह मोटा वेतन वसूल रहे हैं। इन मामलों की जानकारी होने के बाद पिछले कुछ महीनों में मदरसा बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण अंकित अग्रवाल के हस्तक्षेप से मार्कशीट, टेबुलेशन रजिस्टर और अन्य अभिलेखों के डिजिटाइजेशन की उम्मीद जगी है। इसी कारण बोर्ड का मार्कशीट गैंग और ज्यादा सक्रिय हो गया है। क्योंकि हर सुधार के साथ इनका कारोबार चौपट होने का डर बढ़ता है। वर्तमान रजिस्ट्रार के एक आदेश ने इस गिरोह के काले कारोबार पर रोक लगाने की मजबूत पहल की है। जहाँ सुविधा शुल्क देकर किसी भी वर्ष की मार्कशीट में संशोधन संभव था। वहीं, अब यह अमल में लाया जा रहा है कि सिर्फ एक वर्ष के भीतर निर्गत मार्कशीट में ही संशोधन स्वीकार होगा। द्वितीय प्रति किसी भी समय उपलब्ध कराई जा सकेगी।

अमृत विचार Follow UP

नालियों व सड़कों के निर्माण को दें प्राथमिकता : मौर्य

लखनऊ,अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की निकासी के लिए नालियों और सुगम आवागमन के लिए आंतरिक सड़कों का निर्माण जरूरी है। हालांकि ग्रामों में बरसात के दिनों में जलभराव की स्थिति गंभीर रूप ले लेती है, जिससे ग्रामीणों को भारी असुविधा होती है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए उन्होंने ग्राम्य विकास विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याओं के निदान के लिए शनिवार को विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए। मनरेगा गाइड लाइन्स में निहित प्राविधानों के तहत कार्य कराने को प्राथमिकता दी।

नाटक में मरीज की भावनाओं और डॉक्टर की संवेदनशीलता को दर्शाया

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं द्वारा रोगी होना क्या होता है, विषय पर नाट्य प्रस्तुति दी गई। फिजियोलॉजी विभाग की ओर से इसे कराया गया।

100 छात्र-छात्राओं ने यह प्रस्तुतियां 25-25 के चार ग्रुपों में विभाजित होकर प्रस्तुत की। मरीज की भावनाओं और उनके प्रति डॉक्टर की संवेदनशीलता को दर्शाया गया। छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत किया कि किस प्रकार डॉक्टर की थोड़ी सी सहानुभूति मरीज की पीड़ा को कम करने में सहायक होती है। प्राचार्य डॉ.संगीता अनेजा ने छात्र-छात्राओं के इस प्रयास की सराहना की। कहा कि इस तरह की गतिविधियों से न सिर्फ छात्रों का बौद्धिक विकास होता है, बल्कि मरीज के प्रति छात्रों को सहानुभूति भी सीखने को मिलती है। संचालन फिजियोलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीयसी ने किया। डॉ. पीसी श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. मुकेश पांडे, डॉ. स्नेहा सुमन,डॉ. कमलेश यादव, डॉ. सारांश, डॉ. प्रियंका यादव, डॉ. युवी, डॉ. आभा रानी आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले मेडिकल विद्यार्थी। ● अमृत विचार

इस दुनिया की शान है नारी शक्ति

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में मिशन शक्ति अभियान के तहत गायन प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यकारी निदेशक डॉ.हेमन्त जगोता ने कराई।

उन्होंने कहा कि महिलाएं सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनकर जीवन से जुड़े निर्णय स्वयं ले सकती हैं। यह सशक्तिकरण महिलाओं को स्वतंत्रता, सम्मान और अपने अधिकारों को प्राप्त करने की क्षमता देता है। प्राचार्य डॉ. इलयास अहमद ने कहा कि एक आत्मनिर्भर व शिक्षित महिला अपने और अपने आस-पास के लिए बेहतर जीवन बनाने में सक्षम होगी। समाज में महिलाओं के विकास के लिए लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। विभिन्न गीतों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया गया। छात्रा पूर्णिका ने इस दुनिया की शान है नारी, शक्ति का अवतार है नारी, छात्रा हीराकली ने मैं स्त्री हूं मै नारी हूं, मैं कली हूं मैं फुलवारी हूं आदि गीत की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर माधुरी, पिंकी, वर्षा, नैन्सी, नीतू, तुलसी, डॉ. अतुल कुमार मिश्रा, डॉ.कृष्णा शर्मा, शाहिद खान, संगीता गंगवार, अंग्रेज कौर, सोनिया सिंगला आदि मौजूद रहे।

स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में हुए कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं।

● गीतों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को दिया बढ़ावा

पूरनपुर में सम्मानित किए गए बीएलए

पीलीभीत, अमृत विचार: समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू के आवास पर बीएलए की बैठक सम्पन्न हुई। पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने इसकी अध्यक्षता की। सभी बीएलए की उपस्थिति रही। राजकुमार राजू ने कहा कि बीएलए संगठन की रीढ़ हैं।

बूथ स्तर पर हमारी ताकत बढ़ाने के लिए सभी साथियों ने जिस सकारात्मक ऊर्जा के साथ बैठक में भाग लिया, उससे साफ है कि पार्टी को नई मजबूती मिलेगी। आने वाले दिनों में और भी बड़े आयोजन कर हम संगठन को और धार देंगे। उपस्थित साथियों को स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में विजेता खिलाड़ी।

विश्व चैंपियन बने आगरा के व्यायाम शिक्षक

- अमृत विचार, लखनऊ : श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 में आगरा के इटौरा स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के व्यायाम शिक्षक हरीश चंद्र और कक्षा 11 के छात्र रमन कुमार ने शानदार प्रदर्शन किया है। हरीश चंद्र ने 77 किग्रा भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर विश्व चैंपियन का खिताब हासिल किया, जबकि युवा छात्र रमन कुमार ने 56 किग्रा भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर देश का मान बढ़ाया। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 में 40 से अधिक देशों के एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर, गुरु और शिष्य की जोड़ी ने देश के लिए गौरव के पल लाए। शिक्षक हरीश चंद्र ने 77 किग्रा भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर विश्व चैंपियन का खिताब हासिल किया। वहीं छात्र रमन कुमार ने 56 किग्रा भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। राज्य सरकार की खेल नीतियों के कारण दोनों खिलाड़ियों का चयन हाल ही में गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उनके दमदार प्रदर्शन के आधार पर हुआ था। समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण ने बताया कि कोलंबो में मिली यह ऐतिहासिक उपलब्धि पूरे प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। सर्वोदय विद्यालय इटौरा के छात्र और शिक्षक ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर जो प्रदर्शन किया है, वह आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।

प्रदेश स्तरीय शतरंज टीम में समीक्षा चयनित

पीलीभीत, अमृत विचार: अंगूरी देवी सरस्वती बालिका इंटर कॉलेज की कक्षा 12की छात्रा समीक्षा गुप्ता का चयन 19 वर्षीय आयु वर्ग में उत्तर प्रदेश की शतरंज टीम में हुआ है। बता दें 69वीं 19 वर्षीय राष्ट्रीय विद्यालय शतरंज प्रतियोगिता पांच दिसंबर से सात दिसंबर तक कर्नाटक के बेंगलुरु में आयोजित होगी।

जिला क्रीड़ा सचिव राजेश शुक्ला ने बताया समीक्षा का चयन हाल ही में अलीगढ़ जनपद में संपन्न हुई 69वीं प्रदेशीय शतरंज प्रतियोगिता में बरेली मंडल की टीम की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया। ये उनका दूसरा नेशनल है। डीआईओएस राजीव कुमार ने कहा कि यह जनपद के लिए बहुत ही गौरव की बात है कि अंगूरी देवी सरस्वती बालिका इंटर कॉलेज की दो बालिकाओं समीक्षा एवं अक्षिता इस वर्ष शतरंज की राष्ट्रीय प्रतियोगिता जो कर्नाटक में होने जा रही है।

बीएलए को सक्रियता का पढ़ाया पाठ

संवाददाता बिलसंडा

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी के निवर्तमान नगर अध्यक्ष रोहित मिश्रा के आवास पर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में बैठक हुई। मुख्य अतिथि सपा के राज्य विशेष आमंत्रित सदस्य/बिलसंडा ब्लॉक के प्रभारी रजत कुमार सक्सेना रहे।

उन्होंने सभी बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) से एसआईआर फॉर्म अतिशीघ्र जमा करवाने को कहा। कोई भी मतदाता वोट से वंचित न रहे। विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष शैलेश शर्मा एडवोकेट ने अध्यक्षता और संचालन छात्र सभा के प्रदेश सचिव वीरेश यादव ने किया। इस मौके पर हरिपाल सिंह लोधी, पूर्व चेयरमैन मुन्ने मियां अंजाना, राम प्रताप गंगवार, मीनाक्षी गंगवार, केदारनाथ गौतम, अवनीश यादव, रोहित मिश्रा, छेदालाल वर्मा आदि मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद सपा नेता। ● अमृत विचार

एसआईआर को लेकर निकाली जागरुकता रैली

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बा स्थित पंडित देवदत्त शर्मा जनता इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने नगर में एसआईआर के तहत मतदाता जागरूकता रैली निकाली। सभी कॉलेज परिसर में एकत्र हुए। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जागरुकता रैली विभिन्न मार्गों से निकाली गई। कार्यवाहक प्रधानाचार्य गोविंद कुमार, शिक्षक जशपाल गंगवार, चतुर्भुज झा, बृजेश कुमार, विनोद कुमार गंगवार, अखलेश कुमार, रेनू बाजपेई, पूजा, प्रेमराज आदि मौजूद रहे। वहीं गांव ज्योरह कल्यानपुर में एक इंटर कॉलेज में शनिवार को बजरंग दल की ओर से रन फॉर हेल्थ एवं नशा मुक्ति संकल्प दिवस कार्यक्रम जिला संयोजक परविंदर सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि देवेंद्र, सुभाष को जिला अध्यक्ष श्रीकृष्ण गंगवार ने पटका पहनाकर सम्मानित किया।

पुनर्वास विवि | राष्ट्रीय अभिभावक सम्मेलन में बोले कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत

बौद्धिक दिव्यांग बच्चों का कल्याण सभी की जिम्मेदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के समग्र कल्याण की जिम्मेदारी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने गार्जियनशिप से जुड़ी प्रक्रियाओं में अभिभावकों को सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही परिवार संगठन द्वारा तीन दशकों से किए जा रहे कार्यों की सराहना की और नीति-निर्माण में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

राज्यपाल, शनिवार को लखनऊ स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संस्थान बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण द्वारा आयोजित दो दिवसीय 31 वें राष्ट्रीय अभिभावक सम्मेलन 2025 का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि दिव्यांगजनों की शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास के लिए प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है। विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री सलाहकार अवनीश अवस्थी ने समाज से अपील की कि वे बौद्धिक दिव्यांगजन को अवसर प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने में सहयोग करें। सम्मेलन का आयोजन पैरिवार – नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ पेरेंट्स ऑर्गेनाइजेशंस के सहयोग से तथा डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय और यू.पी. पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मेजर बी. वी. रामकुमार, राज्य दिव्यांगजन आयुक्त प्रो. हिमांशु शेखर झा और विश्वविद्यालय के कुलसचिव रोहित सिंह उपस्थित रहे।

पैरिवार राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 से सम्मानित हुए

- सम्मेलन में 'पैरिवार' की वार्षिक रिपोर्ट 2024–25 तथा सौम्या उपाध्याय 'तताई' की पुस्तक "हु न्यू द फार्गोटन यू" का विमोचन किया गया। साथ ही रोशनी सोसायटी हल्द्वानी, परिवार पलक्कड़ और मेसेनी पोंग पोंगें को पैरिवार राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आठ बौद्धिक दिव्यांग पैराअथलीटों को भी सम्मानित किया गया।

इंडिगो शुरू करेगी कई नई उड़ानें

नई दिल्ली। इंडिगो ने शनिवार को नवी मुंबई एयरपोर्ट से अतिरिक्त उड़ानों की घोषणा की। वाणिज्यिक उड़ानें 25 दिसंबर से शुरू होंगी। इंडिगो ने बताया कि वह 26 दिसंबर से नवी मुंबई से उत्तरी गोवा (मोपा) के लिए उड़ान शुरू करेगी जो सोमवार और गुरुवार छोड़कर सप्ताह में पांच दिन उपलब्ध होगी। 29 दिसंबर से कोयंबटूर और चेन्नई के लिए दैनिक उड़ानें शुरू की जाएंगी।

अमृत विचार

बरेली, रविवार ,30 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कॉरपोरेट प्रावधानों का पालन न करने पर जीआरएसई को नोटिस

कोलकाता। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) को शनिवार को बताया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बीएसई से नोटिस मिला है। ये नोटिस 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में सेबी के सूचीबद्धता नियमों के तहत कंपनी प्रशासन के कई प्रावधानों का पालन न करने के कारण मिला है। शेयर बाजार को दी जानकारी में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने कहा कि दोनों शेयर बाजारों ने विनियम 17(1), 18(1) तथा 19(1)/19(2) के उल्लंघन को चिह्नित किया है। इन उल्लंघनों में स्वतंत्र निदेशकों की अनिवार्य उपस्थिति, लेखा परीक्षा समिति तथा नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति के गठन से जुड़े नियम शामिल हैं।

लेंसकार्ट का मुनाफा दूसरी तिमाही में 20 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। चश्मे और आंखों की देखभाल से जुड़े उत्पाद बेचने वाली कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस ने शनिवार को बताया कि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त हुई चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 19.8 प्रतिशत बढ़कर 103.4 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 86.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। लेंसकार्ट ने समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन से एकीकृत आय में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 1,735.68 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,096.14 करोड़ हो गया।

तेलंगाना को 1.39 लाख मेगावाट बिजली की जरूरत

हैदराबाद। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस सरकार के लक्ष्य के अनुसार तेलंगाना को 2047 तक तीन हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए राज्य को 1,39,310 मेगावाट बिजली की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को हर साल 13 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि और 10 प्रतिशत बिजली मांग वृद्धि दर्ज करनी होगी।

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा एडीबी

परियोजनाओं के लिए होगा इस्तेमाल, भारत सरकार के साथ एमओयू पर साइन

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में विभिन्न परियोजनाओं के लिए लगभग 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा। एडीबी ने इस संबंध में शुक्रवार को भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये। वार्ता के दौरान केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव (एडीबी और जापान) ने किया।

भारत की ओर से विभाग के उपसचिव सौरभ सिंह और एडीबी की ओर से भारत में मिशन की निदेशक मियो ओका ने समझौतों पर हस्ताक्षर किए। एक समझौता महाराष्ट्र में बिजली वितरण से जुड़ा है जिसके लिए 50 करोड़ डॉलर का ऋण दिया जायेगा। इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के लिए 19.06 करोड़ डॉलर और गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के लिए करीब 11 करोड़ डॉलर का कर्ज मिलेगा। इसके अलावा, 10 लाख डॉलर की तकनीकी सहायता अनुदान पर भी हस्ताक्षर किए गए जो असम में आगामी सस्टेनेबल वेटलैंड एंड इंटिग्रेटेड फिशरीज ट्रांसफ़ॉर्मेशन (स्विफ्ट) परियोजना के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करेगा। यह परियोजना राज्य के वेटलैंड पारिस्थितिक तंत्र और मत्स्य संसाधनों को सुदृढ़ करने के लिए बनाई गई है।

● महाराष्ट्र को मिलेगा सर्वाधिक 50 करोड़ डॉलर का ऋण

महाराष्ट्र में बिजली परियोजना के तहत ग्रामीण बिजली अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना, विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और किसानों को सिंचाई के लिए दिन में सौर ऊर्जा आधारित विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादकता में सुधार करना है। इंदौर मेट्रो परियोजना के तहत 27,14,72,00,000 जापानी येन (19.06 करोड़ डॉलर) से 8.62 किमी लंबी भूमिगत मेट्रो लाइन के निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें सात स्टेशन होंगे। यह लाइन इंदौर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को हवाई अड्डे से जोड़ेगी। परियोजना में बस और फीडर सेवाओं के साथ मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन शामिल है, जिससे शैक्षणिक संस्थानों और बाजारों तक पहुंच आसान होगी।

गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के तहत राज्य की कार्यशक्ति को ऐसे उन्नत, उद्योग-उन्मुख कौशल प्रदान किया जायेगा जो उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाते हैं। इन क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोबाइल, विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और एग्री-टेक शामिल हैं।

अक्टूबर में हवाई यात्रा की मांग 6.6 % बढ़ी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर अक्टूबर में हवाई यात्रा की मांग में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जिसमें अंतर्राष्ट्रीय मांग 8.5 प्रतिशत और घरेलू यात्रा की मांग 3.4 प्रतिशत बढ़ी है। हवाई यात्रा की मांग को राजस्व यात्री किमी के रूप में मापा जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में 2024 के मुकाबले अक्टूबर 2025 में मांग 6.6 प्रतिशत बढ़ी है। कुल क्षमता (उपलब्ध सीट किमी) 5.8 और लोड फैक्टर (भरी सीटों का अनुपात) 84.6 प्रतिशत पर पहुंच गया जो एक साल पहले के मुकाबले 0.7 प्रतिशत अधिक है।

टीयर-2 शहरों में घरों की बिक्री चार प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश के 15 प्रमुख टीयर-2 शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही में घरों की बिक्री मूल्य के लिहाज से चार प्रतिशत बढ़कर 37,409 करोड़ रुपये हो गई, जबकि बिकने वाली इकाइयों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई।

रियल एस्टेट डेटा मंच प्रॉपइक्विटी के आंकड़ों के मुताबिक इन 15 शहरों में कुल घरों की बिक्री पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में चार प्रतिशत घटकर 39,201 रह गई। इन 15 टीयर-2 शहरों में अहमदाबाद, सूरत, गांधीनगर, वडोदरा, जयपुर, नासिक, नागपुर, मोहाली, भुवनेश्वर, लखनऊ, भोपाल, कोयंबटूर, गोवा, तिरुवनंतपुरम और कोच्चि शामिल हैं। नए आवास आपूर्ति में सालाना 10 प्रतिशत की गिरावट आई और यह सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में 28,721 इकाइयों तक रह गई। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी समीर जसूजा ने कहा, टीयर-2 शहर भारत की विकास गाथा के प्रमुख इंजन बने हुए हैं।

सरकारी सुधारों, विनिर्माण प्रोत्साहन से दूसरी तिमाही की वृद्धि दर 8.2% हुई

वडोदरा, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से उठाए गए अनेक कदमों और सुधारों की वजह से चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। गोयल ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के बावजूद देश का निर्यात भी अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है।

उन्होंने यहां सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय पदयात्रा में भाग लिया और इस दौरान कहा, 8.2 प्रतिशत की यह वृद्धि सरकार द्वारा किए गए ढेर सारे सुधारात्मक उपायों को दर्शाती है। घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और कारोबार में सुगमता लाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। गुजरात सरकार इस पदयात्रा का आयोजन करमसद से राज्य के नर्मदा जिले स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक सरदार पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में कर रही है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि दर उन दावों का खंडन करती है जो कुछ वर्गों द्वारा किए जा रहे थे, और यह दर्शाती है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। गोयल ने कहा, हम निरंतर और मजबूत वृद्धि देखते रहेंगे।

● वडोदरा में आयोजित कार्यक्रम में बोले वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान भारत के माल और सेवाओं के निर्यात ने भी उच्च वृद्धि दर्ज की है। अप्रैल-अक्टूबर अवधि में माल निर्यात मामूली 0.63 प्रतिशत बढ़कर 254.25 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 6.37 प्रतिशत बढ़कर 451.08 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में सेवा निर्यात 237.55 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि

क्रिसिल ने जीडीपी वृद्धि अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत किया

कोलकाता। क्रिसिल ने चालू वित्त वर्ष के लिए देश की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला पहली छमाही में अपेक्षा से ज्यादा आठ प्रतिशत वृद्धि के बाद लिया गया है। क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा कि दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही, जो अनुमान से अधिक है। हालांकि मुद्रास्फीति में नरमी के कारण चालू कीमतों पर जीडीपी वृद्धि 8.7 प्रतिशत ही रही। जोशी ने बताया कि पहली छमाही में आठ प्रतिशत वृद्धि हुई है और दूसरी छमाही में अमेरिकी शुल्क बढ़ने के असर से वृद्धि के 6.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। क्रिसिल के अनुसार वास्तविक जीडीपी की ऊंची वृद्धि की मुख्य वजह निजी खपत रही। आपूर्ति पक्ष से देखें तो विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की वृद्धि में उल्लेखनीय तेजी आई। जोशी ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति कम होने से देश में वैकल्पिक खर्च बढ़ा है।

एसुस दूसरी तिमाही में भारत की दूसरी सबसे बड़ी कंज्यूमर नोटबुक कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी

ताइवान की प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनी एसुस इंडिया ने वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए भारत में कंज्यूमर नोटबुक कंपनी के रूप में दूसरा स्थान हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। आईडीसी क्वार्टरली पर्सनल कम्प्यूटिंग डिवाइस ट्रैकर, 2025 क्यू3 की रैंकिंग में उसने यह उपलब्धि हासिल की है।

कंपनी ने कहा कि इस बात से स्पष्ट है कि एसुस हर साल उल्लेखनीय वृद्धि कर रहा है। यह वृद्धि ब्रांड के प्रति ग्राहकों के भरोसे को बनाए रखने, प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के विस्तार और देश के 600 से अधिक जिलों में खुदरा टचपॉइंट्स बढ़ाने के प्रयासों का परिणाम है। कहा गया है कि एसुस इंडिया ने एसुस एआई पीसी, कंज्यूमर और गेमिंग नोटबुक्स के साथ-साथ एआईओ, डेस्कटॉप और एक्सेसरीज़ श्रेणियों में महत्वपूर्ण नवाचार पेश किए हैं। इस साल कंपनी ने मल्टी-कलर विवोबुक, आरओजी एली एक्स और कई सफल अभियानों की शुरुआत की जो काफी लोकप्रिय हुए। एआईओ सेग्मेंट में भी इसने बाजार में दबदबा बनाये रखा और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर सबसे ज्यादा बिकने वाले उत्पाद में शामिल रहा। एसुस इंडिया ने सबसे हल्का कोपायलट प्लस पीसी, आरओजी एली ज़ेनबुक ए14 लॉन्च किया और भारत में एनवीडिया आरटीएक्स 5000 सीरीज़ में नंबर एक बाजार हिस्सेदारी हासिल की।

मछली पालन पर आधारित स्टार्ट अप व इनोवेशन के लिए साझेदारी

कोच्चि। मत्स्य पालन पर आधारित स्टार्टअप्स और इस क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी के तहत आईसीएआर-सीआईएफटी का जेडटीएम-एबीआई सेंटर राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय केंद्र (नेशनल-लेवल कोऑर्डिनेशन हब) की भूमिका निभाएगा। यह केंद्र योग्य उद्यमियों की पहचान करेगा तथा उन्हें तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और मेंटरिंग प्रदान करेगा।

जेडटीएम-एबीआई में पंजीकृत स्टार्टअप्स को एसबीआई से वित्तीय सहायता प्राप्त करने में प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें वर्किंग कैपिटल, टर्म लोन तथा स्टार्टअप फाइनेंसिंग जैसी सुविधाएँ शामिल हैं, जो प्रोजेक्ट की पात्रता और बैंक के मानदंडों के अधीन होंगी। अधिकारियों के अनुसार इस सहयोग से मत्स्य पालन क्षेत्र में नवाचार को गति मिलेगी तथा स्टार्टअप्स की वृद्धि और इंडस्ट्री के विकास को मजबूत बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रीय

शीतकालीन सत्र में भी सुनाई देगी एसआईआर की गूंज

दिल्ली में विस्फोट, वायु प्रदूषण और नए श्रम कानूनों के मुद्दे भी विपक्ष की लिस्ट में, भाजपा बना रही जवाबी रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के मौजूदा तेवरों को देखते हुए संसद के शीतकालीन सत्र में भी इसके छाए रहने की संभावना है। इस सत्र में विपक्ष दिल्ली कार विस्फोट, राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की समस्या और नए श्रम कानूनों जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाएगा। विपक्ष और सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संक्षिप्त सत्र के लिए कमर कस ली है और दोनों पक्ष अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं।

शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा और इस दौरान केवल 15 बैठकें होंगी। विपक्ष सत्र को संक्षिप्त रखे जाने पर भी सरकार पर हमलावर है। सरकार ने जहां इस सत्र में कॉरपोरेट कानून, परमाणु ऊर्जा और शिक्षा सहित दस विधेयकों को पारित कराने का एजेंडा तैयार किया है वहीं विपक्ष एसआईआर, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार किए जा रहे दावों, चीन के साथ संबंधों, आतंकवाद, प्रदूषण और अन्य मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, समाजवादी पार्टी और कुछ अन्य दलों ने एसआईआर के मुद्दे पर सरकार और चुनाव आयोग के बीच सांठ-गांठ का आरोप लगाते हुए इसे संसद में जोर शोर से उठाने का संकेत दिया है। एसआईआर के मुद्दे पर तृणमूल के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात भी की है।

विपक्ष एसआईआर के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) पर दबाव का मुद्दा भी उठा रहा है। कांग्रेस ने शीतकालीन सत्र से पहले संसद में पार्टी की रणनीति बनाने के लिए रविवार को पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के आवास पर 'संसदीय रणनीतिक समूह' की बैठक बुलाई है। संकेत है कि कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों के साथ राज्यसभा और लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार-बार किये जा रहे दावों, चीन के साथ व्यावसायिक संबंधों तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग करेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दिल्ली में प्रदूषण को गंभीर मुद्दा बताते हुए सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग कर चुके हैं। दूसरी ओर सत्तारूढ़ भाजपा ने भी सत्र की रणनीति बनाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर बुधवार को पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने संसद सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार की ओर से रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

● कल से शुरू होने जा रहे सत्र के लिए बनाई जा रही है रणनीति

एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने से इन्कार कर चुकी है सरकार

सरकार की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया जा चुका है कि वह राष्ट्रीय हित के सभी मुद्दों पर नियमानुसार संसद में चर्चा कराने को तैयार है। एसआईआर के मुद्दे को चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक निकास की प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए सरकार का कहना है कि इस पर संसद में चर्चा नहीं कराई जा सकती। सरकार का यह भी कहना है कि एसआईआर का मामला उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी है। पिछले सत्र में भी इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्ष ने संसद की कार्यवाही में बाधा डाली थी। सत्र के दौरान सरकार के एजेंडे में 12 विधेयक विचार के लिए सूचीबद्ध हैं जिनमें से दो जनविश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2025 और दिवालिया एवं दिवालियापन संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पहले से ही लोकसभा की प्रवर समिति के पास हैं।

इन विधेयक पर होगा फैसला

सत्र के दौरान पेश किये जाने वाले विधेयकों में कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक 2025, सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड विधेयक 2025, बीमा कानून (संशोधन) विधेयक 2025, मणिपुर जीएसटी (संशोधन) विधेयक 2025, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा आयोग विधेयक 2025, परमाणु ऊर्जा विधेयक 2025, राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2025, निरसन एवं संशोधन विधेयक 2025, मध्यस्थता एवं सुलह (संशोधन) विधेयक 2025 शामिल है।

पुतिन के आने से पहले रूसी संसद भारत के साथ दे सकती है सैन्य समझौते को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अगले महीने होने वाली बहुप्रतीक्षित भारत यात्रा से पहले रूसी संसद के निचले सदन स्टेट डूमा में भारत के साथ एक महत्वपूर्ण सैन्य समझौते को मंजूरी दिए जाने की संभावना है। पुतिन 23 वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए चार से पांच दिसंबर तक भारत की दो दिन की यात्रा पर आ रहे हैं।

दोनों देशों के बीच पारस्परिक लॉजिस्टिक्स समर्थन समझौते (आरईएलओएस) को लेकर लंबे समय से बातचीत चल रही है। इसका उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे रणनीतिक सैन्य सहयोग को और सुदृढ़ करना है। इस समझौते पर गत 18 फरवरी को मास्को में भारत के राजदूत विनय कुमार और रूस के तत्कालीन रक्षा उप मंत्री अलेक्ज़ेंडर फोमिन ने हस्ताक्षर किए थे। रूस की आधिकारिक समाचार एजेंसी इतर तास के अनुसार रूसी सरकार ने स्टेट डूमा में इस समझौते के अनुमोदन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इस समझौते में दोनों देश एक-दूसरे की भूमि पर सैन्य कर्मियों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की पारस्परिक तैनाती की प्रक्रिया को निर्धारित किया गया है। इस प्रस्ताव में रूस और भारत के बीच उस समझौते को मंजूरी देने की बात कही गई है जिसके तहत रूसी सैन्य इकाइयों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की तैनाती भारतीय ठिकानों पर और भारत की सैन्य इकाइयों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की तैनाती रूसी ठिकानों पर की जा सकती है साथ ही उन्हें तकनीकी और लॉजिस्टिक सहयोग भी प्रदान किया जाएगा।

प्रस्ताव के अनुसार सैन्य बलों को संयुक्त अभ्यासों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, मानवीय सहायता, आपदा राहत तथा दोनों पक्षों द्वारा सहमत अन्य परिस्थितियों में भेजा जा सकता है। रूसी सरकार का मानना है कि इस दस्तावेज के अनुमोदन से भारत और रूस के बीच सैन्य क्षेत्र में सहयोग और मजबूत होगा। भारत इससे पहले अमेरिका के साथ भी इसी तरह का समझौता कर चुका है।

● लॉजिस्टिक समर्थन समझौते पर लंबे समय से चल रही है बातचीत

भारत-रूस के बीच पहले से है सशक्त रक्षा साझेदारी

भारत और रूस के बीच सशक्त रक्षा साझेदारी है जिसे नियमित त्रि-सेवा अभ्यास इंद्र और कई उच्च-स्तरीय संयुक्त सैन्य कार्यक्रमों जैसे ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल परियोजना, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए) कार्यक्रम, और सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान कार्यक्रमों से मजबूती मिल रही है।भारतीय सेनाओं के पास रूसी मूल के अनेक प्लेटफॉर्म जिनसे दोनों देशों के बीच दशकों पुराने घनिष्ठ सहयोग का पता चलता है। इनमें एस- 400 ट्रायंफ वायु रक्षा प्रणाली, मुख्य युद्धक टैंक टी-90, विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य और ए के-203 असॉल्ट राइफल शामिल हैं। इसके अलावा, भारत मेक इन इंडिया पहल के तहत 200 कामोव केए -226 हेलीकॉप्टरों का विनिर्माण करने जा रहा है जो द्विपक्षीय सैन्य-प्रौद्योगिकी सहयोग को और मजबूत करता है।

सिद्धरमैया और शिवकुमार ने एक साथ नाश्ता कर अटकलों को किया खारिज

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को एक साथ नाश्ता किया। इस मुलाकात से कर्नाटक के दोनों कद्दावर नेताओं के बीच सत्ता की खींचतान कम होती दिखी। शिवकुमार शनिवार को सिद्धरमैया के आवास 'कावेरी' पर नाश्ते के लिए पहुंचे थे, जिसके बाद दोनों नेताओं ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया।

दोनों नेताओं ने जोर देकर कहा कि उनके बीच कोई मतभेद नहीं है और भविष्य में भी वे एकजुट रहेंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि वे पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। ढाई साल का कार्यकाल पूरा करने वाली कांग्रेस सरकार को परेशान करने वाले इस मुद्दे पर गतिरोध को खत्म करने के लिए कांग्रेस आलाकमान के कहने पर मुख्यमंत्री ने नाश्ते पर शिवकुमार को मिलने के लिए बुलाया था। विपक्षी भाजपा ने चेतावनी दी थी कि अगर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच सत्ता संघर्ष जारी रहा तो पार्टी अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। सिद्धरमैया ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने शिवकुमार के साथ नाश्ते पर मुलाकात की क्योंकि कुछ भ्रम पैदा किया गया था। यह मीडिया द्वारा फैलाया गया था। उन्होंने कहा, हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं। आज भी कोई मतभेद नहीं हैं, भविष्य में भी नहीं होंगे। वे एकजुट हैं और मिलकर 2028 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

शिवकुमार ने कहा कि जनता ने कांग्रेस का समर्थन कर उसे सत्ता सौंपी है इसलिए पार्टी को उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री के साथ मतभेदों को खारिज करते हुए कहा, हमारे बीच कोई गुटबाजी नहीं है। हम साथ चलेंगे, सबको साथ लेकर चलेंगे और पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने 2028 के विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों और बेलगावी में कर्नाटक विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र में भाजपा द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जाने की स्थिति में निपटने के तरीकों पर भी चर्चा की।

● कहा- हमारे बीच कोई मतभेद नहीं भविष्य में भी रहेंगे एकजुट

लेह हिंसाः आयोग ने बयान दर्ज कराने का समय 10 दिन बढ़ाया

लेह/जम्मू। लेह हिंसा की जांच कर रहे न्यायिक जांच आयोग ने बयानों को दर्ज कराने और सबूत जमा कराने की समय-सीमा लेह एपेक्स बॉडी के अनुरोध के बाद 10 दिन बढ़ा दी है।

गृह मंत्रालय ने 17 अक्टूबर को इस उद्देश्य से आयोग का गठन अधिसूचित किया था कि 24 सितंबर को लेह में कानून-व्यवस्था संबंधी गंभीर स्थिति पैदा होने से जुड़े हालात की जांच की जाए, इस स्थिति के दौरान पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की जाए और उन घटनाओं का मूल्यांकन किया जाए जिनमें 1999 के कारगिल युद्ध के एक पूर्व सैनिक सहित चार लोगों की मौत हुई थी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य के दर्जे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में चार आम नागरिकों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हुए थे।

दिल्ली विस्फोटः न्यायिक हिरासत में भेजे गए तीन डॉक्टर और एक मौलवी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को शनिवार को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

इन आरोपियों में मुजम्मिल गनई, अदील राठेर और शाहीना सईद के साथ मौलवी इरफान अहमद वागय शामिल था जिन्हें प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया। उन्होंने चारों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब तक, एनआईए ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से भंडाफोड़ किए गए एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं।

एनआईए ने कहा, एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के सिलसिले में विभिन्न सुरागों की तलाश जारी रखे हुए है तथा इस बर्बर हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है। दस नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से लदी आई20 कार में विस्फोट हुआ था, जिसे डॉ. उमर-उन-नबी चला रहा था।

सीमा पर सजग प्रहरी

दिल्ली में लाल किले पर आत्मघाती हमले के बाद हाई अलर्ट के दौरान जम्मू के बाहरी इलाके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गश्त करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान।

ए 320 : सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

दुनिया भर की विमानन कंपनियों ने शनिवार को वाणिज्यिक विमान ए320 के सॉफ्टवेयर को अपडेट किया, जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा। पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आ जाना इसके पीछे वजह बताई जा रही है। जेटब्लू की उस घटना को लेकर विमानों के साफ्टवेयर को अपडेट करने के निर्देश दिए गए जिसके बाद अमेरिका सहित तमाम देशों में संचालित इन विमानों के साफ्टवेयर अपडेशन का काम शुरू कर दिया गया जिसका असर विमानों के संचालन पर पड़ा। भारत में भी इसका प्रभाव पड़ा। भारत में एयर इंडिया और इंडिगो एयरलाइन एयरबस का संचालन करती हैं।

भारत में 462 एयरबस हो रहे संचालित

भारत सहित दुनिया भर में एयरबस के ए320 परिवार के विमानों के लिए अनिवार्य हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर अपडेट के आदेश जारी किए गए जिससे उड़ानें प्रभावित हुई हैं। एयर इंडिया के बेड़े में ए320 परिवार के 104 विमान हैं। इंडिगो के पास 318 और एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास 40 विमान ए320 परिवार के हैं। इस प्रकार देश में इस समय ए320 परिवार के कुल 462 विमान परिचालन में हैं। 300 विमानों पर मॉडिफिकेशन की जरूरत होगी।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी विमान निर्माता कंपनी

एयरबस 320 का निर्माता यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एयरबस है, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी विमान निर्माता कंपनी है। एयरबस 320 एक विश्वसनीय विमान है, लेकिन वर्तमान सॉफ्टवेयर संकट ने इसकी सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। भारत में कई एयरलाइन्स एयरबस 320 का संचालन करती हैं, और वर्तमान सॉफ्टवेयर संकट के कारण कई फ्लाइट्स रद्द या देरी से चल रही हैं। डीजीसीए ने आवश्यक कदम उठाए हैं और एयरलाइन्स को सॉफ्टवेयर अपडेट करने के लिए कहा गया है।

सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी से अचानक नीचे आई उड़ान

विमानों के सॉफ्टवेयर में अपडेशन वर्तमान संकट का कारण रहा। जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा। जांच में पता चला कि पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आने में कंप्यूटर कोड की गड़बड़ी शामिल हो सकती है। एयरबस ने बताया कि जेटब्लू की उस घटना की जांच से पता चला कि सूरज की तेज किरणें (सोलर रेडिएशन) ए320 बेड़े के विमानों के उड़ान नियंत्रण को खराब कर सकती हैं। संघीय विमानन प्रशासन ने यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) के साथ मिलकर विमानन कंपनियों को नया सॉफ्टवेयर अपडेट करने का निर्देश दिया है।

करीब 6000 विमान प्रभावित

छह हजार विमानों को वापस बुलायाएक रिपोर्ट के मुताबिक 30 अक्तूबर को जेटब्लू की एक फ्लाइट कैनकन, मेक्सिको से नेवार्क, न्यू जर्सी जा रही थी। अचानक फ्लाइट काफी तेजी से ऊंचाई से गिरने लगी। इसकी वजह से कई यात्री घायल हो गए थे। फ्लाइट 1230 ने जहाज के कंट्रोल में दिक्कत और अचानक बिना किसी कंट्रोल के ऊंचाई गिरने के बाद टैम्पा, फ्लोरिडा में इमरजेंसी लैंडिंग की, जिसके बाद यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने जांच शुरू की। एयरबस के मौजूदा समय में करीब 11,300 ए320 विमान संचालित हो रहे हैं, जिनमें से कंपनी करीब 6000 ए320 विमानों को वापस बुलाया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल में विमान से पक्षी टकराया, यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल में पोखरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को उतरते समय एक निजी एयरलाइन के विमान से एक पक्षी टकरा गया। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। हवाई अड्डा प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि काठमांडू से पोखरा जा रहा बुद्धा एयरलाइंस का 9एन एओसी विमान अपराह्न 3.45 बजे उतरते समय एक पक्षी से टकरा गया। घटना में विमान का प्रोपेलर ब्लेड थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया।

पाकिस्तान में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने अनजाने में देश में घुसे एक कथित भारतीय नागरिक को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पाकिस्तान रेंजर्स ने बिना किसी कानूनी औपचारिकता के उसे 100 दिनों से अधिक समय तक हिरासत में रखा। पुलिस के अनुसार, कथित भारतीय नागरिक बी जे सिंह 16 अगस्त को भारतीय बचन सिंह पोस्ट के सामने अजमल शहीद पोस्ट के पास से पाकिस्तान में प्रवेश कर गया। सिंह (31) असम का रहने वाला है।

धुरंधर के ट्रेलर पर आपत्ति जताई

कराची। कराची में आतंकवादी और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ अपनी बहादुरी और एनकाउंटर विशेषज्ञ के रूप में मशहूर हुए पाकिस्तानी पुलिस अधिकारी दिवंगत चौधरी असलम की पत्नी ने धमकी दी है कि अगर उनके पति को आगामी बॉलीवुड फिल्म धुरंधर में गलत और नकारात्मक तरीके से चित्रित किया गया तो वह कानूनी कार्रवाई करेंगी। रणवीर सिंह अभिनीत और आदित्य धर द्वारा निर्देशित यह फिल्म जासूसी पर आधारित है। इस महीने की शुरुआत में जारी किया गया फिल्म का आधिकारिक ट्रेलर कराची के कुख्यात ल्यारी इलाके की कहानी की झलक पेश करता है। फिल्म में दिग्गज अभिनेता संजय दत्त चौधरी असलम का किरदार निभा रहे हैं।

बदमाशों ने एटीएम से 12 लाख रुपये लूटे

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में अज्ञात बदमाशों ने शनिवार को एक सार्वजनिक बैंक की स्वचालित गणक मशीन (एटीएम) से 12 लाख रुपये लूट लिए और वहां से भागते समय मशीन में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना पंचोड़ी पुलिस थाने के भेड़ गांव में हुई। इसने बताया कि जब स्थानीय लोगों ने शनिवार सुबह जले हुए एटीएम को देखा तो बैंक और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

तूफान दितवा ने पकड़ी गति, आज आधी रात पहुंचेगा तमिलनाडु तट

श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा आगे

- रविवार तड़के आंध्र, पुडुचेरी और बंगाल की खाड़ी तक पहुंचेगा

चेन्नई, एजेंसी

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान 'दितवा' अब तेज हो गया है और 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। यह चेन्नई से लगभग 350 किलोमीटर दूर केंद्रित है और शनिवार आधी रात तक तमिलनाडु के तट से टकरा सकता है। मौसम कार्यालय ने नवीनतम जानकारी में बताया कि यह इस तूफान ने पहले श्रीलंका में तबाही मचाई थी जहां 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ था। यह तूफान पहले 8 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ रहा था लेकिन अब इसने रफ्तार पकड़ ली है।

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी श्रीलंका के ऊपर स्थित चक्रवाती तूफान पिछले 6 घंटों के दौरान 10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर की ओर बढ़ा और शनिवार सुबह 11:30 बजे उसी क्षेत्र पर केंद्रित था। यह अब जाफना (श्रीलंका) से लगभग 80 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व, वेदारन्नियम (तमिलनाडु) से 110 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, कराईकल (पुडुचेरी) से 150 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, पुडुचेरी से 250 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और चेन्नई (तमिलनाडु) से 350 किलोमीटर दक्षिण में केंद्रित है। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और रविवार सुबह तड़के उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और आस-पास के दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की अत्यधिक संभावना है।

श्रीलंका में मृतकों की संख्या 150 हुई : उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'दितवा' के श्रीलंका से टकराने के बाद 150 से अधिक लोगों की मौत हो गई है, जबकि 130 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र ने पुष्टि की है कि देश भर में 3,73,430 लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें 43,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं और वर्तमान में 488 अस्थायी आश्रयों में रह रहे हैं। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पूरे देश में आपातकाल की घोषणा कर दी है। चक्रवात दितवा शनिवार तड़के श्रीलंका से निकल गया।

चक्रवात दितवा के मद्देनजर तेज हवाओं के बीच शनिवार को चेन्नई के कासिमेदु बंदरगाह तट पर खड़ी मछली पकड़ने वाली नावें।

आंध्र प्रदेश के कई जिलों में हाईअलर्ट

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश में साइक्लोन दितवा के मद्देनजर राज्य के मुख्य सचिव पी. विजयानंद ने चित्तूर, तिरुपति, अन्नामाया, श्री सत्य साईं, नेल्लोर, बापटला और प्रकाशम जिलों के जिलाधीशों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश जारी किया है। विजयानंद ने शनिवार को जिलाधीशों के साथ वीडियो पर बातचीत कर साइक्लोन के दौरान अगले मंगलवार तक किसी भी मछुआरे के समुद्र क्षेत्र में नहीं जाने का निर्देश दिया।

वायु सेना ने 21 टन राहत सामग्री पहुंचाई : भारतीय वायु सेना ने श्रीलंका में विनाशकारी बाढ़ से विस्थापित लोगों की सहायता के लिए शनिवार को 21 टन राहत सामग्री, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के 80 से अधिक कर्मियों एवं आठ टन उपकरण पहुंचाए। भारतीय वायु सेना ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दितवा के कारण मची तबाही के मद्देनजर भारत ने राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया।

बांग्लादेश लौटने का फैसला अकेले मेरे बस में नहीं

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के स्व निर्वासित कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने शनिवार को कहा कि बेहद गंभीर बीमारी से जूझ रहीं उनकी मां और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया से मिलने के लिए उनका वतन वापस लौटना पूरी तरह उनके हाथ में नहीं है। बीएनपी की 80 वर्षीय प्रमुख जिया को छाती में संक्रमण के कारण हृदय और दोनों फेफड़े प्रभावित होने के बाद 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

साल 2008 से लंदन में रह रहे रहमान (60) ने शनिवार को फेसबुक पर कहा कि किसी भी बच्चे की तरह वह इस मुश्किल समय में मां के पास रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन दूसरों की तरह, इस बारे में एकतरफा फैसला लेना सिर्फ मेरे हाथ में नहीं है और न ही केवल मेरे बस में है। इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ज्यादा बात नहीं कही जा सकती। रहमान ने कहा कि उनके परिवार को अब भी उम्मीद है कि एक बार राजनीतिक उथल-पुथल शांत हो जाए तो उनका स्वदेश लौटने का इंतजार खत्म हो जाएगा।

भारत ने सबसे अधिक वोट के साथ एक बार फिर आईएमओ परिषद का चुनाव जीता

लंदन, एजेंसी

- भारत पर भरोसा करने के लिए उच्चायोग ने अदा किया धन्यवाद

भारत आगामी दो वर्षों के लिए एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) की 40 सदस्यीय परिषद के लिए के लिए चुना गया है। लंदन में आईएमओ की सभा के दौरान हुए चुनाव में भारत को उसकी श्रेणी में सबसे अधिक वोट मिले।

भारत ने शुक्रवार को 'बी' श्रेणी में चुनाव जीता है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, स्पेन, स्वीडन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। आईएमओ ने कहा कि नव निर्वाचित परिषद का 136वां सत्र चार दिसंबर को होगा, जिसमें अगले दो साल के लिए अध्यक्ष और सह अध्यक्ष चुने जाएंगे। लंदन में स्थित भारतीय उच्चायोग ने चुनाव के बाद कहा, भारत बी श्रेणी में सबसे अधिक 154 वोट हासिल कर दोबारा आईएमओ परिषद के लिए चुना गया है। उच्चायोग ने कहा, हम भारत पर भरोसा करने के लिए अपने साझेदारों को धन्यवाद देते हैं, और वैश्विक समुद्री क्षेत्र के लिए काम करते रहने का वादा करते हैं।

आईएमओ दुनिया की सबसे बड़ी संस्था है जो दुनिया के समुद्री क्षेत्र की देखरेख करती है। परिषद आईएमओ का कार्यकारी अंग है जो संगठन के काम की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।

इस्कॉन ब्रिटेन ने ऐतिहासिक लंदन स्थल प्राप्त करने का जश्न मनाया

लंदन। ब्रिटेन में अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) इस सप्ताह एक नीलामी में लंदन में अपने मूल मंदिर स्थल को प्राप्त करने का जश्न मना रहा है। मध्य लंदन के ब्लूम्सबरी क्षेत्र में 7 बरी प्लेस स्थित ऐतिहासिक इमारत का इतिहास 1968 से जुड़ा है, जब इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद ने तीन अमेरिकी दम्पतियों को ब्रिटेन में एक मिशन स्थापित करने के लिए भेजा था। अंतत: बीटल गायक जॉर्ज हैरिसन जैसे समर्थकों की मदद से इसे हासिल किया गया, जिन्होंने मूल पट्टे पर सह-हस्ताक्षर किए थे और यह ब्रिटेन में इस्कॉन के शुरुआती कार्यों का आधार बना। इस्कॉन ब्रिटेन के शासी निकाय आयोग (जीबीसी) के प्रघोष दास ने कहा, सात बरी प्लेस को पुन: प्राप्त करना, ब्रिटेन में हमारे आध्यात्मिक जन्मस्थान को पुन: प्राप्त करना है।

इंडोनेशिया में मृतक संख्या 279 हुई

अगम। इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 279 हो गई है तथा अधिकारियों ने मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई है। उत्तरी सुमात्रा प्रांत में सड़कें खराब होने और संचार बाधित होने से इन इलाकों से संपर्क कट गया है और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए विमानों पर निर्भर रहना पड़ा। भारी उपकरणों की कमी के कारण बचाव कार्य भी बाधित हुए। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता फेरी वालिंटुकन ने बताया कि उत्तरी सुमात्रा में बचावकर्मियों ने शनिवार को 31 शव बरामद किए, जिससे मृतकों की संख्या 279 हो गई। लापता लोगों की तलाश हो रही है।

इमरान खान के जीवित होने का सरकार दे सबूत

लाहौर, एजेंसी

- बेटे कासिम खान ने सोशल मीडिया पर लिखी पोस्ट

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे ने सरकार से इसका सबूत पेश करने की मांग की है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक जिंदा हैं। खान के बेटे कासिम खान ने शुक्रवार शाम एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हम इमरान खान के जीवित होने का सबूत मांगते हैं।

ऐसी अटकलें हैं कि क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान (73) की जेल में हत्या कर दी गई है, क्योंकि ना तो उनके परिवार के सदस्यों और ना ही उनके वकीलों एवं पार्टी के लोगों को एक महीने से उनसे मिलने दिया गया है। खान कई मामलों में दो साल से अधिक समय से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। खान की तीन बहनें, पीटीआई के कार्यकर्ता और खैबर पख़्तूनख़्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफ़रीदी कुछ दिनों से अदियाला जेल के बाहर डेरा डाले हुए हैं और शहबाज शरीफ सरकार पर खान के परिवार के सदस्यों को उनसे मिलने की इजाजत देने का दबाव बना रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम अल्बनीस ने किया विवाह

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने शनिवार को राजधानी केबनरा में अपने आधिकारिक आवास पर करीबी लोगों की मौजूदगी में अपनी संगिनी जोडी हेडन से विवाह कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की संघीय सरकार के 124 साल के इतिहास में वह ऐसे पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान विवाह किया है। विवाह समारोह में ऑस्कर पुरस्कार विजेता अभिनेता रसेल क्रो और कई कैबिनेट मंत्रियों समेत करीब 60 मेहमान शामिल हुए। अल्बनीस और हेडन ने कहा कि हम अपने परिवार के साथ खुश हैं।

जी-20 में अफ्रीका को न बुलाना अनुचित

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

- राष्ट्रपति रामाफोसा ने की ट्रंप के फैसले की निंदा

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा है कि अमेरिका की अध्यक्षता के दौरान दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में आमंत्रित नहीं किए जाने की उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा अफसोसजनक है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में घोषणा की कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण नहीं मिलेगा।

अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और वह एक दिसंबर, 2025 से 30 नवंबर, 2026 तक इस समूह का नेतृत्व करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में जी-20 में भाग नहीं लिया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका पुर्तगाली, फ्रांसीसी तथा जर्मन प्रवासियों के मानवाधिकार हनन को स्वीकार नहीं करता है।

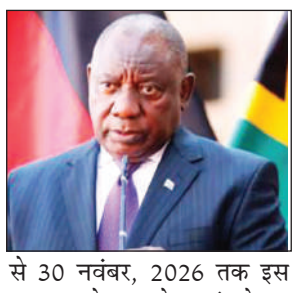

अमेरिका ने किया था बैठक का बहिष्कार

परंपरा के अनुसार, मेजबान देश जी-20 की अगली अध्यक्षता संभालने वाले राष्ट्र को लकड़ी का एक प्रतीकात्मक हथौड़ा सौंपता है लेकिन बैठक के बहिष्कार के कारण दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से इसे लेने के लिए कोई अमेरिकी अधिकारी मौजूद नहीं था। अमेरिका अपने दूतावास से एक प्रतिनिधि भेजना चाहता था। दक्षिण अफ्रीका ने इसे अस्वीकार कर दिया था कि रामाफोसा के लिए एक कनिष्ठ अधिकारी को प्रतीक सौंपना अपमानजनक होगा। दक्षिण अफ्रीका द्वारा राजनयिक संबंधों को पुनर्स्थापित करने तमाम प्रयासों के बावजूद ट्रंप दंडात्मक कदम उठाते रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 21.29 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

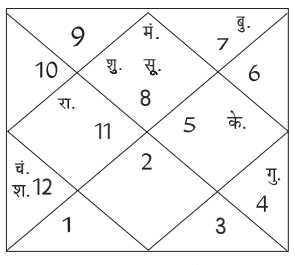

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृतिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 01 दिसंबर 01.11 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज आपसे लोग नाराज हो सकते हैं। अपने बड़ों की अवमानना न करें। अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद होगा। स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल लापरवाही न करें। निम्न रक्तचाप के कारण समस्या हो सकती है। शाम को मित्रों से चर्चा कर सकते हैं।

वृष — आज व्यवसाय में आय बढ़ सकती है। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। महत्वपूर्ण विषयों को लेकर जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं। लंबित पड़ी योजनाओं को दोबारा क्रियान्वित करने के अवसर मिलेंगे। आपका पूरा ध्यान घर-परिवार पर रहेगा।

मिथुन — आज परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। मानसिक रूप से शांति महसूस करेंगे। आपको अपने आत्मसम्मान की चिन्ता रहेगी।

कर्क — आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश के अवसर मिल सकते हैं। कारोबारी यात्रा से लाभ प्राप्त होगा। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी काफी चर्चा होगी। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी।

सिंह — आज व्यापार को लेकर अधिक सावधानी रखें। इसीलिए थोड़ा सोच-विचारकर ही काम करें। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर रहेंगे। बीमारियों पर धन खर्च अचानक से बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज जीवनसाथी आपको भावनात्मक रूप से काफी सहयोग देगा। व्यावसायिक यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। उच्च अधिकारियों से मित्रता हो सकती है। प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच आपका सामंजस्य बढ़ेगा।

तुला — आज व्यवसाय में उन्नति के लिए प्रयास करेंगे। लोन से जुड़े हुए अवरोध दूर होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। पुराने अनुभव आज आपके काफी काम आने वाले हैं।

वृश्चिक — आज आपके द्वारा कही गई बात सत्य होगी। आपकी सेहत काफी अच्छी रहने वाली है। नये विषयों के अध्ययन व अनुसंधान में रुचि लेंगे। बच्चों के साथ कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं। व्यावसायिक लक्ष्यों को सरलता से प्राप्त कर लेंगे।

धनु — आज अपनी जीवनशैली में सुधार करें। कुछ लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। घर के बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। एआई क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने का अवसर मिल सकता है।

मकर — आज सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। विवेक और संयम से निर्णय लेने से आपको लाभ होगा। आयात-निर्यात के व्यवसाय में बड़ा लाभ हो सकता है। विद्यार्थी किसी नये कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर न थोपें।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। नई जॉब ढूंढ रहे हैं तो आज सफलता मिल सकती है। विरोधियों के बीच में आपकी चर्चा होगी। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। जीवनसाथी को उपहार देने से तनाव दूर होगा। त्वचा विकार की समस्या हो सकती है।

मीन — आज आपके आकर्षक व्यक्तित्व की लोग प्रशंसा करेंगे। फाइनेंस को लेकर परेशानियां दूर होंगी। व्यवसाय को लेकर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। शेयर मार्केट के माध्यम से आपको बड़ा लाभ होगा।

सुडोकू-176

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

						2		
				5				
6								
		2						
					7	6		
	8			4				
		9						

सुडोकू - 175 का हल

1	2	3	4	9	7	8	5	6
8	5	4	1	3	6	2	9	7
6	9	7	5	2	8	4	3	1
3	8	6	7	1	9	5	2	4
9	4	5	6	8	2	1	7	3
7	1	2	3	5	4	9	6	8
4	7	1	9	6	5	3	8	2
5	3	8	2	7	1	6	4	9
2	6	9	8	4	3	7	1	5

जिस तरह की पिचों पर हम खेल रहे हैं, उनमें किसी को गेंदबाज बनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि हर गेंद स्पिन होती है या कुछ सीधी हो जाती है। एक गेंदबाज को तभी अच्छा माना जा सकता है जब वह अच्छी पिचों पर विकेट लेता है।

-हरभजन सिंह

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 30 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

ऐसा लगता है, मानो भारत के पास ऑफ स्पिनर नहीं है : भज्जी

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका से हाल में खत्म हुई टेस्ट सीरीज में हारने के बाद महान स्पिनर हरभजन सिंह को लगा कि भारतीय टीम के पास पांच दिन के मैच के लिए कोई विशेषज्ञ ऑफ-स्पिनर ही नहीं है और उन्होंने वाशिंगटन सुंदर का कार्यभार बढ़ाने की बात कही। आर अश्विन के संन्यास के बाद एसईएनए देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ पहली घरेलू श्रृंखला में भारत के स्पिनर दक्षिण अफ्रीका के सामने कमजोर पड़ गए। मेहमान टीम के स्पिनरों ने दो टेस्ट में 25 विकेट हासिल किए। हरभजन से जब पूछा गया कि क्या भारत के पास दाएं हाथ का कोई विशेषज्ञ स्पिनर नहीं है तो उन्होंने जवाब में 'पीटीआई' से कहा ऐसा ही लगता है।

दक्षिण अफ्रीका को सुधार करना होगा: प्रिंस

रांची। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच एशवेल प्रिंस ने शनिवार को कहा कि उनकी वनडे टीम को अब भी 'क्लच मोमेंट्स' को बेहतर बनाने की जरूरत है क्योंकि वे 2027 विश्व कप से पहले संयोजन का परीक्षण करना जारी रखे हैं। प्रिंस ने माना कि पिछले एक साल में टीम का फोकस टेस्ट क्रिकेट और आने वाले टी-20 विश्व कप पर रहा है जिससे 50 ओवर का प्रारूप प्रयोगात्मक चरण में है। भारत के खिलाफ पहले वनडे से पहले प्रिंस ने कहा हम 50 ओवर में अलग-अलग संयोजन आजमा रहे हैं और अंतिम टीम के करीब पहुंचने से पहले हमारे पास अब भी समय है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों की गहराई से संतुष्ट होने के बावजूद प्रिंस ने कहा अगर कोई क्षेत्र है जहां हमें सुधार करना है तो वह है 'क्लच मोमेंट्स'। सफेद गेंद का क्रिकेट हमेशा दबाव भरे माहौल भरा होता है। रविवार को यहां भारी ओस पड़ने की उम्मीद है इसलिए टॉस अहम भूमिका निभा सकता है।

रोहित और कोहली की होगी कड़ी परीक्षा

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला एकदिवसीय मुकाबला आज दोपहर 1:30 बजे से

रांची, एजेंसी

अब केवल वनडे में खेल रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार से यहां शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला में आकर्षण का केंद्र होंगे जिससे वह 2027 में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा भी मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम प्रबंधन इस श्रृंखला से चयन संबंधी समस्याओं का समाधान भी करना चाहेगा। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान चयन संबंधी मसलों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा था। रोहित और कोहली दोनों अब केवल एक ही अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में खेलते हैं। भारत को अगले दो महीनों में केवल छह एकदिवसीय मैच खेलने हैं। दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम तीन जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर तीन वनडे मैच की श्रृंखला खेलेगी। ऐसे में सभी की निगाह भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों रोहित और कोहली पर टिके रहना स्वाभाविक है। इन मैचों में उनके प्रदर्शन का 2027 के वनडे विश्व कप में उनकी संभावनाओं पर सीधा असर पड़ सकता है। हो सकता है कि यह उनके विश्व कप के भाग्य को पक्का न करे, लेकिन यह मैच उनके लिए ऑडिशन की तरह हो सकते हैं जिससे उनके भविष्य की राह भी सुनिश्चित होगी। संयोग से 2013 में इसी जेएससीए स्टेडियम में रोहित शर्मा पहली बार पूर्णकालिक सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेले थे जिससे सीमित ओवर की क्रिकेट में उनका करियर ही बदल दिया। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी एक दशक से भी अधिक समय बाद फिर से यहां पहुंचा है जहां वह अपने करियर को फिर से नहीं दिशा देने की कोशिश करेगा।

भारत की यह एकदिवसीय श्रृंखला अगले वर्ष घरेलू मैदान पर होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले खेली जा रही है जिसमें खिलाड़ियों का प्रदर्शन उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप के आईसीसी टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट श्रृंखला में दोनों मैच में हारने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर भी जांच के दायरे में हैं हालांकि उनके पद को किसी तरह का खतरा नहीं है क्योंकि उनका अनुबंध 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक है। टेस्ट में मिली हार के बाद उनके रणनीतिक फैसलों और टीम चयन पर सवाल उठे।

मुख्य कोच का पद संभालने के बाद से उनकी यह दूसरी बड़ी विफलता थी। ऐसे में यहां वनडे श्रृंखला गंभीर के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने और सीमित ओवरों में भारत की दिशा को स्पष्ट करने का एक अहम मौका है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर की निगरानी में अभ्यास करते कुलदीप यादव, तिलक वर्मा व अन्य भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके (दाएं) और टोनी डी जॉर्जी। एजेंसी

टीम

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यानसन, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जके, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

मेरे पास स्पिन के खिलाफ परेशानी का कोई पक्का जवाब नहीं : राहुल

रांची : कार्यवाहक वनडे कप्तान केएल राहुल ने शनिवार को स्वीकार किया कि उनकी टीम की स्पिन के खिलाफ लगातार संघर्ष करना विशेषकर घरेलू पिचों पर, चिंता का विषय है लेकिन उनके पास भारत की पारंपरिक रूप से मजबूती में आई गिरावट का कोई जवाब नहीं है। उनकी यह टिप्पणी पिछले दो सत्र में टेस्ट क्रिकेट में घरेलू पिचों पर स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप के बार-बार कमजोर पड़ने के चिंताजनक पैटर्न के बीच आई है जिसमें कभी भारत का दबदबा हुआ करता था। न्यूजीलैंड ने 2024 में और फिर दक्षिण अफ्रीका ने हाल में भारत को क्रमशः 3-0 और 2-0 से हराया। राहुल ने कहा हमने पिछले कुछ सत्र में स्पिन अच्छी तरह नहीं खेली है। मुझे सच में नहीं पता कि हम पहले क्यों कर पाते थे और अब क्यों नहीं कर पा रहे। मेरे पास कोई निश्चित जवाब नहीं है। हम बस इतना कर सकते हैं कि व्यक्तिगत रूप से और बतौर बल्लेबाजी समूह यह देखें कि कैसे बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को तकनीकी और रणनीतिक बदलावों की तलाश करनी होगी और यह एक लंबी प्रक्रिया होगी। राहुल ने कहा यह रातोंरात नहीं बदलने वाला। हम सुधार की जरूरतों को देखेंगे और उम्मीद है कि श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया सीरीज तक हम बेहतर तरीके से तैयार रहेंगे।

मिथुन पर रोमांचक जीत के साथ श्रीकांत फाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

- त्रिशा- गायत्री महिला युगल में खिताब के लिए करेंगी दावेदारी
- महिला एकल के सेमीफाइनल में तन्वी शर्मा को मिली हार

महिला डबल्स सेमीफाइनल में त्रीसा जॉली (दाएं) और गायत्री गोपीचंद। एजेंसी

अमृत विचार : पूर्व वर्ल्ड नंबर वन के.श्रीकांत ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश कर भारतीय चुनौती को कायम रखा।

दूसरी ओर महिला युगल में पिछली विजेता शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद पी. ने फाइनल में प्रवेश के साथ खिताब बचाने की अपनी दावेदारी पेश की। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के देखरेख में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में शनिवार को सेमीफाइनल खेले गए। चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में उन्नति व तन्वी की हार के साथ महिला एकल में भारत का सफर समाप्त हो गया। मिश्रित युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन व त्रिशा जॉली की जोड़ी को हार मिली। पुरुष एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत के के.श्रीकांत ने 59 मिनट चले तीन गेम के रोमांचक मैच में हमवतन मिथुन मंजूनाथ के खिलाफ 21-15, 19-21, 21-13 से जीत दर्ज की। श्रीकांत ने पहले गेम में कुछ संघर्ष के बाद जीत हासिल की। दूसरे गेम में वो आगे रहने के बाद पिछड़ गए और 9-15 के स्कोर पर फाउल के चलते प्रतिद्वंद्वी को फायदा मिला। यह गेम मिथुन मंजूनाथ ने तेज सर्विस की बदौलत अपने नाम की। तीसरे और निर्णायक गेम में श्रीकांत ने बेहतरीन कोर्ट कवरेज की बदौलत जीत से फाइनल में जगह बनाई। 2016 के चैंपियन के.श्रीकांत अब चैंपियनशिप में अपने दूसरे खिताब की दावेदारी करेंगे। मलेशियाई मास्टर्स के उपविजेता रहे श्रीकांत की कल लंबे समय बाद घरेलू टूर्नामेंट में खिताब और साथ में साल के शानदार समापन पर निगाह होगी। श्रीकांत ने इससे पूर्व फ्रेंच ओपन 2017 में खिताबी जीत दर्ज की थी। श्रीकांत की अब फाइनल में हांगकांग के जेसन गुनावन से भिड़ंत होगी जो प्रतिद्वंद्वी जापान के मिनोरू कोगा के मैच छोड़ने से फाइनल में पहुंच गए। पहला गेम कोगा ने 21-12 से जीता। दूसरे गेम में जेसन ने जीत दर्ज की। तीसरे गेम में जब जेसन 11-0 से आगे थे तब जापानी खिलाड़ी ने मैच छोड़ने का फैसला किया। वहीं, महिला एकल के पहले सेमीफाइनल मे जापान की हीना अकेची ने भारत की तन्वी शर्मा को 21-17, 21-16 से हराया। तुर्किये की नेस्लिहान अरीन ने शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की उन्नति हुड्डा को 21-15, 21-10 से हराया।

किदांबी श्रीकांत। एजेंसी

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा पहला मैच

मुंबई, एजेंसी

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली गत चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम चौथी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन मैच में नौ जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करेगी।

डब्ल्यूपीएल का फाइनल पहली बार सप्ताहांत पर नहीं होगा। इस बार प्रतियोगिता का फाइनल गुरुवार (पांच फरवरी) को खेला जाएगा। ऐसा पुरुषों के टी-20 विश्व कप से टकराव से बचने के लिए किया गया है जो उसी सप्ताह भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है। टी20 विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी (शनिवार) को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच मैच से होगी। इस बार डब्ल्यूपीएल 28 दिन तक चलेगा और इसमें 22 मैच खेले जाएंगे।

महिला प्रीमियर लीग कार्यक्रम

9 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
10 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स और मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स
11 जनवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स
12 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स
13 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स
14 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
15 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स
16 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स
17 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

19 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
20 जनवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस
22 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स
24 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स
26 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस
27 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
29 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
30 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस
01 फरवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स
एलिमिनेटर : तीन फरवरी
फाइनल : पांच फरवरी।

दृष्टिबाधित महिला टीम ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की और उन्हें ऑटोग्राफ वाला क्रिकेट बल्ला उपहार में दिया।

राष्ट्रपति ने टीम सदस्यों को टी20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी और कहा कि उनकी सफलता दूसरों को करियर में नयी ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करेगी। राष्ट्रपति ने टीम की तरफ से भेंट की गई क्रिकेट गेंद पर भी हस्ताक्षर किए। भारत ने हाल में कोलंबो में फाइनल में नेपाल को हराकर पहला टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप जीता था।

ओलंपिक हॉकी के दिग्गजों को सम्मानित किया गया

चेन्नई : तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को 14वें पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप के उद्घाटन के दौरान ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय और तमिलनाडु हॉकी टीम के सीनियर खिलाड़ियों को सम्मानित किया। राज्य सरकार ने शनिवार को आधिकारिक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा 1979 में शुरू किए गए जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप का 14वां चरण अभी चेन्नई और मदुरै में चल रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया कि उप मुख्यमंत्री ने 28 नवंबर को चेन्नई में टूर्नामेंट के शुरुआती मैच भारत बनाम चिली का औपचारिक उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री ने भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ियों को सम्मानित किया जिसमें तमिलनाडु के ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले हॉकी खिलाड़ी भी थे।

अजलन शाह हॉकी | जुगराज सिंह ने किए चार गोल, बेल्जियम से आज होगी खिताबी भिड़ंत

कनाडा को 14-3 से रौंदकर भारत फाइनल में

इपोह, एजेंसी

जुगराज सिंह के चार गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां बड़े स्कोर वाले मुकाबले में कनाडा को 14-3 से हराकर पूल तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर सुल्तान अजलन शाह कप के फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम को टूर्नामेंट में अभी तक सिर्फ बेल्जियम से एक गोल से हार मिली लेकिन पिछले मैच में न्यूजीलैंड पर 3-2 की शानदार जीत के बाद खिलाड़ी आत्मविश्वास से ओतप्रोत थे। भारतीय टीम रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी।

नीलकांत शर्मा ने मैच की शुरुआत चौथे मिनट में गोल दागकर की जिसके बाद सीनियर टीम में पदार्पण करने के बाद अच्छी फॉर्म में चल रहे राजिंदर सिंह ने 10वें मिनट में गोल कर दिया। यह रोमांचक शुरूआत रही। कनाडा ने शुरुआती गोल का जवाब पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके उसे गोल में बदलकर दिया।

11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। फिर अगले कुछ मिनटों में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने क्रमशः 12वें और 15वें मिनट में गोल कर किए जिससे भारत की बढ़त 4-1 हो गई। इस टूर्नामेंट के लिए टीम के सीनियर स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया गया था इसलिए बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी और उन्होंने कनाडा के डिफेंस को दबाव में रखकर अच्छा प्रदर्शन किया।

दूसरे क्वार्टर में गोलों की झड़ी लगी रही जिसमें राजिंदर ने 24वें मिनट में, दिलप्रीत सिंह ने 25वें मिनट में और जुगराज ने 26वें मिनट में गोल कर दिए। अब भारतीय टीम 7-1 से आगे थी जिससे कनाडा ने तीसरे क्वार्टर में अपने आक्रमण में थोड़े बदलाव किए जिससे 35वें मिनट में उन्हें पेनल्टी स्ट्रोक मिला। मैथ्यू सरमेंटो ने इसे पोस्ट में डालकर स्कोर 7-2 कर दिया। इस बीच जुगराज ने इसी क्वार्टर में 39वें मिनट में गोल करके हैट्रिक बनाई। जिसके बाद सेल्वम कार्ति ने 43वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त को 9-2 तक पहुंचा दिया। आखिरी क्वार्टर बस एक औपचारिकता मात्र थी लेकिन इसी में दोनों टीमों ने ज्यादा गोल किए। इस क्वार्टर में छह गोल हुए। रोहिदास ने 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर और इसके बाद 50वें मिनट में जुगराज के पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील किया।

चिली और स्विट्जरलैंड (लाल जर्सी) के खिलाड़ी।

जूनियर विश्व कप : मलेशिया और नीदरलैंड्स की विजयी शुरुआत

मदुरै : मलेशिया और नीदरलैंड ने शनिवार को यहां पूल ई के मैचों में क्रमशः ऑस्ट्रिया और इंग्लैंड को हराकर एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। मलेशिया ने दिन के पहले मैच में ऑस्ट्रिया को 5-1 से जबकि नीदरलैंड ने इंग्लैंड को 5-3 से हराया। मलेशिया के लिए दानिश खैरिल (56वें और 57वें मिनट) ने दो जबकि हैरिस उस्मान (28वें मिनट), एडम जोहरी (47वें मिनट) और नवीनेश पनिकर (55वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। ऑस्ट्रिया का एकमात्र गोल 56वें मिनट में जूलियन कैसर ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इससे पहले नीदरलैंड की इंग्लैंड पर जीत में जान वैनट लैंड (दूसरे और 49वें मिनट) ने दो मैदानी गोल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अलावा कैस्पर वैन डेर वीन (26वें मिनट) ने भी एक मैदानी गोल किया, जबकि जोप्पे वोलबर्ट (39वें मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक पर और डैनिलो ट्राइलिंग (54वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित की। इंग्लैंड के लिए गोल कैडेन ड्रेसी (11वें), माइकल रॉयडेन (29वें) और जॉर्ज फ्लेचर (49वें) ने किए। बाद में दक्षिण अफ्रीका ने यहां पूल ए मैच में आयरलैंड को 2-1 से हराया। दक्षिण अफ्रीका के लिए रूबेन सेंडजुल (43वें मिनट) और रॉस मोंटगोमरी (54वें मिनट) ने मैदानी गोल किए।